स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

स्वतंत्र भारत

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

कानपुर, शुक्रवार
27 जून, 2025
आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष 2
सं. 2082 वि.
वर्ष 36, अंक - 305 पृष्ठ 12
संस्करण : महानगर

मूल्य : 3 रुपये

epaper : epaper.swatantrabharat.net

ऋषभ पंत की तुलना विराट से होनी चाहिए : अश्विन

शुभांशु पहुंचे स्पेस स्टेशन, बिताएंगे 14 दिन

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और अन्य यात्रियों को लेकर स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंच गया है। अंतरिक्ष यान करीब 28.5 घंटे की यात्रा के बाद 26 जून गुरुवार को भारतीय समय के अनुसार शाम करीब 4:01 बजे आईएसएस से जुड़ा। डॉकिंग अनुक्रम भारतीय समयानुसार शाम 4:15 बजे पूरा हुआ। अंतरिक्ष यान के सॉफ्ट कैप्चर के बाद हार्ड-मेटिंग तब पूरी हुई जब दोनों ऑर्बिट बॉडी 12 हुक के सेट के साथ एक दूसरे से जुड़ गई और उनके बीच संचार और पावर लिंक स्थापित किए गए। यह पहली बार है जब कोई भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा पर गया है। अंतरिक्ष यात्रियों के अंतरिक्ष स्टेशन पर चढ़ने से पहले हैच खोलने की प्रक्रिया में लगभग दो घंटे लगते हैं।

अनुभवी अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन मिशन कमांडर हैं और शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के लिए मिशन पायलट हैं। स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट ने बुधवार दोपहर 12:01 बजे एक्सिओम-4 मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर फ्लोरिडा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से आईएसएस के लिए सफल उड़ान भरी थी।

आईएसएस में गर्मजोशी से स्वागत

28 घंटे की उड़ान के बाद शुभांशु शुक्ला और उनकी टीम का आईएसएस में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उनका वेलकम इस समय रह रहे सात अंतरिक्ष यात्रियों ने किया। इनमें तीन नासा से हैं और एक जापान से और तीन रूसी अंतरिक्ष यात्री हैं।

6 बार टाला गया एक्सियम-4 मिशन

29 मई को ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के तैयार नहीं होने के कारण लॉन्चिंग टाल दी गई। इसे 8 जून को शेड्यूल किया गया। फाल्कन-9 रॉकेट लॉन्च के लिए तैयार नहीं था। नई तारीख 10 जून दी गई। फिर से इसे मौसम खराब होने की वजह से टाला गया। चौथी बार 11 जून को मिशन शेड्यूल किया गया। इस बार आक्सीजन लीक हो गई। नई तारीख 19 जून दी गई। मौसम की अनिश्चितता, क्रू मेंबर्स की सेहत के कारण टल गया। छठी बार मिशन को 22 जून के लिए शेड्यूल किया गया। आईएसएस के ज्वेजदा सर्विस मॉड्यूल के मूल्यांकन करने के लिए अतिरिक्त समय चाहिए था। इसलिए मिशन टल गया।

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन क्या है?

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पृथ्वी के चारों ओर घूमने वाला एक बड़ा अंतरिक्ष यान है। इसमें एस्ट्रोनॉट रहते हैं और माइक्रो ग्रेविटी में एक्सपेरिमेंट करते हैं। यह 28,000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रैवल करता है। यह हर 90 मिनट में पृथ्वी की परिक्रमा पूरी कर लेता है। 5 स्पेस एजेंसीज ने मिलकर इसे बनाया है। स्टेशन का पहला पीस नवंबर 1998 में लॉन्च किया गया था।

भारत को कितनी लागत आई?

मिशन पर भारत ने अब तक करीब 548 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। इसमें शुभांशु और उनके बैकअप ग्रुप कैप्टन प्रशांत नायर की ट्रेनिंग का खर्च भी शामिल है। ये पैसे ट्रेनिंग, उपकरण और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी में लगे हैं।

शुभांशु ने अंतरिक्ष से भेजा संदेश यह व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं

नमस्ते फ्रॉम स्पेस! मैं अपने साथी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ यहां आकर बहुत उत्साहित हूं। सच कहूं तो, जब मैं कल लॉन्चपैड पर कैप्सूल में बैठा था। 30 दिन के क्वारंटाइन के बाद, मैं बस यही चाहता था कि अब चल पड़ें। लेकिन जब यात्रा शुरू हुई, तो ऐसा लगा जैसे आपको सीट में पीछे धकेला जा रहा हो। यह एक अद्भुत राइड थी.. और फिर अचानक सब कुछ शांत हो गया। आपने बेल्ट खोली और आप वैक्यूम की शांति में तैर रहे थे। मैं हर उस व्यक्ति को धन्यवाद देना चाहता हूं, जो इस यात्रा का हिस्सा रहा है। मैं समझता हूं कि यह कोई व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, यह आप सभी की सामूहिक उपलब्धि है, जो इस यात्रा का हिस्सा रहे हैं। मैं आप सभी को दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं। परिवार और दोस्तों को भी.. आपका समर्थन बहुत मायने रखता है। यह सब आप सभी की वजह से संभव हुआ है।

स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल की सफल डॉकिंग पर केंद्रीय मंत्री ने बधाई दी

उन्होंने ट्वीट कर लिखा, बधाई हो...एक्सिओम-4 डॉकिंग सफल रही। शुभांशु अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के द्वार पर खड़े हैं। भीतर कदम रखने के लिए तैयार, 14 दिनों की अंतरिक्ष यात्रा शुरू होने वाली है..और पूरा विश्व उत्साह और अपेक्षा के साथ देख रहा है। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए सफल उड़ान भरने के साथ ही नया इतिहास रच दिया। तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ रवाना हुए शुभांशु की यह यात्रा 41 साल बाद किसी भारतीय की पहली अंतरिक्ष यात्रा है। आईएसएस की यात्रा करने वाले वह पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं। इससे पहले 1984 में राकेश शर्मा सोवियत संघ के सल्युत-7 स्पेस स्टेशन पर आठ दिन रहे थे। शुभांशु शुक्ल एग्जियोम मिशन के दौरान अपने साथ इसरो से जुड़े कई उपकरण, एक्सपेरिमेंट के लिए जरूरी वस्तुएं, पौधे और जीवाश्वों को ले गए हैं। इसके जरिए शुभांशु कई प्रयोगों को अंजाम देंगे, जो कि भारत के पहले अंतरिक्ष मिशन- गगनयान के लिए अहम साबित होंगे। इसके अलावा शुभांशु अपने साथ विशेष तौर पर बनाया गया भारतीय खाना भी ले गए हैं। इनमें आम रस, मूंग दाल का हलवा, गाजर का हलवा और चावल से बनी कई चीजें शामिल हैं। यह पहली बार होगा, जब अंतरिक्ष में भारतीय खाना भी पहुंचा है।

एग्जियोम मिशन में क्या होगी शुभांशु की भूमिका?

शुभांशु शुक्ल इस मिशन में पायलट के तौर पर आईएसएस भेजे जा रहे हैं। यानी जिस ड्रैगन कैप्सूल के जरिए एग्जियोम-4 मिशन को अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) रवाना किया जाएगा, शुभांशु उसको गाइड करने (नैविगेशन) में अहम भूमिका निभाएंगे। यहां स्पेसक्राफ्ट को आईएसएस पर डॉक कराने से लेकर अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित पहुंचाने तक की जिम्मेदारी शुभांशु के ही कंधों पर होगी।

भारत को कैसे होगा मिशन से फायदा?

अंतरिक्ष में होने वाले एक्सपेरिमेंट

एग्जियोम मिशन पर भारत को सबसे ज्यादा फायदा आईएसएस पर शुभांशु शुक्ल की तरफ से किए जाने वाले एक्सपेरिमेंट्स के जरिए होगा। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, शुभांशु आईएसएस पर कुल सात एक्सपेरिमेंट्स करेंगे। इन सभी प्रयोगों के जरिए अंतरिक्ष और पृथ्वी में जीवन के फर्क को लेकर अहम जानकारियां मिलेंगी।

छह फसलों के बीज का परीक्षण

शुभांशु आईएसएस पर छह तरह की फसलों के बीच साथ लेकर गए हैं। अपने 14 दिन के सफर के दौरान वे इन बीजों के माइक्रोग्रैविटी में विकास को लेकर अहम जानकारी इकट्ठा करेंगे। इस प्रयोग का मकसद आने वाले समय में अंतरिक्ष में खेती करने के विकल्पों को तलाशना होगा।

काई के इस्तेमाल पर एक्सपेरिमेंट

शुभांशु अपने मिशन के लिए माइक्रोएल्गी यानी काई के तीन स्ट्रेन लेकर पहुंचे हैं। वे कम गुरुत्वाकर्षण के बीच इन्हें खाने, ईंधन और लंबी अवधि के अंतरिक्ष मिशन के दौरान जीवन बचाने के विकल्प के तौर पर प्रयोग में लाएंगे।

कठिन परिस्थितियों में जीवाश्मों के सुरक्षित रहने पर

एग्जियोम-4 के मिशन में शुभांशु टार्डीग्रेड्स (एक तरह का छोटा जीव, जो कि चरम स्थितियों में भी खुद को सामान्य रख सकता है) पर परीक्षण करेंगे। इसके जरिए यह जानने की कोशिश की जाएगी कि अंतरिक्ष के खतरनाक माहौल में कौन से जीवाणु सुरक्षित रह सकते हैं।

मांसपेशियों के कमजोर होने पर

एक और प्रयोग के जरिए यह जानने की कोशिश की जाएगी कि शून्य गुरुत्वाकर्षण में इंसानों में मांस कैसे कम होता है और इससे निपटा कैसे जा सकता है। आमतौर पर लंबी अवधि के मिशन में अंतरिक्ष यात्रियों को मसल एट्रोफी यानी मांस घटने की शिकायत आती है। ऐसे में अंतरिक्षयात्रियों पर पाचन से जुड़े सप्लीमेंट्स का असर देखा जाएगा।

आंखों पर पड़ने वाला प्रभाव

एग्जियोम-4 मिशन के दौरान एक स्टडी माइक्रोग्रैविटी के आंखों पर पड़ने वाले प्रभाव पर भी की जाएगी। इस रिसर्च में यह पता लगाया जाएगा कि अंतरिक्ष में एस्ट्रोनॉट्स की आंखों की पुतलियों का मूवमेंट किस हद तक प्रभावित होता है। साथ ही इससे किसी की तनाव और सजगता कितनी प्रभावित होती है।

अलग-अलग फसलों की पोषण गुणवत्ता

मिशन के दौरान कुछ बीजों को अंकुरित करने का प्रयास किया जाएगा। इनके पोषक तत्वों को भी मापा जाएगा, जिससे पृथ्वी और जीरो ग्रैविटी में पैदा हुई फसलों के पोषण में अंतर को समझने का प्रयास किया जाएगा। यह प्रयोग भविष्य में अंतरिक्ष यात्रियों के बोझ को घटाएगा, क्योंकि अगर अंतरिक्ष में फसलें बराबर या ज्यादा मात्रा में पोषक होती हैं, तो इन्हें वहीं उगाने की कोशिश की जाएगी।

यूरिया और नाइट्रेट में सायनोबैक्टेरिया का इस्तेमाल

शुभांशु शुक्ल के सबसे कठिन प्रयोगों में से यह एक रहेगा। दरअसल, अंतरिक्ष में खाना, पानी और ऑक्सीजन की उपलब्धता बड़ी समस्या रही है। खासकर लंबी अवधि के अभियानों के लिए। ऐसे में वैज्ञानिक काफी समय से आईएसएस पर ही इन चीजों की व्यवस्था की कोशिशों में जुटे हैं। अब यूरिया और नाइट्रेट में सायनोबैक्टीरिया का इस्तेमाल कर वैज्ञानिक यह देखने की कोशिश में हैं कि क्या अंतरिक्ष की जीरो ग्रैविटी में खाना और ऑक्सीजन एक साथ पैदा किए जा सकते हैं। गौरतलब है कि यूरिया और नाइट्रेट दोनों ही खाना बनाने के लिए अहम हैं।

राजनाथ सिंह ने एससीओ समिट में दस्तावेज पर नहीं किए साइन

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्ष्ठह यानी शंघाई सहयोग संगठन में दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया था। अब विदेश मंत्रालय ने इस मुद्दे को विस्तार से बात की है। विदेश

आतंकवाद को लेकर आम सहमति नहीं बन पाई

मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की बैठक में संयुक्त बयान को लेकर कई मुद्दों, खासतौर पर आतंकवाद को लेकर आम सहमति नहीं बन पाई है, इसी वजह इस पर हस्ताक्षर नहीं किए गए हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा, शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में हमारे रक्षा मंत्री ने भाग लिया था। दो दिन चली यह बैठक आज समाप्त हो गई है। चूंकि कुछ सदस्य देश संयुक्त बयान के प्रस्ताव पर आम सहमति नहीं बना सके और इसलिए दस्तावेजों को औपचारिक रूप नहीं दिया जा सका।

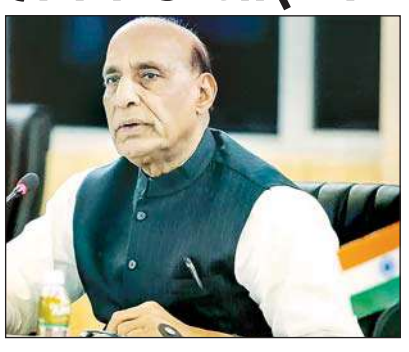

जायसवाल ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा, हमारी ओर से यह बताया गया कि भारत चाहता है कि संयुक्त बयान में आतंकवाद पर हमारी चिंताओं को दर्शाया जाए.. लेकिन इस बात को लेकर एक खास देश ने अपनी असहमति जताई, जिसके बाद बयान पर हस्ताक्षर नहीं किए गए।

जायसवाल ने एससीओ समिट में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा दिए गए बयान पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रक्षामंत्री ने समिट में मौजूद सभी सदस्यों से आतंकवाद के मुद्दे पर एकजुट होने और आतंकवाद के सभी रूपों से लड़ने का आग्रह किया। जायसवाल ने कहा, रक्षामंत्री ने वहां पर यह भी दोहराया कि सीमा पार से होने वाले आतंकवाद और इसके अपराधियों, आयोजकों और वित्तपोषकों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

इतना ही नहीं रक्षा मंत्री ने चीन की धरती से पाकिस्तान को भी खूब लताड़ लगाई थी। ऑपरेशन सिंदूर की तरफ संकेत करते हुए उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद को अब कतई बर्दाश्त न करने की नीति अपना रहा है।

चुनाव आयोग महाराष्ट्र की मतदाता सूची, वीडियो फुटेज मुहैया कराये

नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर आरोप लगाने के बाद चुनाव आयोग ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी चुनाव आयोग ने उन्हें बातचीत के लिए बुलाया है। वहीं कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग से महाराष्ट्र की मतदाता सूची की डिजिटल कॉपी और महाराष्ट्र और हरियाणा दोनों के मतदान दिवस का वीडियो फुटेज एक सप्ताह के भीतर मांगा है। कांग्रेस का कहना है कि डेटा मिलने के बाद वे ईसी से मिलेंगे और अपना विश्लेषण पेश करेंगे। राहुल गांधी ने पहले ईसी से लोकसभा और सभी राज्यों की विधान सभाओं के सबसे हालिया चुनावों के लिए समेकित, डिजिटल, मशीन-पठनीय मतदाता सूची प्रकाशित करने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा था कि 'सच बोलने' से चुनाव पैनल की विश्वसनीयता बनी रहेगी।

कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग को लिखे पत्र में कहा है, 'हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप हमें महाराष्ट्र की मतदाता सूचियों की मशीन-पठनीय, डिजिटल कॉपी और महाराष्ट्र और हरियाणा के मतदान दिवस का वीडियो फुटेज इस पत्र की तारीख से एक सप्ताह के भीतर प्रदान करें। यह एक पुरानी मांग है जिसे ईसी के लिए पूरा करना आसान होना चाहिए। कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व यह सब मिलने के बाद ईसी से मिलने में खुशी महसूस करेगा। उस बैठक में, हम आपको अपने विश्लेषण के निष्कर्ष भी प्रस्तुत करेंगे।कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी पार्टी की मांग को दोहराया। उन्होंने महाराष्ट्र मतदाता सूची की मशीन-पठनीय डिजिटल कॉपी और महाराष्ट्र और हरियाणा के मतदान दिवस के वीडियो फुटेज की मांग की।

हरियाणा समेत 18 जगहों पर एनआईए की रेड

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकी साज़िश मामले में आज हरियाणा समेत देशभर में कुल 18 जगहों पर रेड मारी है. इसमें हरियाणा के 7, पंजाब के 9 और उत्तर प्रदेश के दो जगहों पर छापेमारी की जा रही है। आतंकवाद को लेकर सख्त कदम उठाते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आज बड़ी छापेमारी कर डाली है. हरियाणा के करनाल समेत 7 जगहों पर रेड मारी है. एनआईए ने करनाल की पुलिस लाइन, कुंजपुरा और घरौंडा में छापेमारी की. एक पुलिसकर्मी के आवास पर कई घंटों से पूछताछ चल रही है। एनआईए ने पंजाब में आपराधिक गतिविधियों से जुड़े वित्तीय लेनदेन के सिलसिले में करनाल के आरके पुरम इलाके में भी छापेमारी की. एजेंसी ने अशोक भाटिया के परिवार से पूछताछ की जिनके बेटे ने अमेरिका में रहकर कथित तौर पर आपराधिक पृष्ठभूमि वाले एक व्यक्ति को पैसा ट्रांसफर किया था. छापेमारी और पूछताछ करीब 3 घंटे तक चली है।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में 2 महिला नक्सली मुठभेड़ में ढेर

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में गुरुवार तड़के सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में 2 महिला नक्सलियों को मार गिराया गया है। घटनास्थल से इंसास राइफल सहित बड़ी मात्रा में नक्सली सामान बरामद हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुरक्षाबलों का ऑपरेशन अभी भी क्षेत्र में जारी है। संभावना जताई जा रही है कि मुठभेड़ में अन्य नक्सलियों को भी नुकसान पहुंचा है। इलाके में अतिरिक्त बल तैनात कर दिया गया है और सर्चिंग अभियान तेज कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी शांत होने के बाद इलाके में छानबीन की गई तो 2 महिला नक्सलियों के शव के साथ दवाएं, एक इंसास राइफल, एक 315 राइफल और नक्सली साहित्य बरामद किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि अबूझमाड़ एक दुर्गम क्षेत्र है, जहां माड़ डिवीजन पर कार्रवाई नक्सलियों के लिए बड़ा झटका है। अभी कोहकामेटा थाना क्षेत्र में भी सघन अभियान चल रहा है। पूरे इलाके में तलाशी अभियान जोरों पर है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मार्च 2026 तक भारत को नक्सल मुक्त बनाने का वादा किया है, इसी के तहत छत्तीसगढ़, झारखंड और इससे जुड़ी सीमाओं पर बड़ा अभियान चल रहा है। इस साल जनवरी से लेकर अभी तक 200 से अधिक नक्सलियों को मार गिराया गया है।

जम्मू-कश्मीर आतंकियों के साथ मुठभेड़

उधमपुर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ की खबर सामने आई है। दोनों तरफ से भीषण गोलीबारी हो रही है। मुठभेड़ बसंतगढ़ के कुरु नाला इलाके में हो रही है, जहां सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान के जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के आतंकियों को घेर लिया है। अभियान पर भारतीय सेना की 6 पैरा स्पेशल फोर्स तैनात है। यहां 3 से 4 आतंकियों के छिपे होने की खबर है।

केदारनाथ यात्रा पर मौसम ने लगाया ब्रेक, सोनप्रयाग में रोके गए श्रद्धालु

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में जोरदार बारिश हो रही है. बारिश के कारण चारधाम यात्रा भी प्रभावित हो रही है. बरसात में सबसे ज्यादा असर केदारनाथ यात्रा पर देखने को मिल रहा है. रुद्रप्रयाग जिले में बीते तीन दिनों से रुक-रुक कर बारिश हो रही है।

गुरुवार 26 जून को भी तेज बारिश के कारण केदारनाथ यात्रा का मुख्य पड़ाव सोनप्रयाग-मुनकटिया मार्ग भी भूस्खलन के कारण कई स्थानों पर अवरुद्ध हो गया है। प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर केदारनाथ जाने वाले सभी यात्रियों को सोनप्रयाग में ही रोक दिया है. इसी के साथ प्रशासन ने केदारनाथ से नीचे लौट रहे यात्रियों के सुरक्षित रेस्क्यू के लिए भी एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और डीडीआरएफ की टीमें तत्काल मौके पर रवाना की है. रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार 26 जून को सुबह 11 बजे तक कुल 1269 यात्रियों को सुरक्षित सोनप्रयाग पहुंचाया जा चुका है, जिनमें 833 पुरुष और 436 महिला श्रद्धालु शामिल हैं. यह रेस्क्यू अभियान अत्यंत व्यवस्थित, संवेदनशील और समयबद्ध रूप से संचालित किया गया, जिससे किसी भी यात्री को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

फिर खुले कामाख्या मंदिर के कपाट

गुवाहाटी। असम की नीलाचल पहाड़ियों पर स्थित भारत के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक कामाख्या मंदिर ने गुरुवार सुबह अपने कपाट पुनः खोल दिए. बता दें, चार दिवसीय विराम के बाद मंदिर के कपाट खोले गए हैं. यह अवसर केवल मंदिर के खुलने भर का नहीं था, बल्कि अंबुबाची महापर्व के विधिवत समापन का भी प्रतीक था - एक ऐसा पर्व जो देवी कामाख्या के मासिक धर्म और स्त्रीत्व की पवित्रता को समर्पित है. मंदिर के गर्भगृह के द्वार सुबह 5:00 बजे आम भक्तों के लिए खोले गए।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश ब्लैक बॉक्स का डेटा रिकवर

नई दिल्ली। अहमदाबाद में 12 जून को क्रैश हुए एअर इंडिया विमान के ब्लैक बॉक्स के डेटा को रिकवर कर लिया गया है। सरकारी बयान में गुरुवार को बताया गया कि डेटा डाउनलोड हो गया है। मेमोरी मॉड्यूल का एक्सेस भी मिल गया है। अब जांच एजेंसी ब्लैक बॉक्स से रिकवर हुए डेटा का विश्लेषण (एनालिसिस) करेगी। इससे हादसे के कारणों का पता चलेगा। इससे पहले 24 जून को नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने बताया था कि ब्लैक बॉक्स को जांच के लिए विदेश नहीं भेजा जा रहा। इसकी जांच एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो कर रहा है। केंद्र सरकार के अनुसार, क्रैश प्लेन से दो ब्लैक बॉक्स सेट मिले हैं। इनमें हादसे के समय पायलटों की बातचीत और विमान की तकनीकी जानकारी का रिकॉर्ड मिलेगा। पहला सेट 13 जून को और दूसरा 16 जून को बरामद किया गया।

हिमाचल में बाढ़ ने मचाया कोहराम

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून ने दस्तक देते ही तबाही मचाना शुरू कर दी है. 25 जून को हिमाचल में कई जगहों पर बादल फटने और बाढ़ आने की घटनाएं सामने आई. कुल्लू के सैंज में बादल फटने से नदी-नाले उफान पर हैं. जिसमें 3 लोग बह गए. वहीं, धर्मशाला के खनियारा में बाढ़ में 8 लोग बह गए. 2 मजदूरों के शव मिल गए हैं, जबकि 6 अभी भी लापता हैं. इसके अलावा मंडी जिले में ब्यास नदी का जलस्तर बढ़ गया है. मंडी मं जलस्तर बढ़ने से पंडोह डैम के तीन गेट खोले गए। हिमाचल प्रदेश में इस बार भी मानसून तबाही लेकर आया है. बुधवार को हुई भारी बारिश में हिमाचल में कई जगह बादल फटने और बाढ़ आने जैसी घटनाएं हुई. जिसके चलते 8 लोग बाढ़ में बहने से लापता हो गए हैं. जबकि 3 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं. कुल्लू के सैंज में बादल फटने से 3 लोग लापता हो गए. जिनकी तलाश में एनडीआरएफ की टीमें जुटी हुई हैं. इसके अलावा धर्मशाला में 8 लोग बाढ़ में बहे थे. जिनमें से 2 का शव बुधवार को ही बरामद कर लिया गया था. जबकि एक मजदूर का शव आज मिला है. अभी भी यहां 5 लोग लापता हैं।

अलकनंदा में गिरी तीर्थ यात्रियों की बस, 3 की मौत

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड में भयानक हादसा हुआ है. बदरीनाथ नेशनल हाईवे पर घोलतीर में एक बस अलकनंदा नदी में गिर गई है. इस हादसे से हड़कंप मच गया है. बस उफनती अलकनंदा नदी में समा गई है. इस बस में 19 तीर्थ यात्री बताए जा रहे हैं. चालक समेत कुल 20 लोग सवार थे. 3 यात्रियों की मौत की खबर है.

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस हादसे के दौरान 10 लोग छिटककर पहाड़ी पर अटक गए. 3 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई है. बाकी 9 लोगों की खोजबीन जारी है. राहत और बचाव दल मौके पर पहुंच गए हैं. हादसा तब हुआ जब बदरीनाथ नेशनल हाईवे पर घोलतीर के पास एक बस अनियंत्रित होकर सीधे अलकनंदा नदी में समा गई. यह गाड़ी तीर्थयात्रियों को लेकर बदरीनाथ धाम की ओर जा रही थी. हादसे के दौरान इसमें सवार 10 यात्री पहाड़ी पर ही छिटक गए और घायल हो गए, जबकि अन्य यात्रियों के बस के साथ नदी में जा गिरे.

दुर्घटना की सूचना मिलते ही घोलतीर पुलिस चौकी से पुलिस बल और रुद्रप्रयाग से एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया. नदी का तेज बहाव राहत और बचाव कार्य में चुनौती बना हुआ है।

एक्सप्रेसवे से नीचे गिरी बस, 2 की मौत

इटावा। बिहार के मधुबनी से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस गुरुवार को आगरा एक्सप्रेसवे पर रेलिंग तोड़ते हुए सड़क से नीचे गिर गई। हादसे में 2 यात्रियों की मौत हुई है। हादसा इटावा के सैफई थाना क्षेत्र में माइलस्टोन 103 पर हुआ, जिसमें 50 यात्री घायल हो गए हैं। इनमें 10 की हालत गंभीर है। सभी घायल सैफई मेडिकल कॉलेज में भर्ती हैं। मृतकों में नेपाल निवासी सईदा खातून (22) और दरभंगा के रहने वाले मनोज कुमार (55) शामिल हैं। हादसे की जानकारी मिलने के बाद इटावा के जिलाधिकारी समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए और बचाव कार्य शुरू कराया। बताया जा रहा है कि डबल डेकर बस चालक को नींद की झपकी आई थी, जिससे बस अनियंत्रित होकर एक्सप्रेस की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे चली गई। हालांकि, बस चालक रामप्रवेश का कहना है कि उसके आगे चलने वाली गाड़ी के अचानक ब्रेक लगाने से संतुलन बिगड़ा था। हादसे के समय बस में 80 यात्री सवार थे।

आय, जाति, निवास, जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाना हुआ कठिन

स्वतंत्र भारत संवाद दाता उन्नाव। विभिन्न कार्यों में उपयोग किए जाने वाले जन्म, मृत्यु, आय , निवास, जाति आदि के प्रमाण पत्र बनवाना आजकल बड़ा मुश्किल काम हो गया है। जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए लोग महीनों नगर पालिका, टाउन एरिया के चक्कर लगाया करते हैं किंतु काम नहीं हो पा रहे हैं। यदि बाबू को खुश नहीं किया तो आपका काम बीरबल की खिचड़ी ही साबित होगा।इसी प्रकार आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र बनवाने के लिए लोग महीनों तहसील के चक्कर लगाया करते हैं किंतु उनके काम नहीं बन पा रहे हैं। वहीं दलाल सक्रिय हैं यदि प्रति प्रमाण पत्र आपने 300रुपए उसे दे दिए तो आपका काम जल्दी और आसानी से हो जाएगा। अन्यथा आपका प्रार्थना पत्र बाबू की मेज पर महीनों पड़ा धूल खाता रहेगा। वब

पेयरिंग के नाम पर विद्यालयों के मर्जर के विरोध में शिक्षक आज देंगे ज्ञापन

स्वतंत्र भारत उन्नाव। उत्तर प्रदेश जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के तत्वावधान में 27जून को खंड विकास अधिकारी के माध्यम से मुख्य मंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए संघ के जिला अध्यक्ष अनुपम मिश्रा ने बताया कि शिक्षा के अधिकार के तहत एक किलोमीटर के दायरे में विद्यालय उपलब्ध कराना आवश्यक है। नई व्यवस्था से शिक्षा व्यवस्था भंग हो जायेगी।

जिला शाखाओं के गठन के लिए बैठक 28 को

कानपुर। अखिल भारतीय अनुसूचित जाति एंव अनुसूचित जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ की 28 जून को 11 बजे बैठक, आरपी जाटव, राष्ट्रीय संयोजक की अध्यक्षता में सन्त रविदास आश्रम, ईदगाह चौराहा, हर्षनगर में आयोजित होगी। जिसमें कानपुर मण्डल के समस्त जनपदों में जनपद शाखाओं के गठन के लिए मण्डल प्रभारी एंव मण्डल संयोजक नामित करने पर विचार किया जायेगा। जिससे कानपुर मण्डल की समस्त जिला शाखाओं का गठन अगस्त 2025 के अन्त तक सम्भव हो सके। जिसमें समस्याओं के निराकरण के साथ-साथ जनपद शाखाओं के गठन व पुनगर्ठन के लिए कल्याण संघ के पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कार्यवाही सम्पादित कर सकेंगे।

२९ जून से ५ जुलाई तक होगी संगीतमयी श्रीमद् भागवत कथा

बरेली। प्राचीनतम एवं भव्यतम बाबा त्रिवटीनाथ मन्दिर में संगीतमयी श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन कराया जाना सुनिश्चित हुआ है।
बाबा त्रिवटीनाथ मन्दिर सेवा समिति के मीडिया प्रभारी संजीव औतार अग्रवाल ने बताया कि वृन्दावन के सुविख्यात कथा शिरोमणि पंडित सुरेश शास्त्री द्वारा मन्दिर के श्री सत्संग भवन में दिनांक 29 जून रविवार से पांच जुलाई शनिवार तक समय सांय 4 से 7 बजे तक अनवरत किया जायेगा। मीडिया प्रभारी ने बताया कि यह बताते हुए बड़ा गौरव का अनुभव हो रहा है कि विगत लगभग 30 वर्षो से अनवरत कथा व्यास पं सुरेश शास्त्री द्वारा कथा का गुणगान मन्दिर में निरंतर किया जा रहा है।कथा व्यास द्वारा अपनी कथा में आज के परीपेक्ष में श्रोता गणों को किस तरह से अपनी संस्कृति को जीवन्त रखते हुए अपने कर्मो को उत्तम रख सकें ,इसकी प्रेरणा दी जाती है।

मरम्मत कार्य के चलते एक हफ्ते बन्द रहेगी बिलपुर रेलवे क्रासिंग

फतेहगंज पूर्वी। रेलवे विभाग द्वारा बिलपुर रेलवे क्रासिंग पर शुक्रवार 27 तारीख से गुरुवार 3 जुलाई तक वाहनों का आवागमन बाधित रहेगा। रेल पथ निरीक्षक मोहम्मद जैद रजा सहित बिलपुर आरपीएफ पुलिस चौकी प्रभारी नरवीर सिंह ने ये जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि बिलपुर क्रासिंग पर शुक्रवार से डाउन लाइन पर पत्थर डालने का कार्य मशीनों को किया जाएगा।जिसके कारण बिलपुर क्रासिंग पर वाहनों का आवागमन बाधित रहेगा।वाहनों को बहगुल नदी के पुल के नीचे से और निवड़िया रेलवे क्रासिंग से निकाला जाएगा।

सिलेंडर से घर में लगी आग, एक व्यक्ति झुलसा

फरीदपुर। मैनी गांव में गुरुवार की सुबह घर में खाना बनाते समय अचानक गैस लीक होने से गैस सिलेंडर ने आग पकड़ ली और घर में आग लग गई घर के सभी लोग चीख पुकार करने लगे गांव के लोग भी पहुंच गए और आग बुझाने में जुट गए इस बीच एक व्यक्ति आग बुझाने के चलते बुरी तरह झुलस गया जिसे फरीदपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। तब तक घर का सारा कीमती सामान जलकर राख हो गया। ग्राम मैनी निवासी सूरज पाल की पत्नी गुरुवार की सुबह 8:00 अपने घर पर खाना बना रही थी तभी अचानक गैस पाइप से गैस लीक होने से गैस सिलेंडर में आग लग गई वह चिल्ला कर बाहर को भागी तभी उसका पति सूरजपाल रसोई में रखे सिलेंडर को बुझाने के लिए दौड़ा जिसमें वह बुरी तरह से झुलस गया और आग विकराल रूप से पूरे घर में फैल गई आग ने घर में खड़ी मोटरसाइकिल इनवर्टर बैट्री को भी अपनी चपेट में ले लिया और वह भी पूरी तरह जल गए यहां तक की घर में रखा लाखों रुपए का सामान भी जलकर राख हो गया सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। आग बुझाते समय झुलसे सूरजपाल को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र फरीदपुर में भर्ती कराया गया।

भाजपा कार्यालय पर फरीदपुर मंडल की नई कार्य समिति का गठन किया

फरीदपुर। भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष प्रतुल अग्रवाल ने फरीदपुर विधायक डॉ श्याम बिहारी लाल एवं जिला अध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह के निर्देश में भाजपा कार्यालय पर फरीदपुर मंडल की नई कार्य समिति का गठन किया कर समिति में छह उपाध्यक्ष दो महामंत्री छह मंत्री एक कोषाध्यक्ष और मीडिया प्रभारी नव नियुक्त किए गए नई कमेटी को विधायक डॉक्टर श्याम बिहारी लाल एवं जिला अध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह एवं जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग ओमवीर गुर्जर, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष इमरान रजा, पुष्पेंद्र यादव, आतिश अग्रवाल, सत्येंद्र सिंह, पुष्पेंद्र बघेल आदि भाजपा कार्यकर्ताओं ने बधाई दी।

ट्रक ड्राइवर की केबिन में जलकर हुई दर्दनाक मौत

बरेली। थाना देवरनिया क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रक ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब एक ट्रक बहेड़ी की ओर से बरेली की ओर आ रहा था और अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार करते हुए पेड़ से जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक का इंजन और ड्राइवर केबिन में धूं-धूं कर जल उठा। आग इतनी भीषण थी कि ड्राइवर शिबू कुमार खाटी पुत्र कृष्ण बहादुर, निवासी जमशेदपुर, झारखंड केबिन में ही फंस गए और जलकर उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही कोतवाली देवरनिया पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना के बाद मृतक के परिजनों और वाहन स्वामी से पुलिस ने संपर्क साधा।परिजनों ने बताया कि शिबू कुमार एक जिम्मेदार और मेहनती चालक थे और उनका पूरा परिवार उन्हीं पर निर्भर था। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मृतक के परिवार को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए और दुर्घटना की गहन जांच कराई जाए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच प्रारंभ कर दी है।

जिला कृषि अधिकारी ने किया बीज एवं खाद की दुकानों का निरीक्षण

उन्नाव। जिला कृषि अधिकारी श्री शशांक द्वारा बीज एवं खाद की दुकानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अभिलेखों में कमी पाए जाने के कारण कुल पांच दुकानों के ऊपर कार्यवाही की गई। जिसमें मिथिलेश कुमार बीज भंडार अजगैन, राधा कृष्णा एग्री व जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने बताया है कि कीटनाशी रसायनों का क्रय पंजीकृत कीटनाशी दुकानदारों से ही करें तथा अधिकतम मूल्य से ज्यादा मूल्य ने दे तथा कैश रसीद/बिल भी प्राप्त कर ले।

पड़ाव अड्डे पर ईसीएचएस अस्पताल निर्माण का मिला आश्वासन

स्वतंत्र भारत उन्नाव। मेजर जनरल सलिल सेठ जनरल ऑफिसर कमांडिंग मध्य यू पी ने ई सी एच एस पॉली क्लिनिक उन्नाव और नए साइट प्लान निर्माणाधीन जो कैंपिंग ग्राउंड में हैं का निरीक्षण किया। उनके साथ कर्नल कैलाश घले कानपुर भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूर्व सैनिक, उनके आश्रितों की समस्याओं को उन्होंने सुनामेजर जनरल सेठ ने समस्याओं के उचित और शीघ्र निराकरण के सक्षम अधिकारियों को निर्देश दिए। इससे पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों में आशा की किरण दौड़ गई। प्रभारी अधिकारी ई सी एच एस विंग कमांडर श्याम किशोर पांडे, कार्यालय प्रभारी सूबेदार मेजर वीरेंद्र ने बताया कि जनरल ऑफिसर कमांडिंग मध्य यू पी ने फौजी पड़ाव उन्नाव में लंबित ई सी एच एस अस्पताल के शीघ्र निर्माण का आश्वासन दिया है ।

बाढ़ से बचाव हेतु मॉक ड्रील का आयोजन किया गया

उन्नाव।अपर जिलाधिकारी सुशील कुमार गोंड ने सर्व साधारण को सूचित किया हैए कि आज जनपद के चार तहसीलों में बाढ़ से बचाव हेतु मॉक ड्रील का आयोजन किया गया जिसमें तहसील सदर के मिश्रा घाट में डूबते हुए व्यक्ति को कैसे बचाव किया जाता है जिसमें समस्त विभाग व पी0ए0सी0 37 कानपुर नगर के द्वारा आम जनमानस को जगरूक किया गया तथा तहसील सफीपुर में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न में जमालनगर एहतमाली ग्राम में बाढ़ से गांव में पानी भर जाने के उपरान्त ग्राम वासियों को ग्राम से निकालकर बाढ़ शरणालयध्बाढ़ चैकी में स्थानांतरित किया गया तथा पशुओं को लाया गया। बाढ़ शरणालय में स्वास्थ्य टीमए पशु चिकित्सक व विद्युत विभाग व अन्य विभाग द्वारा दवाए विद्युत इत्यादि की व्यवस्था उपलब्ध रही तथा जमालनगर एहतमाली ग्राम वासियों को व आगनबाड़ी महिलाओं द्वारा बच्चों का सर्वे किया गया तथा उचित सलाह प्रदान की गयी। तहसील बीघापुर के गढेवापुलपर मॉक एक्सरसाइज किया गया तथा तहसील बांगरमऊ में नाव पलटने के संबंध में मॉक ड्रील किया गया।

ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित होकर मार्ग के किनारे खंती में पलट गयी

फतेहपुर चौरासी उन्नाव। मक्का की बिक्री न होने पर मक्का लादकर वापस घर जा रही ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित होकर मार्ग के किनारे खंती में पलट गई।दुर्घटना में चालक बाल बाल बच गया।जेसीबी से ट्रैक्टर ट्राली को खंती से बाहर निकाला गया। फतेहपुर चौरासी क्षेत्र के ग्राम भुलभुलिया खेड़ा निवासी कल्लू बुधवार की देर शाम ट्रैक्टर ट्राली पर मक्का की की फसल लड़कर बांगरमऊ मंडी बिक्री करने गया था। बांगरमऊ मंडी में मक्का की सही भाव में बिक्री न होने पर वह अपना मक्का लेकर वापस घर आ रहा था।अभी ट्रैक्टर लवानी गांव के पास ही पहुंचा था तभी ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित होकर मार्ग के किनारे खंती में पलट गया।

पड़ाव अड्डे पर ई सी एच एस अस्पताल निर्माण का मिला आश्वासन

स्वतंत्र भारत उन्नाव। मेजर जनरल सलिल सेठ जनरल ऑफिसर कमांडिंग मध्य यू पी ने ई सी एच एस पॉली क्लिनिक उन्नाव और नए साइट प्लान निर्माणाधीन जो कैंपिंग ग्राउंड में हैं का निरीक्षण किया। उनके साथ कर्नल कैलाश घले कानपुर भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूर्व सैनिकए उनके आश्रितों की समस्याओं को उन्होंने सुनामेजर जनरल सेठ ने समस्याओं के उचित और शीघ्र निराकरण के सक्षम अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने पड़ाव अड्डे पर लंबित ई सी एच एस भवन के संबंध में प्रशासन से बात की। इससे पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों में आशा की किरण दौड़ गई। प्रभारी अधिकारी ई सी एच एस विंग कमांडर श्याम किशोर पांडेए कार्यालय प्रभारी सूबेदार मेजर वीरेंद्र ने बताया कि जनरल ऑफिसर कमांडिंग मध्य यू पी ने फौजी पड़ाव उन्नाव में लंबित ई सी एच एस अस्पताल के शीघ्र निर्माण का आश्वासन दिया है।

छात्र की बीती शाम मार्ग दुर्घटना में मौत

फतेहपुर चौरासी उन्नाव। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी स्नातक के छात्र की बीती शाम मार्ग दुर्घटना में मौत हो गई।गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद जब शव गांव पहुंचा तो घर में कोहराम मच गया। परिजनों ने गुरुवार को ही युवक के शव का क्षेत्र के गंगा तट पर अंतिम संस्कार कर दिया। फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र की ग्रामपंचायत समसपुर अटिया कबूलपुर के मजरा ग्राम समसापुर भूड़ निवासी रामगोपाल श्रीवास्तव का 26 वर्षीय पुत्र अभिषेक बुधवार को घर से स्कूल जाने की बात कहकर बाइक से निकला था।देर शाम घर वापस लौटते समय आसीवन थाना क्षेत्र के अंतर्गत सबलगढ़ी मोड़ के पास साइकिल सवार सबल गढ़ी निवासी बुजुर्ग हरिप्रसाद पुत्र तुला की साइकिल से उसकी बाइक की टक्कर हो गई।जिससे दोनो गंभीर रूप घायल हो गए।राहगीरों ने दोनो को मियागंज सीएचसी पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने अभिषेक को मृत घोषित कर दिया।

कीटनाशी रसायनों का क्रय पंजीकृत कीटनाशी दुकानदारों से ही करें

उन्नाव। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने बताया है कि कीटनाशी रसायनों का क्रय पंजीकृत कीटनाशी दुकानदारों से ही करें तथा अधिकतम मूल्य से ज्यादा मूल्य ने दे तथा कैश रसीदध्बिल भी प्राप्त कर ले। गुणवत्ता में किसी प्रकार का संशय हो या अधिक मूल्य पर कीटनाशी रसायन बिक्रय करता है तो जनपद के कृषि रक्षा अधिकारी से शिकायत करे। कीटनाशी रसायन विक्रेताओं को निर्देशित किया जाता है कि कम्पनी के प्राधिकार पत्र के अनुसार ही रसायनों का बिक्रय एवं भण्डारण करेए यदि एक से अधिक कम्पनियों के रसायन बिक्रय करना चाहते है तो निर्धारित शुल्क जमा कर प्राधिकार पत्र अपने लाइसेन्स पर अंकित कराकर बिक्रय करे। रसायन बिक्रय करते समय फसलो पर रसायन के छिड़काव की मात्रा पानी की मात्रा समय का सुझाव एवं उस रसायन की बिक्रय रसीद कृषको को अवश्य दे। प्रतिबन्धित दवाओं का बिक्रय एवं भण्डारण न करे एवं आवश्यक अभिलेख जैसे स्टाक पंजिकाए बिक्री पंजिका अवसान रसायन पंजिका आदि अभिलेख अद्यतन रखे। यदि स्थलीय सत्यापन के समय उपरोक्त अभिलेख अपूर्ण एवं प्राधिकार पत्र के अतिरिक्त रसायन पाये जाते है तो कीटनाशी अधिनियम 1968 एवं नियमावली 1971 के अन्तर्गत कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी एवं कीटनाशी बिक्रेताओ द्वारा अपनी दुकान पर अनिवार्य रूप से कृषि विभाग द्वारा जारी ग्रोसेफअभियान पोस्टर चस्पा करे अपनी दुकान का नाम कीटनाशी लाईसेन्स संख्या प्रोपराइटर का नाम व मोबाइल नं0 भी लिखा होना चाहिए।

कानपुर देहात

गांव के बाहर पेड़ पर लटकता मिला गायब युवती का शक

झींझक-कानपुर देहात। मंगलपुर थाना क्षेत्र के सुरासी गांव में गुरुवार की दोपहर बाद एक युवती का शव गांव के बाहर ढाक के पे? में दुपट्टे से लटकता हुआ मिला।युवती मंगलवार की रात 9 बजे से गायब थी जिसकी गुरुवार को गुमशुदगी दर्ज करवाई गई थी।जानकारी के अनुसार मंगलपुर थाना क्षेत्र के सुरासी गांव निवासी शिव कुमार कठेरिया गांव के बाहर पंचर की दुकान किए हैं।वह रात में वही लेटते हैं। मंगलवार की रात करीब 9 बजे उनकी 20 वर्षीय पुत्री शिवानी खाना देने गई थी।खाना देने के बाद वह घर के लिए वापस आई लेकिन घर नहीं पहुंची।देर रात तक घर न पहुंचने पर खोजबीन की गई वहीं दूसरे दिन भी खोजबीन की जाती रही लेकिन कोई जानकारी न मिलने पर गुरुवार की दोपहर बाद पिता ने गुमशुदगी दर्ज करवाई।

गांव के बाहर पेड़ पर लटकता मिला गायब युवती का शव

झींझक.कानपुर देहात। मंगलपुर थाना क्षेत्र के सुरासी गांव में गुरुवार की दोपहर बाद एक युवती का शव गांव के बाहर ढाक के पेड़ में दुपट्टे से लटकता हुआ मिला।युवती मंगलवार की रात 9 बजे से गायब थी जिसकी गुरुवार को गुमशुदगी दर्ज करवाई गई थी।
जानकारी के अनुसार मंगलपुर थाना क्षेत्र के सुरासी गांव निवासी शिव कुमार कठेरिया गांव के बाहर पंचर की दुकान किए हैं।वह रात में वही लेटते हैं। मंगलवार की रात करीब 9 बजे उनकी 20 वर्षीय पुत्री शिवानी खाना देने गई थी।खाना देने के बाद वह घर के लिए वापस आई लेकिन घर नहीं पहुंची।देर रात तक घर न पहुंचने पर खोजबीन की गई वहीं दूसरे दिन भी खोजबीन की जाती रही लेकिन कोई जानकारी न मिलने पर गुरुवार की दोपहर बाद पिता ने गुमशुदगी दर्ज करवाई।वहीं लगभग 4 बजे बकरी चराने गए छोटे बच्चों ने गांव के बाहर रतवाहे से कुछ दूरी पर एक ढाक के पेड़ में शव को लटकता हुआ देखा।बच्चों ने गांव में आकर जानकारी दी।गांव के लोगों ने जाकर देखा इस पर परिजनों को सूचना दी गई।युवती ने किसी बात से नाराज होकर फांसी लगाकर आत्महत्या की है।मौत की खबर मिलते ही मां रीना बदहवास हो गई वहीं पिता शिवकुमार बड़ी बहन शुभी भाई आकाश व शिवम आपका बुरा हाल था।सूचना पर पहुंचे एस एस आई कमलेश यादव व महिला पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर विधिक कार्रवाई शुरू की है।वही फॉरेंसिक टीम को सूचना दी गई है।एस एस आई कमलेश यादव ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

फरीदपुर में बाढ़ बचाव का मॉकड्रिल हुआ

फरीदपुर। तहसील क्षेत्र के रामगंगा नदी के किनारे स्थित ग्राम खल्लपुर में शासन के निर्देश पर एसडीएम फरीदपुर मल्लिका नैन के नेतृत्व में तहसील प्रशासन के अधिकारियों ने एनडीआरएफ टीम, आपूर्ति विभाग, अग्निशमन विभाग, चिकित्सा विभाग,एनसीसी टीम के साथ बाढ़ बचाव का मॉक ड्रिल आयोजित किया गया। और रामगंगा के किनारे बसे गांव के ग्रामीणों को बाढ़ से बचाव की जानकारी दी। मांकड्रिल के दौरान तहसीलदार फरीदपुर सुरभि राय के नेतृत्व में राजस्व टीम ने नाव और लाइफ जैकेट की व्यवस्था की। बाढ़ संभावित क्षेत्र में लेखपाल तैनात किए गए। ग्रामीणों को प्राथमिक विद्यालय में बने राहत शिविर में जाने का निर्देश दिया गया।
नदी पार करने के लिए नाव उपलब्ध कराई गई। बाढ़ बचाव माकड्रिल के दौरान एक बीमार ग्रामीण को ले जा रही नाव नदी के बीच में डूबने लगी। जिसे बाढ़ चौकी की टीम ने बचाव दल को सतर्क किया। जानकारी होते ही लाइफ जैकेट पहने बचाव दल ने बहादुरी का परिचय देते हुए बाढ में डूब रहे लोगों को बचाया। बचाव राहत कार्य के दौरान एक व्यक्ति लापता हो गया। बचाव टीम ने रामगंगा नदी के किनारे पर जरूरतमंद लोगों को सीपीआर दिया। चिकित्सा दल घटनास्थल पर पहुंचा और एक मरीज को स्ट्रेचर पर एंबुलेंस बैग और ऑक्सीजन दी।
दो व्यक्तियों की स्थिति स्थिर हुई। एक गंभीर मरीज को जिला अस्पताल रेफर किया गया। एनडीआरएफ की टीम ने गहन खोज के बाद घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर दूर से लापता हुए व्यक्ति को सफलतापूर्वक बचा लिया। इस मौके पर आपूर्ति विभाग, के आपूर्ति निरीक्षक,अग्निशमन विभाग,के प्रभारी सचिन कुमार शाक्य, अपनी टीम के साथ, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी, एन सी सी और क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक लेखपाल समेत अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

किसानों को निर्धारित दर पर उर्वरक उपलब्ध कराया जाए न किया जाए

माती.कानपुर देहात।जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता मे जिला उर्वरक मानीटरिंग समिति की समिति की समीक्षा बैठक मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कलेक्ट्रेट मे आयोजित की गयी।बैठक में खरीफ2025 मे उर्वरक का लक्ष्य उपलब्धता विवरण की समीक्षा की गयी बैठक में अवगत कराया गया कि जनपद में यूरिया का लक्ष्य 40933 के सापेक्ष उपलब्धता 33633 मै0टन तथा 2563 मै0टन यूरिया का वितरण कराया गया।

उर्सला अस्पताल के डॉक्टर ने सुपरवाइजर पर की थप्पड़ों की बरसात

-रात में सफाई करने के दौरान पीड़ित ने दो मिनट रूकने को था बोला
-पूरी घटना सीसीटीवी में हुई कैद

कानपुर। उर्सला अस्पताल में पोछा लगाने के दौरान एक डॉक्टर को रोकना सुपरवाइजर को महंगा पड़ गया। इस तमतमाए डॉक्टर ने उस पर थप्पड़ों की बरसात कर दी। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। पीड़ित ने कोतवाली थाने में तहरीर दी है। उर्सला अस्पताल में पिछले छह महिने से रवीन्द्र कारीडोर सुपरवाइजर पद पर कार्यरत हैं। इन दिनों रविन्द्रकी ड्यूटी नाइट शिफ्ट में लगी हैं। रॉबिन ने बताया कि रात साढ़े दस बजे कर्मचारियों से अस्पताल में सफाई करा रहे थे। तभी वहां पर डॉ वीएस कटियार मौके पर पहुंच गए। इस पर रॉबिन ने उनसे कहा कि दो मिनट रूक जाइए, यहां सफाई चल रही है। आरोप है कि नशे में धुत डॉ कटियार आग बबूला हो गए और सुपरवाइज को पकड़कर जमकर पीट दिया। रॉबिन का आरोप है कि कई बार उनको मैंने अपना परिचय दिया कि मैं यहां का सुपरवाइजर हूं मैं आपको पहचान नहीं पाया। इस पर भी वह मारते रहे। आरोप है कि डा वीएस कटियार हमेशा रात में नशे में धुत होकर अस्पताल आते हैं। पूरी घटना अस्पताल के सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई हैं। सीसीटीवी में दिखाई दे रहा है कि सुपरवाइजर रॉबिन सिंह ने डॉक्टर के आगे हाथ जोड़कर माफी मांगता रहा, लेकिन नशे में धुत डॉक्टर लगातार उसे थप्पड़ जड़ते चले जा रहे थे। वहीं पास में खड़ा गार्ड ने बीच-बचाव किया लेकिन डॉक्टर उसे पीटते रहे। डॉ कटियार ने कहा कि मुझे कुछ गलतफहमी हो गई थी, इसलिए मैंने उसे मार दिया। मुझे नहीं पता था कि ये अपने अस्पताल का कोई कर्मचारी हैं। मैंने उससे माफी भी मांग ली हैं। अब कोई बात नहीं हैं।

शिक्षक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कानपुर। पारिवारिक कलह से ऊबकर एक शिक्षक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच-पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

खांडेपुर योगेंद्र विहार निवासी रवींद्र कुमार सिंह कानपुर देहात के रसूलाबाद में शिक्षक थे। परिवार में घाटमपुर में सरकारी शिक्षक उनकी पत्नी नीलम सिंह और दो बेटे अरनव व आरव हैं। पत्नी नीलम ने बताया कि पति रवींद्र शराब के लती थे। जिसे लेकर अक्सर उनके बीच विवाद होता था। इसलिए वह अलग बर्रा में किराए पर कमरा लेकर बेटों के साथ रहती थीं। जबकि पति रसूलाबाद में कमरा लेकर रहते थे। पांच दिन पूर्व वह रसूलाबाद से घर आए थे। बुधवार शाम को भी वह शराब पीकर घर पहुंचे और उसके बाद कमरे में जाकर रस्सी से पंखे के सहारे फंदा लगाकर जान दे दी। घटना के वक्त वह घर पर अकेले थे। तीसरी मंजिल में रहने वाले किराएदार ने कमरे में शव पंखे से रस्सी के सहारे लटका देखा तो पुलिस और परिवार वालों को घटना की जानकारी दी। हनुमंत विहार इंस्पेक्टर उदयप्रताप सिंह ने बताया कि शिक्षक के पारिवारिक कलह में जान देने की बात सामने आ रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

दीनू के भतीजे को क्राइम ब्रांच ने प्रयागराज से किया गिरफ्तार

-आरोपी पर हत्या, जमीन कब्जाने समेत दर्ज हैं 11 मुकदमें

कानपुर। बसपा नेता पिंटू सेंगर हत्या के मामले में जेल भेजे जाने के बाद दीनू उपाध्याय के खिलाफ शहर के कई थानों में विवादित जमीनों का मुकदमा दर्ज हुआ था। अब क्राइम ब्रांच में प्रयागराज से दीनू के भतीजे मनु उपाध्याय को प्रयागराज के पुरा मुफ्ती थानाक्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को कानपुर कोर्ट लेकर पहुंची, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। चकेरी में जमीन कब्जाने, 50 लाख की रंगदारी मांगने के मामले में मनु आरोपी था। आरोपी के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, धोखाधड़ी, जालसाजी समेत कई मामलों में शहर के विभिन्न थानों में 11 मुकदमे दर्ज हैं।

लाल बंगला काजीखेड़ा निवासी मनोज कुमार गुप्ता ने वर्ष 2022 में जमीन कब्जाने, लूट, 50 लाख रंगदारी मांगने के आरोप में चकेरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि 3 नवंबर 2022 को उनके प्लाट पर रामभरोसे दुबे, अमन शुक्ला, नीरज दुबे, अनूप शुक्ला, रचित पाठक, दीपक जादौन समेत 20 से 25 अज्ञात लोग आए और निर्माण गिरा दिया। विरोध करने पर मारपीट कर जमीन के बदले 50 लाख रंगदारी मांगी। साथ ही बेटे की जेब में पड़े 25 हजार छीन लिए। मामले की जांच क्राइम ब्रांच को सौंपी गई थी। जांच में एडवोकेट दीनू उपाध्याय व उसके भतीजे मनु उपाध्याय का नाम सामने आया था। मनु के खिलाफ इसके अलावा तीन अन्य मुकदमे दर्ज हैं। बीते दिनों मनु के खिलाफ गोमती नगर विस्तार थाने में हत्या के प्रयास की धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था। जिसके बाद से आरोपी मनु अंडरग्राउंड चल रहा था। डीसीपी क्राइम आबिद कासिमी ने बताया कि मनु उपाध्याय को प्रयागराज से गिरफ्तार कर लाया गया। जिसके बाद उसे सीजेएम सूरज मिश्रा की कोर्ट में पेश किया गया, कोर्ट ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

बाढ़ से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने किया मॉक ड्रिल

-आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर किया गया अभ्यास

कानपुर। बारिश शुरू होते ही बाढ़ से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। हालांकि अभी गंगा नदी का जलस्तर सामान्य है, लेकिन बाढ़ आने की स्थिति में क्या-क्या सावधानी बरतनी होगी। इसको लेकर गुरुवार को जिला प्रशासन ने तीन जगहों पर मॉक ड्रिल की। इस दौरान आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अभ्यास किया गया, जिसमें डूबते व्यक्ति को बचाने, बाढ़ प्रभावित गांवों को खाली कराने और राहत कार्यों की तैयारियों का प्रदर्शन किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान प्रशासन ने बाढ़ जैसी स्थिति में त्वरित कार्रवाई और समन्वय की प्रक्रिया को परखा। इसमें यह सुनिश्चित किया गया कि आपदा की स्थिति में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर कैसे पहुंचाया जाए और राहत सामग्री का वितरण कैसे हो। एडीएम फाइनेंस विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि मानसून के दौरान बाढ़ की आशंका को देखते हुए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को जागरूक करने और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में तैनाती के लिए टीमें तैयार की जा रही हैं। साथ ही नाव, रस्सियां, लाइफ जैकेट्स और अन्य उपकरणों की उपलब्धता भी की गई है। उन्होंने बताया कि मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखना और कमियों को दूर करना है। हमारा लक्ष्य है कि बाढ़ की स्थिति में जनहानि और संपत्ति के नुकसान को न्यूनतम किया जाए। इसके लिए सभी विभागों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने पर जोर दिया जा रहा है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे बाढ़ से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए जिला आपदा प्रबंधन केंद्र से संपर्क करें।

पॉन वीडियों के नाम पर डराकर अवैध वसूली करने वाले चार गिरफ्तार

■ गिरोह को संचालित करने वाला मास्टर माइंड शिवम है आठवीं पास

कानपुर। कॉल करके पॉर्न वीडियो देखने की बात कहकर डराने और उनसे वसूली करने वाले गिरोह के चार सदस्यों को क्राइम ब्रांच की साइबर सेल टीम ने गिरफ्तार किया है। गिरोह के दो सदस्य अभी भी फरार हैं। गिरोह का मास्टर माइंड आठवीं क्लास तक पढ़ा हुआ है। इन आरोपियों के बारे में क्राइम ब्रांच को आई4सी द्वारा संचालित प्रतिबिंब पोर्टल के जरिए जानकारी हुई थी। जिसके बाद साइबर सेल ने खुद वादी बनकर साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई और आरोपियों की लोकेशन ट्रेस कर उन्हें गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ पोर्टल में 66 शिकायतें दर्ज थी। जिसमें लगभग 50 लाख की वसूली को अंजाम दिया जा चुका है। इनके खिलाफ अन्य शिकायतों के बारे में भी क्राइम ब्रांच जानकारी जुटाई जा रही है।

डीसीपी क्राइम एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि प्रतिबिम्ब पोर्टल को ट्रेस करते हुए संदिग्ध नम्बरों की जानकारी मिली जब इन्हें ट्रेस किया गया तो हॉट स्पॉट शहर का ही मिला। इन नम्बरों के खिलाफ 66 शिकायतें दर्ज थी। जिसमें लगभग 50 लाख रुपए की वसूली की गई थी। डीसीपी ने बताया कि शातिरों को पकड़ने के लिए इंस्पेक्टर साइबर थाना सुनील कुमार वर्मा के नेतृत्व में एसआई पुनीत तोमर, गौरव अत्री, हेड कांस्टेबल फिरोज, बदर, अजय कुमार सिंह, शरीफ, सिपाही राहुल यादव और सौरभ पाण्डेय को लगाया गया। नम्बरों को सर्विलांस सिस्टम की मदद से ट्रेस करते हुए टीम ने चार शातिरों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए अभियुक्त ग्राम छतुरवा बरईगढ़ नर्वल निवासी शिवम वर्मा, एम ब्लॉक किदवई नगर निवासी अंकित दीक्षित, दीनदयालपुरम गल्ला मंडी नौबस्ता निवासी गौरव सचान और ओ ब्लॉक सब्जी मंडी किदवई नगर निवासी कासान रायीन हैं। इन सभी के पास से 3 बायोमेट्रिक मशीन, 1 फिनो बैंक पेमेंट मिनी एटीएम डिवाइस, 7 एयरटेल 5 जी प्री एक्टिवेटेड सिम कार्ड, 1 वोडाफोन प्री एक्टिवेटेड सिम, 12 फिनो बैंक डेबिट कार्ड, 95 एयरटेल के 5 जी सिम, 38 फिनो बैंक एकाउंट कोंबो किट, 1 एयरटेल पेमेंट बैंक किट और 5 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। डीसीपी ने बताया कि इस गिरोह का मास्टरमाइंड शिवम वर्मा है, जो कि आठवीं पास है। इसके अलावा अंकित भी आठवीं पास है और कासान रायनी छठवीं क्लास तक पढ़ाई किए है। गौरव वर्तमान में एलएलबी सेकेंड इयर की पढ़ाई कर रहा है। शिवम इस गिरोह का संचालन गौरव की मद्द से करता था।

खुद को क्राइम ब्रांच अधिकारी बनकर करते थे ब्लैकमेल

डीसीपी ने बताया कि गिरोह में लोगों को कॉल करने का काम अमन और राहुल करता था। दोनों फरार हैं। शातिर ऐसे ही कॉल मिलाते थे और फिर उसी सीरीज में आगे बढ़ते थे। लोगों से कहते थे कि वो पॉर्न वीडियो देखते हैं, जो कि भारतीय कानून में अपराध है। इसके लिए आपको गिरफ्तार किया जाता है। ऐसे में सामने वाला घबरा जाता था। तब आरोपी खुद को क्राइम ब्रांच अधिकारी बताकर वसूली को अंजाम देते थे। डीसीपी ने कहा कि जो फरार आरोपी हैं, उनकी तलाश में टीमें लगाई गई है। गिरफ्तार आरोपियों ने और कितने फ्राड्स को अंजाम दिया है इसका पता किया जा रहा है। जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके अनुसार मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सड़क पर शव रख कर जाम लगाने के मामले में 40 पर एफआईआर

-मुआवजे की मांग को लेकर कर रहे थे हंगामा

कानपुर। वीआईपी रोड शव रख कर मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा व सड़क जाम करने के मामले में कोहना पुलिस ने 40 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। सब इंस्पेक्टर गोरे लाल की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर उपद्रवियों की पहचान कराई जा रही है। स्वरुप नगर निवासी अनिल गुप्ता की आर्य नगर में एक पुरानी बिल्डिंग है, जिसे वह गिराने का काम करवा रहे थे। मंगलवार को बिल्डिंग का पिलर तोड़ते समय पुराना कानपुर रानी का बगीचा निवासी मजदूर नीरज कुमार गिरकर घायल हो गया। साथी कर्मी उसे घायल अवस्था में हैलट अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। नीरज के परिवार में पत्नी व दो बच्चे है। हादसे की सूचना पर कोहना पुलिस ने मकान मालिक व ठेकेदार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराया था। साथ ही परिजनों को मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया था। पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जा रहे थे।

इस दौरान किसी ने अंतिम संस्कार होने के बाद मुआवजा न मिलने की बात कहते हुए परिजनों को उकसा दिया, जिसके बाद परिजन भैरव घाट से शव नारेबाजी करते हुए बाहर ले आए और शव को रेवथ्री चौराहे पर रख कर वीआईपी रोड जाम कर दी। करीब एक घंटे तक परिजन बच्चों के नाम 25-25 लाख कराने की मांग करते रहे, इस दौरान वीआईपी रोड पर लंबा जाम लग गया। मौके पर पुलिस अफसरों ने परिजनों को शांत करा कर शव का अंतिम संस्कार कराया था। गुरूवार को कोहना पुलिस ने हंगामा करने वाले 40 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। एडीसीपी सेंट्रल राजेश कुमार पांडेय ने बताया कि कुछ लोगों ने पीड़ित परिजनों को उकसाया था, जिस पर परिजनों ने हंगामा शुरू किया था। जिस पर गैरकानूनी सभा करना, गैर कानूनी उद्देश्य से पांच या इससे अधिक लोगों का एकत्र होना, सरकारी कर्मचारी के कार्य में बाधा डालने समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

एतिहासिक जगन्नाथ रथयात्रा की तैयारियों का डीएम ने लिया जायजा

कानपुर। उत्तर प्रदेश में उड़ीसा की सांस्कृतिक परंपरा की जीवंत झलक दिखाने वाली ऐतिहासिक जगन्नाथ रथयात्रा की तैयारियों का गुरूवार को जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि यह रथयात्रा कानपुर की सबसे विशिष्ट और गौरवशाली धार्मिक परंपरा है, जिसकी पृष्ठभूमि करीब ढाई सौ वर्षों से शहर के सांस्कृतिक जीवन का हिस्सा रही है। रथयात्रा न केवल श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का जीवंत उदाहरण भी है। रथयात्रा शुक्रवार को सायं 5 बजे प्रारंभ होगी, जो नगर के लगभग 5.5 किलोमीटर लंबे मार्ग से होकर गुजरेगी। आयोजन की व्यापकता और श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 25 जून को रथयात्रा की तैयारियों की समीक्षा की गई थी तथा संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। जिलाधिकारी ने कहा कि यह परंपरा उत्तर प्रदेश और उड़ीसा के बीच सांस्कृतिक सेतु की तरह है, जिसे प्रशासन पूर्ण सुरक्षा, समन्वय और गरिमा के साथ संपन्न कराने को कटिबद्ध है। डीएम ने बताया कि रथयात्रा वाले मार्ग पर सफाई, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, प्रकाश आदि की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिलाधिकारी ने नागरिकों से आग्रह किया कि वे रथयात्रा में उत्साहपूर्वक सहभागी बने, अनुशासन बनाए रखें और इस ऐतिहासिक परंपरा को सम्मान और संयम के साथ आगे बढ़ाएं। निरीक्षण में अपर नगर आयुक्त, एडीएम सिटी व पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

सौ मीटर ऊंचाई पर उड़ सकता है स्पेशल विबर्म ड्रोन

-आईआईटी के एयरो स्पेशन विभाग ने तैयार किया ड्रोन

कानपुर। आईआईटी कानपुर ने कई ऐसे ड्रोन तैयार किए है, जो सेना के लिए काफी बेहतर साबित हुए। आईआईटी कानपुर के एयरो स्पेश विभाग के प्रो अभिषेक ने बताया कि सेना के लिए एक स्पेशल विबर्म ड्रोन तैयार किया जा रहा है। ये अभी पायलट प्रोजेक्ट में चल रहा है। इसके कुछ ऑर्डर भी मिले हैं। इसमें कई प्रकार की खासियत है। अन्य ड्रोन से ये बिल्कुल अलग हैं। इसकी क्षमता काफी हैं। ये ड्रोन दुश्मनों के ठिकानों पर लगभग 50 किलो मीटर तक सर्विलांस कर सकता हैं। इसकी हवा में उड़ने की क्षमता भी अन्य ड्रोन से कही अधिक है। इस ड्रोन में लगभग 25 लाख रुपए की कीमत का कैमरा प्रयोग किया गया है। उन्होंने बताया कि आप जितनी फैसल्टीज इसमें जोड़ते जाएंगे, उतना ही ये ड्रोन महंगा होता जाएगां। इस ड्रोन की कीमत अभी करीब 1 करोड़ रुपए के आसपास आ रही हैं। कैमरा हाई विजिबिलिटी वाला प्रयोग किया गया है। ये हर एक चीज को अच्छे से कैप्चर करेगा। अभी इस पर और भी काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि हम लोग टीथर ड्रोन पर भी काम कर रहे हैं। ये ड्रोन भी लगभग बनकर तैयार हो गया है। ये इलेक्ट्रानिक ड्रोन होगा। इसमें बैट्री का प्रयोग किया गया है। ये हवा में करीब 100 मीटर की उंचाई पर भी उड़ सकता हैं। ये लगातार 8 घंटे तक उड़ सकेगा। इसकी कीमत अलग-अलग है। कोई 2 करोड़ का भी है तो कोई 5 करोड़ का भी हैं।

खबर एक नजर

मोहर्रम के मद्देनजर डीसीपी ने किया बड़ी कर्बला का निरीक्षण

आगामी मोहर्रम पर्व की तैयारियों को लेकर डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह ने कोहना स्थित बड़ी कर्बला का निरीक्षण किया। इस दौरान डीसीपी ने क्षेत्र में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए किए गए प्रबंधों की समीक्षा की। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को मोहर्रम के दौरान निकलने वाले जुलूसों की सुरक्षा के निर्देश दिए। साथ ही आयोजित होने वाली सभाओं में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। डीसीपी ने संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए। उन्होंने यातायात व्यवस्था के सुचारू संचालन पर जोर दिया। भीड़ नियंत्रण के लिए प्रभावी उपायों को लेकर विशेष निर्देश दिए। इस दौरान सहायक पुलिस आयुक्त कर्नलगंज भी मौजूद रहे।

हादसे के बाद पुलिस ने की स्विमिंग पूल व सुरक्षा नियमों की जांच

कानपुर। चकेरी में स्विमिंग पूल में नहाते वक्त डूबने से हुए नगर निगम ठेकेदार की मौत के बाद पुलिस सर्तक हो गई है। गुरूवार को सरसौल चौकी प्रभारी रविशंकर ने महाराजपुर थाना क्षेत्र के जंगल स्प्रिंग वाटर पार्क का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने स्लाइड्स, स्विमिंग पूल और अन्य सभी क्षेत्रों की बारीकी से जांच की। सुरक्षा उपकरणों की भी देखा। चौकी प्रभारी ने वाटर पार्क प्रबंधन को सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि आगंतुकों की सुरक्षा सर्वोपरि है। किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चौकी प्रभारी ने बच्चों की सुरक्षा पर विशेष जोर दिया। उन्होंने स्विमिंग पूल की गहराई को नियंत्रित रखने के निर्देश दिए। पार्क में नहाने आए सभी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान एसआई आशीष सहित अन्य पुलिस कर्मी भी मौजूद रहे।

पिकअप ने बाइक में मारी टक्कर, एक की मौत

कानपुर। ओवरटेक करने के चक्कर में तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवार दोस्तों को टक्कर मार दी। हादसे में एक की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं दूसरा गंभीर रूप से घायल हैं। सूचना पर पहुंची महाराजपुर पुलिस ने जांच-पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साढ़ के धूहरपुर, बांग्ला निवासी किसान शिवबाबू ने बताया कि परिवार में पत्नी संतोष, 17 वर्षीय बेटा आयुष यादव व प्रियांश हैं। आयुष कक्षा 9 का छात्र था, साथ ही खेती किसानी में हाथ बंटाता था। बीते 23 मई को आयुष अपने दोस्त सुमित के साथ बाइक से जा रहा था। वह महाराजपुर के बौसर गांव पहुंचा ही था, तभी सामने से आ रहे पिकअप ने ओवरटेक करने के दौरान टक्कर मार दी। हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने आयुष को नौबस्ता स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान आज उसकी मौत हो गई।

सबसे मजूबत 13एक्स5 जी को किया गया पेश

कानपुर। अपने सेगमेंट में सबसे मज़बूत 5जी स्मार्टफोन ओप्पो के 13 एक्स 5जी पेश किया गया है। के 13 एक्स 5 जी एसजीएस मजबूती के लिए गोल्ड ड्रॉप सर्टिफिकेशन और एमआईएल-एसटीडी 810एच मिलिट्री-ग्रेड मानकों के साथ आता है। इसलिए यह अपने सेगमेंट में सबसे अधिक मजबूत डिवाइस है। क्रिस्टल शील्ड ग्लास और गहरे समुद्री स्पंज से प्रेरित बायोमिमेटिक स्पंज शॉक एब्जॉर्शन सिस्टम इसकी मजबूती को बढ़ा देते हैं। ओप्पो इंडिया के हेडए प्रोडक्ट कम्युनिकेशंस सैवियो डिसूज़ा ने कहा हमारा ओप्पो के13एक्स जेन ज़ी की जरूरतों को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। यह बेहतरीन मूल्य में बेजोड़ ड्यूरेबिलिटी, शानदार परफॉर्मेंस और इंटैलिजेंट पॉवर एफिशिएंसी प्रदान करता है।

प्राइम डे में मिलेगा अतिरिक्त शॉपिंग का मौका

कानपुर। प्राइम डे 2025 भारत में पहली बार तीन दिन तक मनाया जाने की अमेजन ने घोषणा की है। यह खास सेल 12 जुलाई की रात 12 बजे शुरू होकर 14 जुलाई की रात 11.59 बजे तक चलेगी। इस बार भारत में पहली बार प्राइम मेंबर्स को 24 घंटे अतिरिक्त शॉपिंग का मौका मिलेगाए जिससे वे बड़े ब्रांड्स और छोटे व्यवसायों से समान रूप से खरीदारी कर सकेंगे। ग्राहक आईसीआईसीआई व एसबीआई बैंक के क्रेडिट और डेबिट कार्ड्स पर ईएमआई के जरिए भुगतान करके 10 प्रतिशत तक की अतिरिक्त बचत कर सकते हैं।इस प्राइम डे पर प्राइम मेंबर्स को 400 से भी ज्यादा टॉप भारतीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के हजारों नए प्रोडक्ट्स की लॉन्चिंग पर एक्सक्लूसिव अर्ली एक्सेस मिलेगा।

खबर एक नज़र

खुले में पेशाब करने पर मनबढ़ युवक ने की वृद्ध की पिटाई

बिल्हौर दृ बिल्हौर रेलवे स्टेशन के पास खुले में पेशाब करने पर एक मनबढ़ युवक ने एक वृद्ध की बेरहमी से पिटाई कर दी। कन्नौज जनपद के थाना गुरसहायगंज के गांव सियरमऊ निवासी वृद्ध रामवीर निजी कार्य से रसूलाबाद गए थे और वहां से वापस घर जाने के लिए बिल्हौर रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। तभी उन्हें पेशाब लग आई और उन्होंने ओवरब्रिज पार करके स्टेशन के ही एक किनारे पर पेशाब करने लगे तभी पास के ही एक मकान में रहने युवक आदिल ने आकर वृद्ध से गाली गलौज करते हुए मारपीट कर दी और जब वृद्ध ने इसका विरोध किया तो और ज्यादा भड़क कर उनको ई रिक्शा में बैठालकर पीटते हुए थाने ले गया और बेबुनियाद आरोप लगाने लगा। थाने में मौजूद दरोगा ने जब वृद्ध की हालत देखी और उनकी बात सुनी तो उस युवक को बुलाकर फटकार लगाई तो युवक पुलिस के सामने भी अभद्रता करने लगा तो पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार वृद्ध की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

एक लाख सरसठ हजार में हुई बिदोखर के कृषि फार्म की नीलामी

सुमेरपुर-हमीरपुर। जूनियर हाई स्कूल बिदोखर में कृषि फार्म की नीलामी गुरुवार को खुली बैठक में की गई नीलामी में पांच किसानों ने हिस्सा लेकर बोली लगाई। आखिरी बोली एक लाख 67 हजार की लगाई गई। ग्राम बिदोखर के जूनियर हाईस्कूल में करीब 25 बीघा कृषि योग्य जमीन लगी है। इसको कृषि फार्म के रूप में जाना जाता है। इस भूमि की प्रतिवर्ष एक वर्ष के लिए खुली बैठक में नीलामी होती है। गुरुवार को स्कूल के प्रधानाध्यापक अजय नारायण मिश्रा ने विद्यालय प्रांगण में खुली बैठक करके नीलामी की प्रक्रिया संपन्न कराई। इस नीलामी में पांच किसानों ने प्रतिभाग किया। नीलामी की धनराशि एक लाख 52 हजार तय की गयी। इसके बाद हुई बोली में सर्वाधिक बोली बिदोखर पुरई निवासी घसीटा प्रसाद गुप्ता ने लगाई। इसके बाद निश्चित धनराशि जमा करने के बाद खेत एक वर्ष के लिए घसीटा प्रसाद को देने की प्रक्रिया पूर्ण की गई। बैठक में ग्राम प्रधान सुंदरलाल प्रजापति, पूर्व प्रधान चंद्रप्रकाश यादव, अशोक दीक्षित, रामखिलावन विश्वकर्मा, महेश कुमार, रज्जाब अली आदि ग्रामीण शामिल रहे।

खरीफकी फसले बोने में आई तेजी राजकीय बीज भंडार से नहीं मिल रहा बीज

सुमेरपुर-हमीरपुर। मौसम साफहोते ही किसान खरीफकी फसलें बोने में जुट गया है। तिल, उरद, मूंग, अरहर, ज्वार, मूंगफली की बुवाई तेजी के साथ शुरू है लेकिन किसानों को राजकीय बीज भंडार से बीज नहीं मिल पा रहा है। इससे किसान खुले बाजार से घटिया किस्म के बीज? महंगे दामों पर खरीदने को मजबूर हो रहे है। एक पुरानी कहावत है कि तेरह कार्तिक तीन आषाढ़ मतलब रबी की फसल कार्तिक मास के तेरह दिनों में बो जानी चाहिए। इसी तरह खरीफकी फसलें बोने के लिए महज तीन दिन का ही अवसर हाथ आता है। अवसर मिलते ही किसान आंख मूंदकर खरीफकी फसलें बोने में जुट गया है। किसान प्रदीप कुमार, सुरेश कुमार, उदयभान यादव, चंद्रपाल, इंद्रपाल यादव, नवीन यादव ने कहा कि आषाढ़ मास में खरीफकी फसलें बोना बेहद मुफीद होता है। मौका पाते ही किसान तिल, उरद, ज्वार, अरहर, मूंग की फसलें बोने में जुट गया है। किसानों के अंदर दर्द है कि उन्हें राजकीय बीज भंडार से प्रमाणित बीज नहीं मिल पा रहा है क्योंकि बीज भंडार में तकनीकी खामी के कारण मशीन नहीं चल रही है। राजकीय बीज भंडार प्रभारी विक्रम सिंह ने बताया कि मशीन खराब होने पर उच्च अधिकारियों को पत्राचार किया गया है। जल्द ही मशीन ठीक करा ली जाएगी।

प्रभावी पैरवी कर हत्या के अभियोग में अभियुक्त को सश्रम आजीवन कारावास व 10,000 रूपये के अर्थदंड की दिलायी सजा

हमीरपुर। जनपद हमीरपुर थाना बिंवार में मुअसं. 938/2014 धारा 302, 147, 148, 149 भादसं. में अभियुक्तगण विनोद पुत्र वरदानी, सन्तराम पुत्र वरदानी, सुशील पुत्र वरदानी, जसवन्त वर्मा पुत्र देवीदीन, रविन्द्र वर्मा पुत्र छेदालाल निवासीगण ग्राम धनपुरा थाना बिंवार जनपद हमीरपुर के विरुद्ध अभियोग 28 नवम्बर 2014 को पंजीकृत किया गया। जनपद हमीरपुर के आपरेशन कन्विक्शन के तहत चिन्हित अभियोग मे जनपद हमीरपुर के अभियोग मे अभियोजन विभाग से समन्वय करके समयबद्ध रूप से साक्षियों का साक्ष्य कराकर प्रभावी पैरवी किये जाने के फलस्वरुप आज न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम कोर्ट जनपद हमीरपुर द्वारा अभियुक्त विनोद पुत्र वरदानी उपरोक्त को दोषसिद्ध करते हुए आजीवन कारावास व 10,000 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अभियुक्तगण सन्तराम, सुशील, जसवन्त वर्मा, रविन्द्र वर्मा उपरोक्त को दोषमुक्त किया गया। विवेचक निरीक्षक हवलदार सिंह, अभियोजक एडीजीसी महेश चन्द्र द्विवेदी, पैरोकार कांस्टेबल श्रीकांत राजपूत शामिल रहे। अभियुक्तगणो द्वारा एक राय होकर वादी के पति की हत्या कर देना।

रिक्रूट आरक्षियों के प्रशिक्षण व्यवस्था का एसपी ने किया निरीक्षण

हमीरपुर। आज पुलिस लाइन हमीरपुर में उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी सीधी भर्ती के अंतर्गत रिक्रूट आरक्षियों को दी जा रही प्रशिक्षण व्यवस्था का निरीक्षण पुलिस अधीक्षक जनपद हमीरपुर द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा रिक्रूट आरक्षियों को उनके कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों के प्रति जागरूक करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। उन्होंने निर्देशित किया कि समस्त रिक्रूट आरक्षी निर्धारित समय पर पूर्ण अनुशासन एवं निर्धारित ड्रेस में प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान यह भी सुनिश्चित किया गया कि प्रशिक्षण व्यवस्था पूर्णतः सुरक्षित, व्यवस्थित एवं प्रभावी हो स महोदय द्वारा प्रशिक्षण के दौरान आने वाली समस्याओं की जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए, जिससे प्रशिक्षण में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो एवं रिक्रूट आरक्षी आत्मविश्वास के साथ अपने प्रशिक्षण को पूर्ण करे।

भक्ति मार्ग ही आत्मा को जन्म मृत्यु के बंधन से मुक्ति दिला सकता है. सोनू महाराज

महोबा स जैतपुर गल्ला मंडी प्रांगण में विगत सप्ताह से चल रही श्रीमद्भागवत कथा का समापन गुरुवार को धार्मिक आस्था और उल्लास के साथ हुआ। समापन अवसर पर विश्व शांति एवं सर्वकल्याण की कामना के साथ हवन यज्ञ का आयोजन किया गया स जिसके बाद श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे की व्यवस्था की गई।इस दिव्य अवसर पर संकट मोचन सरकार के पीठाधीश्वर सोनू महाराज ने व्यासपीठ से प्रवचन करते हुए कहा कि भक्ति मार्ग ही आत्मा को जन्म मृत्यु के बंधन से मुक्ति दिला सकता है। सत्कर्म और श्रद्धा से ही मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि हवन.यज्ञ से न केवल वायुमंडल शुद्ध होता हैए बल्कि इससे आत्मिक बल भी प्राप्त होता हैए जिससे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस बीच बाल व्यास ब्रह्मरात हरितोष ने श्रीमद्भागवत की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कथा श्रवण से व्यक्ति भवसागर से पार हो जाता है। यह न केवल भक्तिए ज्ञान और वैराग्य को जन्म देती हैए बल्कि पापों का अंत कर पुण्य की प्राप्ति भी कराती है। उन्होंने कहा कि विचारों में आया बदलाव आचरण में स्वयं परिवर्तन ले आता है। कथा के समापन अवसर पर यजमानों सीता दीपक साहूए कामता गुप्ताए मोहित रावतए बृजेंद्र गुप्ताए नीलू गुप्ताए अखिलेश द्विवेदीए नंदू राठौर और कैप्टन माहुर ने श्रद्धालुओं को भंडारे का प्रसाद वितरित किया। इस पावन अवसर पर गौरीशंकर साहूए गजेंद्र अग्रवालए धर्मेन्द्र साहूए शैलेन्द्र सुल्लेरे समेत सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे और आध्यात्मिक अनुभूति का लाभ लिया। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से ऐतिहासिक रहा बल्कि सामाजिक एकताए सेवा और अध्यात्म का

बाढ़ मांक एक्सरसाइज-2025 का हुआ सफल आयोजन

हमीरपुर। जनपद हमीरपुर में संभावित बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारियों को परखने हेतु आज बाढ़ मांक एक्सरसाइज-2025 का सफल आयोजन किया गया। यह अभ्यास राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार के दिशा-निर्देशन में उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबन्ध प्राधिकरण एवं जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, हमीरपुर के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। इस अभ्यास के माध्यम से बाढ़ पूर्व, दौरान एवं पश्चात की परिस्थितियों में विभिन्न विभागों की तत्परता, समन्वय और त्वरित प्रतिक्रिया की क्षमता का मूल्यांकन किया गया। मांक ड्रिल के अंतर्गत केसरिया का डेरा में मुनादी कर ग्रामीणों की सुरक्षित निकासी, बेंतवा तटबंध पर डूबते व्यक्ति के रेस्क्यू, नाव पलटने की स्थिति में बचाव कार्य, सीपीआर एवं प्राथमिक उपचार का प्रदर्शन किया गया, तथा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुछेछा परिसर में राहत शिविर, चिकित्सा, पशु चिकित्सा, राहत सामग्री वितरण, बाढ़ विद्यालय एवं स्टेजिंग एरिया के संचालन की कार्यवाही प्रदर्शित की गई। इस अभ्यास में राजस्व, पुलिस, पीएसी बाढ़ यूनिट, अग्निशमन, चिकित्सा, सिंचाई, विद्युत, नगर निकाय, पंचायती राज, शिक्षा विभाग सहित आपदा मित्र, एनसीसी, एनएसएस तथा स्वयंसेवी संगठनों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व), मुख्य विकास अधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, तहसीलदार, जिला आपदा विशेषज्ञ सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। इस संयुक्त अभ्यास के माध्यम से जनपद स्तर पर विभागीय समन्वय, आपदा प्रतिक्रिया एवं राहत प्रबंधन की तैयारियों को सफलतापूर्वक परखा गया। जिला प्रशासन द्वारा इस आयोजन में सहभागिता करने वाले सभी विभागों, अधिकारियों एवं स्वयंसेवी संगठनों का आभार प्रकट किया गया।

जगन्नाथ यात्रा आजरू भव्य झाकियों के साथ निकलेगा जुलूस

-जगन्नाथ मंदिर में शोभा यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के किए गए व्यापक इंतजाम

घाटमपुर। क्षेत्र के प्रसिद्ध मानसूनी मंदिर के नाम से विख्यात जगन्नाथ मंदिर से आज;शुक्रवार कोद्ध विशाल रथयात्रा गांव की विभिन्न गलियों से होते हुए वापस मंदिर पहुंचेगी जहां हजारों की संख्या में लोगो के पहुंचने की उम्मीद को देखते हुए प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए है।गत वर्षो की तरह श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा श्री जगन्नाथ रथयात्रा की तैयारियों को लेकर देर रात तक अंतिम रूप दिया जाता रहा रथ की साजसज्जा के साथ रथयात्रा के दौरान विभिन्न आकर्षक झाकियों के साथ शिव बारातए राशि घोड़ों का नृत्य आदि प्रमुख आकर्षण का केंद्र होंगे मंदिर के पुजारी केपी शुक्ला ने बताया की भगवान जगन्नाथ को बहन सुभद्रा के साथ प्रातः पूजन आदि के बाद विशेष रथ में विराजमान कर युवकों द्वारा रथ को पूरे गांव में घुमाया जायेगा।सेवा समिति द्वारा हजारों की संख्या में भक्तों के पहुंचने की उम्मीद जताई है।

24 घण्टे बाद भी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ा पत्नी का हत्यारोपी

- पुलिस संदिग्ध ठिकानों पर दे रही थी दबिशेंए दुकानदारों को भी फोटो दिखा कर पता करती रही पुलिस

घाटमपुर। थाना सजेती क्षेत्र के कोरिया में पत्नी के सिर में पाटा से हमलाकर की गई हत्या के मामले में 24 घण्टे बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। पत्नी को मौत के घाट उतारने के बाद हत्यारोपी अध नंगा ही मौके से भाग गया था। पुलिस द्वारा हत्यारोपी के संदिग्ध ठिकानों पर दबिशें दी जा रही थीं। साथ ही दुकानदारों को भी फोटो दिखा कर पता करती रही। वहीं गुरुवार की दोपहर मृतका के दो बेटों के सूरत से आने के बाद दाह संस्कार किया गया। कोरिया का रहने वाला हत्यारोपी हीरालाल पंजाब में रहकर काम करता था। वह 15 दिन पहले ही गांव वापस लौटा था। इधर गांव में पोते रौनक के साथ रह रही पत्नी शिव कांती 60 पर वह अवैध संबंध होने का शक करता था।मंगलवार की रात इसी बात को लेकर उसका पत्नी से विवाद हो गया था।तभी हीरा लाल ने पाटे से शिव कांती के सिर पर कई प्रहार कर दिए। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। इसके बाद उसने अलग कमरे में ले जाकर गला दबाकर पोते को भी मारने का प्रयास किया था। पत्नी की हत्या करके हीरा लाल मौके से अध नंगा फरार हो गया था। पुलिस की तीन टीमें हमीरपुर रोड स्टेशन के साथ साथ हर संभावित जगह आरोपी की तलाश कर रहीं थीं। कार्य वाहक थाना प्रभारी गजेंद्र सिंह ने बताया कि हत्यारोपी की तलाश की जा रही है।जल्द ही वह पुलिस की गिरफ्त में होगा।

खराब प्रगति होने पर डीएम ने चिकित्सा अधीक्षको का वेतन रोकने के दिए निर्देश

महोबा स एक से 31 जुलाई तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं 11 से 31 जुलाई तक दस्तक अभियान के सफल आयोजन हेतु गुरुवार को जिलाधिकारी गजल भारद्वाज की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संचारी रोग नियंत्रण अभियान जुलाई 2025 के सफल कियान्वयन हेतु जनपद स्तरीय अधिकारियों की अतर्विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में जिलाधिकारी द्वारा विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान की समीक्षा की गयी जिसमें जिला पंचायती राज विभाग एवं नगर निकाय की गतिविधियों में पाई गयी कमियों के सुधार हेतु निर्देशित किया गया। पशुपालन विभाग एवं कृषि विभाग को माइकोप्लॉन के अनुसार क्षेत्र में कार्य करने एवं ग्रामवासियों को संवेदीकरण करने हेतु आदेशित किया। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि टीकाकरण की प्रगति बढ़ाने हेतु एडीओ पंचायतए खंड विकास अधिकारी बुधवार एवं शनिवार को आयोजित होने वाले कम से कम दो टीकाकरण सत्र एवं चिकित्सा अधीक्षक कम से कम 5 टीकाकरण सत्रों का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने चिकित्सा अधीक्षकों को निर्देशित किया कि घर.घर अभियान चलाकर गर्भवती महिलाओं की नियमित जाँच कराएं। जिलाधिकारी ने आरपीएस कार्यक्रम एवं जननी सुरक्षा योजना में ख़राब प्रगति होने पर चिकित्सा अधीक्षक कबरईए चरखारीए कुलपहाड़ए जैतपुरए पनवाड़ी का वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने संचारी रोगों से बचाव के बारे में आम जनमानस को जागरुक करने हेतु समस्त विभागों को निर्देशित किया। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं सम्बन्धित विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहें। सरफराज खान जिला समन्वयक यूनीसेफ ने अभियान से सम्बन्धित गतिविधियों के विषय में जानकारी इत्यादि के बारे में चर्चा की। बैठक के अन्त में मुख्य चिकित्साधिकारी ने उपस्थित समस्त विभागों के अधिकारियों को जन सामान्य को जागरुक करने तथा समन्वय स्थापित कर विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के सफल आयोजन हेतु संवेदीकरण करने को कहा।

सांई कालेज ऑफएजुकेशन में परास्नातक छात्र छात्राओं को वितरित किये गये टैबलेट

महोबा। सांई कालेज ऑफएजुकेशन में संचालित राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र में अध्ययनरत परास्नातक पाठ्यक्रम के छात्रों को सरकार द्वारा संचालित स्वामी विवेकानन्द युवा तकनीकि सशक्तिकरण योजना के अन्तर्गत कालेज सभागर में टैबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का प्रारम्भ संस्था के प्रबंधक संजय कुमार साहू एवं प्राचार्य डॉ0 एल0सी अनुरागी ने संयुक्त रुप से मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वल्लित कर किया। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी बालेन्द्र कुमार साहू एवं राकेश तिवारी के साथ समस्त अध्यापक उपस्थित रहे। टैबलेट वितरण अवसर पर प्रबंधक ने कहा कि सरकार का यह महत्वपूर्ण योजना का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं में तकनीकि रुप से सशक्त बनाना है। प्राचार्य ने टैबलेट लाभार्थियों को टैबलेट का उपयोग अध्ययन एवं समसामयिक घटनाओं से अपडेट रहने के लिये प्रयोग करने पर जोर दिया। टैबलेट पाकर लाभार्थी अत्यन्त प्रसन्न हुये स कार्यक्रम के अन्त में अध्ययन केन्द्र प्रभारी डॉ0 मैराज खांन ने सभी का आभार व्यक्त किया एवं लाभार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें दी।

डीएम ने ईवीएम एवं वीवीपैट गोदाम का किया क्वार्टरली इंस्पेक्शन

महोबा स जिलाधिकारी गजल भारद्वाज द्वारा गुरुवार को ईवीएम एवं वीवीपैट गोदाम का क्वार्टरली इंस्पेक्शन किया गयाए जिसमें समस्त व्यवस्थाएं सही पाई गई। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामप्रकाशए उपकृषि निदेशक एवं चकबंदी अधिकारी तथा मान्यता प्राप्त समस्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं जिला निर्वाचन कार्यालय का समस्त स्टाफमौजूद रहा।

कलार्पण संस्था के स्थापना दिवस पर गूंजे कवियों के सरस स्वर

सुमेरपुर-हमीरपुर। कलार्पण संस्था के स्थापना दिवस पर जिलाध्यक्ष शिवकरण सिंह की अध्यक्षता में परनामी आवास पर विचार एवं काव्य गोष्ठी संपन्न हुई। गोष्ठी के मुख्य अतिथि लखनलाल जोशी ललित, विशिष्ट अतिथि कमलेश सिंह गौर एवं चंद्रशेखर अग्निहोत्री रहे। कवि हरीराम गुप्ता निरपेक्ष ने सरस्वती वंदना के पश्चात पढ़ा। आप ख्यालों में आना बंद करें, रतजगा अब किया नहीं जाता। लखनलाल जोशी ललित ने पढ़ा तुम दीप शिखा बन जलो कि जितना जलता हुआ दिया है, जिसने अपने बल पर तम से लड़ना सीख लिया है।

शिवकरण सिंह सरस ने पढ़ा साहित्य संगीत कला की साधक भारतीयता पहचान बनी, कलार्पण भारत श्रेष्ठ संस्था शत शिव सुंदर हेतु सनी। नारायण प्रसाद रसिक ने पढ़ा हर समस्या का समाधान छिपा होता है, बेईमानों में भी कहीं ईमान छिपा होता है। मुन्नीलाल अवस्थी अजेय ने पढ़ा अभिशापों की धरती पर वरदान उगाने होंगे,जो अंगार विषमता के उन्हें बुझाने होंगे। कमलेश सिंह गौर ने पढ़ा फलक का हुक्म छोड़ो महार के काम, बहार से कहो भरे बसंत के जाम। गणेश सिंह विद्यार्थी ने पढ़ा मन की चाह अधूरी रह गई नीरद लौटे बरसात लिए, कृषक गले फांसी का फंदा सरकार खड़ी खैरात लिए। नीतिराज सिंह ने पढ़ा मोहब्बत वो छोटी कहानी नहीं है, आंखों से बह जाए पानी नहीं है। बीरेंद्र कुमार पाल शजर ने पढ़ा गहरी है बहुत नदिया लहरों में रवानी है, उस पार भी जाना है कश्ती भी पुरानी है। कमलकिशोर कमल ने पढ़ा वृक्ष रोपकर धरा बचा लो नहीं उठेगा सलिलद ज्वार, स्वार्थ सिद्धि को रोको टोको कटे वृक्ष कर रहे पुकार। संचालक कैलाश प्रसाद सोनी मृदुल ने पढ़ा कविता कवि की करुण कसक है पीड़ा है अंतर्मन की, विकल वेदना है जीवन के आह भरे विहवल तन की। शिक्षक वीरेंद्र परनामी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जिलाधिकारी ने फरियादियों की शिकायते सुन किया निस्तारण

हमीरपुर। आज जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई कर जन सामान्य की शिकायतों को सुना एवं संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में लगभग 91 शिकायते प्राप्त हुई। जिनमें से अधिकांश का जिलाधिकारी ने त्वरित ढंग से मौके पर निस्तारण कर दिया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने समस्त एसडीएम, खंड विकास अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ वर्चुअल/जूम एप के माध्यम से बैठक कर उनके तत्काल निस्तारण हेतु निर्देशित किया।

उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम, बीडीओ व अन्य संबंधित अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से अपने कार्यालय में जनसुनवाई कर जन समस्याओं का त्वरित ढंग से निस्तारण किया जाए। इसमें किसी भी तरह किसी शिथिलता न बरती जाए। जिलाधिकारी ने कहा की जनसुनवाई, आईजीआरएस व अन्य माध्यमो से प्राप्त होने वाले प्रकरणो का सभी संबंधित अधिकारियों द्वारा मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण कर उसकी समय से आख्या दी जाए।

जिलाध्यक्ष इदरीश खान की अध्यक्षता में छत्रपति शाहूजी महाराज जी की मनी जयंती

हमीरपुर। आज समाजवादी पार्टी कार्यालय में जिलाध्यक्ष इदरीश खान की अध्यक्षता में छत्रपति शाहूजी महाराज जी की जयंती मनाई गई। वक्ताओं द्वारा साहू जी महाराज के जीवन पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से लाल सिंह यादव राष्ट्रीय सचिव लोहिया वाहिनी, राघवेन्द्र यादव लकी नगर अध्यक्ष/जिला मीडिया प्रभारी सपा, निर्भय यादव जिला उपाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, अनिल कुमार सविता, धीरेंद्र, सोनू सिकरोड़ी, सैयद उमर जिला सचिव, मो. रिजवान खान जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा एवं पूर्व सभासद, नीरज कुमार वर्मा, सुरेश कुमार, सलीम मोहम्मद जिला अध्यक्ष सांस्कृतिक प्रकोष्ठ, ओमप्रकाश सोनकर वारसी प्रदेश सचिव अनुसूचित मोर्चा,घनश्याम साहू प्रदेश सचिव व्यापार सभा, मैया राम वर्मा पूर्व अध्यक्ष कुरारा, रण बहादुर सिंह यादव कोषाध्यक्ष सूर्य प्रताप सिंह नगर उपाध्यक्ष, मोहम्मद जुनेद नगर अध्यक्ष समाजवादी अल्पसंख्यक सभा सहित आदि समाजवादी साथी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

हमीरपुर। 01 जुलाई से प्रारंभ होकर 31 जुलाई 2025 तक चलने वाले संचारी रोग नियंत्रण अभियान, दस्तक अभियान के संबंध में जनपद स्तरीय अंतर विभागीय समन्वय समिति की बैठक एवं जिला स्वास्थ्य समिति की मासिक समीक्षा बैठक जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित डा. एपीजे अब्दुल कलाम सभागार कक्ष में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि आगामी अप्रैल माह में चलने वाले संचारी रोग नियंत्रण अभियान, दस्तक अभियान को अच्छे ढंग से संचालित किया जाए। इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली जाए। हीट वेव से बचाव हेतु सभी अस्पतालों में पर्याप्त इंतजाम कर लिए जाए तथा हीट वेव से बचाव के बारे में लोगों को जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुरूप डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, दिमागी बुखार, जापानी इंसेफेलाइटिस, फाइलेरिया तथा अन्य संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण तथा मरीजों को त्वरित इलाज सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है।

अतः इसके अंतर्गत संपादित होने वाले सभी कार्यो को प्रभावी ढंग से संपादित किया जाए तथा दिए गए निर्देशों का धरातल पर अक्षरसः क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए इसमें किसी भी तरह की लापरवाही न बरती जाए। जिलाधिकारी ने बताया कि संचारी रोगो के नियंत्रण के लिए जनपद में 01 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक एक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत प्रत्येक स्वास्थ्य कार्यकर्ता तथा आशा कार्यकर्ता प्रत्येक घर जाकर बुखार तथा अन्य संक्रामक बीमारी के रोगियों की खोज करेंगे तथा घरों पर इनसे बचाव व जागरूकता विषयक स्टीकर लगाए जाएंगे। जिलाधिकारी द्वारा सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया सभी विभाग इस अभियान के सफल संचालन हेतु अपनी भूमिका पूर्ण मनोयोग से निभाएं तथा संचारी रोग नियंत्रण अभियान को सफल बनाये। जिलाधिकारी ने कहा कि संचारी रोग के नियंत्रण के दृष्टिगत साफ-सफाई, सेनीटाइजेशन, फागिंग, एंटी लारवा छिड़काव किया जाए तथा जल भराव, उथले हैंडपंपों का चिन्हीकरण कराकर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाये तथा विशेष अभियान चलाकर जन जागरूकता फैलायी जाये। इसके अलावा खुली नालियों को ढकनें की व्यवस्था एवं नालियों की साफसफाई एंटीलारवा दवा का छिड़काव कराने के निर्देश दिये। कहा कि किसी भी दशा में जलभराव आदि नहीं होना चाहिए। कहा कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत मांनीटरिंग, पर्यवेक्षण, रिपोर्टिंग, अभिलेखीकरण के कार्य समुचित ढंग से संपन्न किए जाएं इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने जननी सुरक्षा योजना, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, प्रेगनेंट महिलाओं की पोर्टल पर फीडिंग, चाइल्ड रजिस्ट्रेशन, प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना के अंतर्गत पोर्टल पर बेनिफिशियरी अपलोड करने, फैमिली प्लानिंग, संस्थागत प्रसव आदि की समीक्षा करते हुए संबंधित को जरूरी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मां एवं नवजात ट्रैकिंग पोर्टल पर शत प्रतिशत डेटा फीड किया जाय। शत प्रतिशत जन्म पंजीकरण सुनिश्चित कराया जाये। गर्भवती महिलाओं में एनीमिया न हो इसके लिए नियमित रूप से आयरन की दवाई दी जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा दी जाए। कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जनस्वास्थ्य के कार्यो ध्विभाग के स्वास्थ संबंधी विभिन्न योजनाओं में तेजी लाई जाए। गर्भवती महिलाओ, बच्चों के टीकाकरण आदि पर विशेष ध्यान दिया जाए। नियमित टीकाकरण से वंचित छोटे बच्चों ए गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर माइक्रोप्लान बनाकर शत प्रतिशत टीकाकरण किया जाए। आशा, आंगनवाड़ी कार्यकत्रीएएएनएम एवं विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को नियमित रूप से समयबद्ध ढंग से भुगतान किया जाये। इसमें अनावश्यक देरी नही की जानी चाहिए। स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों का समयबद्धता से भुगतान किया जाये। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि लाभार्थियों को समयबद्ध ढंग से योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। इसमें अनावश्यक पेंडेंसी नहीं रहनी चाहिए। कहा कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना पोर्टल पर लाभार्थियों का डाटा समय से फीड कराया जाए। कहा कि फैमिली प्लानिंग के कार्यो में तेजी लाई जाए तथा इसके लिए लोगों की काउंसलिंग की जाए। इसमें डाक्टरों को जो लक्ष्य दिया गया है लोगों की काउंसलिंग कर तथा आशाओ को लक्ष्य देकर उसको प्राप्त किया जाए। कहा कि शतप्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित किया जाए तथा इसमें आशाओं द्वारा 100 प्रतिशत डिलीवरी की रिपोर्टिंग एवं विजिट किया जाए। जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम, टीवी उन्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम आदि की समीक्षा करते हुए संबंधित को जरूरी निर्देश दिए। इस दौरान सीडीओ चंद्र शेखर शुक्ला, सीएमओ डा. गीतम सिंह, एडीएम वित्त एवं राजस्व, समस्त डिप्टी सीएमओ व एसीएमओ, सीएमएस पुरूष अस्पताल, समस्त एमओआईसी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

फतेहपुर समाचार

आकाशीय बिजली गिरने से महिला झुलसी

फतेहपुर। असोथर थाना क्षेत्र के सातों सुल्तानपुर गांव के समीप जंगल में भैंस चराने गई महिला अचानक गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आकर झुलस गई तुरंत उसको इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर भर्ती कर उसका इलाज कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के सातों सुल्तानपुर गांव निवासी बुद्धविलास की 45 वर्षीय पत्नी राम रानी गांव के समीप स्थित जंगल में भैंस चलने गई थी। तभी अचानक गिरी आकाशी बिजली की चपेट में आकर झुलस गई। सरकारी एंबुलेंस ने महिला को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया।

आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत हुई पीस कमेटी की बैठक, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

फतेहपुर। कलेक्ट्रेट महात्मा गाँधी सभागार में जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आगामी त्यौहारों मोहर्रम, जगन्नाथ यात्रा, श्रावणमास, कांवड़ यात्रा, नागपंचमी एवं रक्षाबंधन को आपसी सौहार्दपूर्ण माहौल एवं शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए अधिकारियों, विभिन्न संप्रदाय के धर्मगुरुओं एवं जनपद के प्रतिष्ठित नागरिकों के साथ पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। उन्होंने समस्त जनपदवासियों से कहा कि आपस में मिलजुलकर शांति व सौहार्दपूर्ण तरीके से त्यौहार मनाये एवं अफवाहों व झूठी खबरों पर ध्यान न दे। उन्होंने कहा कि आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति की जाय, के लिए जुलूस/यात्रा निकालने वाले मार्गो का सर्वे कराते हुए। आवश्यकतानुसार ढीले तारो, जर्जर पोलो को सही करा लिया जाय, साथ ही सचल दल को क्रियाशील रखा जाय, सभी कर्मियों की ड्यूटी लगा दी जाय, साथ ही क्षेत्र में भ्रमणशील रहने के निर्देश संबंधित अधिशाषी अभियंता को दिए।

उन्होंने ग्रामीण/शहरी क्षेत्रों में साफ सफाई, शुद्ध पेय जल, प्रकाश व्यवस्था, मोबाइल टॉयलेट आदि समुचित व्यवस्था करने के निर्देश संबंधितों को दिए। उन्होंने कहा कि उपजिलाधिकारी अपने क्षेत्र के यात्रा/जुलूस के मार्गो का निरीक्षण कर ले, साथ ही पढ़ने वाले घाटों में गोताखोर, आवश्यकतानुसार बैरिकेटिंग कर दे जिससे कि कोई दुर्घटना न होने पाए एवं राजस्व कर्मियों की भी ड्यूटी लगा दे और सभी व्यवस्थाओं को संवेदनशीलता के साथ निगरानी भी करे। उन्होंने कहा कि आयोजकों के साथ भी बैठक कर ली जाय, जिससे कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न रहे। उन्होंने कहा कि ताजिया/रथ की ऊंचाई निर्धारित मानक के अनुरूप हो, ताजिया/रथ बनाने वाले को भी निर्देशित कर दे कि मानक के अनुरूप बनाए अन्यथा कार्यवाही की जाएगी। डीजे की ध्वनि सुप्रीम कोर्ट के निर्धारित मानक के अनुरूप ही रखे। उन्होंने कहा कि ताजिया में किसी भी प्रकार के अस्त्र/शस्त्र का प्रदर्शन नहीं होगा एवं कोई नई परंपरा की शुरुआत न करें।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि सभी सरकारी/निजी स्वास्थ्य केन्द्रों सभी आवश्यक दवाएं व सुविधाएं तैयार रखे। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था खराब करने वालो पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी, का सन्देश नागरिकों को दे दिया जाय। उन्होंने संबंधित विभाग त्यौहारों के दृष्टिगत पहले से तैयारियां कर ले और अपने दायित्वों का निर्वहन संवेदनशीलता के साथ करे। उन्होंने कहा कि धर्मगुरुओं/संभ्रांत नागरिकों द्वारा जो सुझाव दिए गए है पर नियमानुसार कार्यवाही करते हुए अमल में लाया जाय। अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सभी व्यवस्थाएं कर ली गई है और आवश्यकतानुसार पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगा दी गई है एवं सीसीटीवी एवं ड्रोन से भी निगरानी की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी थानों में पीस कमेटी की बैठक कर त्यौहारों को सकुशल संपन्न कराने के निर्देश दे दिए गए है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना, अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) अविनाश त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुनील कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त उपजिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत, जिला पूर्ति अधिकारी, अधिशाषी अभियंता विद्युत, विश्व हिन्दू परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष बीरेंद्र पांडेय, आदर्श व्यापार मंडल उ.प्र. के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप गर्ग, व्यापार मंडल अध्यक्ष शिवचंद्र शुक्ला सहित तहसीलों से आए हुए धर्मगुरु व संभ्रांत नागरिक उपस्थित रहे।

डीएम ने ईवीएम व वीवीपैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

फतेहपुर। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र सिंह ने जिला निर्वाचन कार्यालय स्थित ईवीएम, वीवी पैट के वेयर हाउस के सुरक्षा की स्थिति का भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों कांग्रेस के प्रदेश सचिव राजीव लोचन निषाद, बसपा नगर अध्यक्ष गाजी अब्दुर रहमान गनी, सीपीआईएम के सदस्य मणिभूषण सिंह, समाजवादी पार्टी के जिला सचिव कामता प्रसाद, भाजपा की जिला मंत्री सुशीला मौर्य, आम आदमी पार्टी के प्रांतीय सचिव श्रीराम पटेल की उपस्थिति में आन्तरिक निरीक्षण किया। जिसमें राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के अतिरिक्त नायब तहसीलदार सदर अमृत प्रभात, नोडल अधिकारी ईवीएम सत्येन्द्र सिंह उपस्थित रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएम वेयर हाउस की सुरक्षा में लगे सीसीटीवी कैमरों का निरीक्षण किया। जहां सभी सीसीटीवी कैमरे क्रियाशील अवस्था में पाए गए। फायर सिलेण्डर की जांच की गयी, जिसकी वैधता दिसंबर 2025 पायी गयी। तदोपरान्त वेयर हाउस को खोलकर उसमें रखी गयी मशीनों का निरीक्षण किया गया। जिसमें सभी मशीनें आयोग के निर्धारित मानक के अनुरूप रखी पायी गयी।

नेताओं और अधिकारियों के साथ डीएम ने ई0वी0एम0/वी0वी0पैट के वेयर हाउस का किया निरीक्षण

फतेहपुर। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र सिंह ने मध्यान्ह 12 बजे जिला निर्वाचन कार्यालय फतेहपुर स्थित ई0वी0एम0/वी0वी0पैट के वेयर हाउस के सुरक्षा की स्थिति का भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि राजीव लोचन प्रदेश सचिव कांग्रेस, गाजी अब्दुर रहमान गनी नगर अध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी, मणिभूषण सिंह सदस्य सी.पी.आई. (एम.), कामता प्रसाद जिला सचिव समाजवादी पार्टी, श्रीमती सुशीला मौर्य जिला मंत्री भारतीय जनता पार्टी, श्रीराम पटेल प्रान्तीय सचिव आम आदमी पार्टी की उपस्थिति में आन्तरिक निरीक्षण किया गया, जिसमें राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के अतिरिक्त अमृत प्रभात नायब तहसीलदार सदर, सत्येन्द्र सिंह नोडल अधिकारी ई.वी.एम. निरीक्षण के दौरान उपस्थित रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने ई.वी.एम वेयर हाउस की सुरक्षा में लगे सी.सी.टी.वी. कैमरों का निरीक्षण किया, जहां सभी सी.सी.टी.वी. कैमरे क्रियाशील अवस्था में हैं तथा फायर सिलेण्डर की जांच की गयी, जिसकी वैधता दिसम्बर, 2025 पायी गयी। तदोपरान्त वेयर हाउस को खोलकर उसमें रखी गयी मशीनों का निरीक्षण किया गया, जिसमें सभी मशीनें आयोग के निर्धारित मानक के अनुरूप रखी पायी गयी।

सपाईयों ने छत्रपति साहू जी महाराज की मनाई जयंती

- उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर डाला प्रकाश

फतेहपुर। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय में शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार छत्रपति साहू जी महाराज की जयंती मनाई गई। चित्र पर माल्यार्पण के पश्चात गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें अंबेडकर वाहिनी के जिलाध्यक्ष डॉ अमित पाल ने कहा कि छत्रपति शाहू जी महाराज ने एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्कों को मुख्यधारा में लाने के लिए कोल्हापुर में सर्वप्रथम 50 प्रतिशत आरक्षण देने का काम किया। अपने अध्यक्षी संबोधन में जिलाध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा छत्रपति साहू जी महाराज ने बाबा साहब अंबेडकर जी को अपने राजकोष से छात्रवृत्ति देकर विदेश से शिक्षा दिलाने में मदद की थी जिससे आगे बढ़ाते हुए डा. बाबा साहब अंबेडकर ने संविधान लिखकर आगे बढ़ाया। उसी मान सम्मान स्वाभिमान को आगे बढ़ाने के लिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीडीए की विचारधारा के माध्यम से आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। पीडीए विचारधारा को सभी समाजवादियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करना होगा। तभी हमारा संविधान और आरक्षण बचेगा और पीडीए समाज का मान सम्मान स्वाभिमान सुरक्षित रहेगा। संचालन जिला महासचिव चौ. मंजूरयार ने किया। इस मौके पर वीरेंद्र यादव, राम कृपाल सोनकर, राजू कुर्मी, चेयरमैन राजकुमार मौर्या, जगदीश सिंह जालिम सिंह, डा. रामनरेश पटेल, कु. रत्नेश रत्ना, धर्मपाल पटेल, मो. आजम खान, हीरालाल साहू, अरुण यादव सभासद, सत्य प्रकाश यादव, इंद्रपाल, सोनू कोरी, सुहैल खान हेमू, जितेंद्र चौधरी, निर्मल यादव, सुधेश मौर्या, धीरेन्द्र मौर्या, अरुण यादव, श्रीनाथ प्रधान, वीरेंद्र साहू, राम चंद्र पाल आदि मौजूद रहे।

बाढ़ की तैयारियों को परखने हेतु आयोजित किया गया बाढ़ आपदा पर मॉक एक्सरसाइज

फतेहपुर। जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, लखनऊ के मार्ग-दर्शन में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) डॉ. अविनाश त्रिपाठी के नेतृत्व में जनपद के तहसील बिन्दकी के घटना स्थल जाड़े के पुरवा, असवेरी खेडा, तहसील सदर में घटना स्थल पल्टू का पुरवा ग्राम पंचायत ललौली व तहसील खागा में घटना स्थल महावतपुर असहट में एक साथ अलग-अलग समय में भीषण बाढ़, गांवों का जलमग्न होना, डूबना, नाव पलटना एवं बाढ़ के कारण भवन गिरना विषय पर मॉक एक्सरसाइज आयोजित किया गया। तहसील बिन्दकी में बाढ़ की मॉकड्रिल हेतु असवेरी खेड़ा में नोडल अधिकारी सर्वेश कुमार गौर, उपजिलाधिकारी बिन्दकी व अजय कुमार पाण्डेय, उपजिलाधिकारी द्वितीय, फतेहपुर को घटना स्थल जाड़े का पुरवा का नोडल अधिकारी बनाया गया था तथा सहायक नोडल तहसीलदार बिन्दकी अचलेश सिंह को बनाया गया था।

तहसील सदर में घटना स्थल पल्टू का पुरवा ग्राम पंचायत ललौली में उपजिलाधिकारी अर्चना अग्निहोत्री को नोडल अधिकारी व तहसील सदर अमरेश कुमार सिंह को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया था। तहसील खागा में घटना स्थल महावतपुर असहट में उपजिलाधिकारी खागा अभिनित कुमार को नोडल अधिकारी व इवेन्द्र कुमार को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया था। जिलाधिकारी महोदय के निर्देश पर उपरोक्त मजिस्ट्रेट द्वारा बाढ़ मॉकड्रिल आयोजन के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना ना होने पाये इस हेतु मौके पर भीड़ प्रबन्धन का स्पष्ट संचार की व्यवस्था की गयी थी। बाढ़ मॉकड्रिल में पी.एस.सी. 12वी. बटालियन, पुलिस विभाग, सिंचाई विभाग निचली गंगा नहर, अग्निशमन विभाग की टीम, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

मॉकड्रिल के दौरान बाढ़ प्रभावित गांव से पुलिस विभाग व होमगार्ड्स व क्षेत्रीय लेखपाल के सहयोग से बाढ़ चौकी तक बाढ़ प्रभावित परिवारों को सुरक्षित लाया गया। बाढ़ के कारण गांव के लोग पाण्डु नदी पार करके बाढ़ चौकी प्राइमरी स्कूल के तरफ आ रहे थे उसी दौरान 05 लोग डूबने लगे जिन्हें पी.ए.सी. बल के सहयोग से रेस्क्यू किये जाने का प्रदर्शन किया गया और होमगार्ड्स तथा आपदा मित्रों के सहयोग से बाढ़ चौकी तक लाया गया। पी.ए.सी. बल के द्वारा मोटरबोट के माध्यम से लाइफजैकेट, फ्लोटिंग रिंग का प्रदर्शन करते हुए लोगों को बचाया गया तथा स्थानीय गोताखोरो व तैराकों द्वारा स्थानीय संसाधनों प्लास्टिक के बोतल से बने लाइफजैकेट, गैलन का उपयोग करते हुए लोगों को बचाने का प्रदर्शन किया गया।

मॉकड्रिल के दौरान तहसील सदर में घटना स्थल पल्टू का पुरवा ग्राम पंचायत ललौली में बाढ़ एवं विगत कई दिनों से अतिवृष्टि के कारण भवन गिरने से 15 लोग भवन के अंदर फंस गये थे जिन्हें अग्निशमन, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग एवं आपदा मित्रों के द्वारा जे.सी.बी. के माध्यम से मलबा हटवाने के बाद रेस्क्यू किया गया तथा घायलों का घटना स्थल पर प्रशिक्षित प्राथमिक उपचारक के माध्यम से प्राथमिक उपचार किया गया। समस्त घायलों के विस्तृत स्वास्थ्य जांच हेतु स्वास्थ्य शिविर में पुलिस एवं आपदा मित्र के सहयोग से लाया गया जिनके उपचार के दौरान उन्हें बाढ़ राहत शिविर में भेजा गया। तहसील खागा में नाव के माध्यम से नदी पार करते हुए नाव पलटने से चार लोग डूबने लगते है जिन्हें स्थानीय गोताखोरों एवं तैराकों के माध्यम से बचाये जाने का प्रदर्शन किया गया। समस्त डूबे हुये व्यक्तियों का घटना स्थल पर आपदा मित्रों द्वारा प्राथमिक उपचार करने के उपरान्त विस्तृत स्वास्थ्य जांच हेतु स्वास्थ्य शिविर में पुलिस एवं आपदा मित्र के सहयोग से लाया गया जिनके उपचार के दौरान उन्हें बाढ़ राहत शिविर में भेजा गया।

अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) डॉ. अविनाश त्रिपाठी द्वारा आगामी बाढ़ की तैयारियों को परखने हेतु आयोजित की गयी मॉकड्रिल के विषय में बताया गया कि यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के 44 अतिसंवेदनशील व संवेदनशील जनपदों के 118 बाढ़ से प्रभावित होने वाली तहसीलों में जिला प्रशासन द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, लखनऊ के मार्ग दर्शन में आयोजित किया गया है, जिसमें विभागवार में बाढ़ की तैयारियों को जाचा व परखा गया है, जिससे बाढ़ के दौरान अप्रत्याशित घटनाओं से बचा जा सके। इस मॉकड्रिल के सफल आयोजन किये जाने में जनपद स्तरीय विभागों के अधिकारियों व तहसील टीम के बेहतर सहयोग व जिला आपदा विशेषज्ञ फतेहपुर के प्रभावी समन्वय हेतु अपर जिलाधिकारी (वि./रा.), फतेहपुर द्वारा सराहना करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

नगर व्यापार मंडल का गठन, दिनेश बने अध्यक्ष

फतेहपुर। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल संबद्ध उद्योग व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में नगर व्यापार मंडल का गठन हुआ। सभी पदाधिकारियों का मनोनयन पुष्पहार पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया गया जिसमें संरक्षक मंडल में अशोक तपस्वी, ज्ञानेंद्र सचान उर्फज्ञानू, गुरु शरण लाल गुप्ता, महेंद्र शुक्ला, नगर अध्यक्ष दिनेश प्रसाद गुप्ता, नगर महामंत्री दक्षिण नईम अहमद, नगर महामंत्री उत्तर लकी द्विवेदी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जसवंत गिहार, कोषाध्यक्ष अजय गुप्ता उर्फरिंकू, मीडिया प्रभारी अमित कुमार, सोशल मीडिया प्रभारी इसरार अहमद शामिल हैं। संस्थापक अध्यक्ष किशन मेहरोत्रा ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि नवनियुक्त नगर कमेटी के समस्त क्षेत्र के व्यापारियों को एक सूत्र में पिरोकर विशाल माला तैयार करें। जिलाध्यक्ष अजय गुप्ता ने कहा कि संगठन विस्तार की दिशा में युवा संगठन महिला संगठन समस्त ट्रेड कमेटी तहसील कस्बा ग्राम की इकाइयों का गठन प्रस्तावित है। नगर कमेटी के संरक्षक अशोक तपस्वी ने शुभकामनाओं सहित व्यापारियों को एकमत रहने की अपील की। मनोनयन के अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष किशन मेहरोत्रा, संरक्षक केशव राम त्रिपाठी, महेंद्र गुप्ता, जिलाध्यक्ष अजय गुप्ता, जिला प्रभारी चंद्र प्रकाश उर्फबबलू गुप्ता, जिला महामंत्री लवकुश गुप्ता, वरि. उपाध्यक्ष चंदन सिंह चौहान, जिला उपाध्यक्ष अभिषेक रायजादा, संजीव कुमार उर्फ सोनू, युवा जिलाध्यक्ष सेराज अहमद खान, इलेक्ट्रॉनिक अध्यक्ष मो. अंजुम सहित पदाधिकारियों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की जिला कमेटी का विस्तार

- किसी भी व्यापारी का शोषण नहीं किया जाएगा बर्दाश्तः बृजेश सोनी

फतेहपुर। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के संगठन विस्तार के संदर्भ में जिला कमेटी का विस्तार पनी मोहल्ले स्थित कैंप कार्यालय में किया गया। नगर के प्रमुख व्यापारियों में मो. आसिफव विनोद सिंह चंदेल को जिला महामंत्री, इरशाद हुसैन व हिमांशु श्रीवास्तव को जिला उपाध्यक्ष, मो0 फरीद को युवा इकाई का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रभारी संजय गुप्ता, जिला संरक्षक विनोद गुप्ता, संतोष सिंह राजू ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष बृजेश सोनी व संचालन धीरज बाल्मीकि ने किया। जिलाध्यक्ष बृजेश सोनी ने कहा कि अब पूरे जनपद का व्यापारी जागृत हो गया है। संगठन में तेजी से जुड़ रहा है। ऐसी स्थिति में अब किसी भी व्यापारी का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्य अतिथि संजय गुप्ता ने कहा कि इस समय प्रदेश में व्यापारियों की ही सरकार चल रही है। मुखिया योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट रूप से पूरे प्रदेश के अधिकारियों को आदेश दे दिया कि किसी भी जनपद के व्यापारी का किसी भी तरह से शोषण न होने पाए। यदि शोषण होता पाया गया तो उस व्यक्ति के ऊपर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी। जिला प्रभारी विनोद गुप्ता ने कहा कि आगामी आने वाली 29 जून को अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल, व्यापारी कल्याण दिवस को भामाशाह दिवस के रूप में संपूर्ण जनपद की सभी प्रमुख बाजारों में बहुत ही जोश और उत्साह के साथ मनाएगा। बैठक में संजय सिंह जौहरी, मो आसिफ गुड्डू मोदनवाल, मो समी अहमद खां, एड उमेश मौर्य, गाजी अब्दुर्रहमान, मो अलीम, मो अनीस, मोनू गुप्ता, यासीन वारसी, डा रामू, शानू सलमानी, वेद गुप्ता, महेंद्र सिंह, आशुतोष मिश्रा, इमरान, मो मोबीन सहित अन्य सम्मानित व्यापारीगण भी उपस्थित रहे।

निर्धारित रास्ते से ही निकालें जुलूस : एसडीएम

- मोहर्रम पर्व को लेकर घोष थाने में हुई पीस कमेटी की बैठक

फतेहपुर। मोहर्रम पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए गुरुवार को सुल्तानपुर घोष थाना परिसर में खागा क्षेत्राधिकारी व उपजिलाधिकारी की मौजूदगी में पीस कमेटी की बैठक संपन्न हुई। बैठक में क्षेत्र के सभी धर्मों के धर्मगुरु, ग्राम प्रधान और गणमान्य नागरिक शामिल हुए। खागा उपजिलाधिकारी अभिनीत कुमार व क्षेत्राधिकारी ब्रज मोहन राय ने संयुक्त रूप से बैठक में मौजूद सभी लोगों से पूर्व वर्षों की परंपरा और शासन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए त्योहार को मानने की अपील की। उप जिलाधिकारी अभिनीत कुमार ने कहा कि कोई भी किसी तरह की नई परंपरा की शुरूआत न करें। सभी लोग आपसी समन्वय और सहयोग के साथ मोहर्रम के पर्व को मनाएं। जुलूस अपने निर्धारित रास्ते से ही निकाले।

बैठक में जुलूस मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, साफ सफाई, बिजली आपूर्ति पर विचार-विमर्श हुआ। बैठक में मौजूद उच्चाधिकारियों ने इन सभी मुद्दों पर आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। धर्मगुरुओं व जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग दिलाने का भरोसा भी दिलाया। थाना प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह ने सभी लोगों से आग्रह किया कि त्योहार साल में एक बार आता है। सभी लोग एक साथ मिलजुल कर मोहर्रम के पर्व को मनाएं। आपसी भाईचारा कायम करें। किसी भी प्रकार की अफवाहों से दूर रहे। अगर कोई अफवाह फैला रहा है या फैलाने की कोशिश कर रहा है तो तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दें ताकि अराजकता फैलाने वालों के खिलाफसख्ती से पेश आया जा सके।

बाइकों की भिड़ंत में दो युवक घायल

फतेहपुर। गाजीपुर थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव के समीप बाइकों की भिड़ंत में एक बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। घायल अवस्था में उनको इलाज के लिए नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर गाँव निवासी बिहारी का 28 वर्षीय पुत्र राजेश व गांव निवासी 25 वर्षीय जीतू दोनों एक ही बाइक पर सवार होकर घर से किसी काम के लिए निकले थे। तभी गांव के समीप दूसरा बाइक सवार इनकी बाइक को टक्कर मारते हुए निकल गया जिससे राजेश व जीतू दोनों घायल हो गए। घायल अवस्था में उनको इलाज के लिए गाजीपुर सीएचसी पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद सरकारी 108 एंबुलेंस के ईएमटी सुशील कुमार व पायलट गुलाब के साथ जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वहीं जिला अस्पताल पहुंचते ही ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर भर्ती कर उनका इलाज कर रहे हैं।

21वीं सदी में भी नरकीय जीवन जी रहे जानिकपुर व सोरहा गांव के लोग

- पेयजल से लेकर सफाई तक हर सुविधा से वंचित ग्रामीण, जिम्मेदार साधे चुप्पी

- जल जीवन मिशन बना मजाक, आठ साल से बंद पड़ी पानी की टंकी

असोथर, (फतेहपुर)। असोथर विकास खंड के ग्राम पंचायत कौंडर क्षेत्र के मजरे जानिकपुर व सोरहा की तस्वीर आज भी विकास के दावों को मुंह चिढ़ा रही है। जहां इक्कीसवीं सदी की बात हो रही है, डिजिटल इंडिया और स्मार्ट गांव की योजनाएं कागजों पर तेजी से दौड़ रही हैं। मगर जमीनी हकीकत यह है कि इन दोनों मजरे के ग्रामीण अब भी नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। गांव की मुख्य मुख्य सड़क विजयीपुर-गाजीपुर संपर्क मार्ग से असोथर-थरियांव संपर्क मार्ग को जोड़ती है लेकिन यह मार्ग खुद जलभराव व कीचड़ में डूबा हुआ है। गांव की मुख्य सड़कों से लेकर भीतर की गलियों तक कीचड़, जलभराव और गंदगी ने जीवन को दुश्वार बना दिया है। बारिश होने पर हालात और भी बदतर हो जाते हैं। लोगों को अपने ही घरों से निकलना मुश्किल हो जाता है।

बच्चों का स्कूल जाना, बीमारों का अस्पताल पहुंचना, सब कुछ संकट बन चुका है जिससे आए दिन लोग फिसलकर गिरते हैं और ग्रामीणों में संक्रामक बीमारियों का फैलने खतरा बना रहता है। जानिकपुर और सोरहा दोनों ही मजरे की गलियों में नालियां जाम हैं और गंदगी का अंबार लगा है। नियमित सफाई नहीं होती, जिससे मच्छरों का प्रकोप और संक्रमण की आशंका बनी रहती है। जल जीवन मिशन के तहत गांव में लाखों की लागत से पानी की टंकी तो बना दी गई। मगर आज तक उससे एक बूंद भी पानी की सप्लाई शुरू नहीं हुई। ग्रामीणों ने कई बार पंचायत और विभागीय अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन हर बार आश्वासन के सिवाय कुछ नहीं मिला। कौण्डर गांव के मजरे जानिकपुर की आबादी लगभग 3000 और सोरहा की आबादी लगभग 500 के आस-पास है। लोग आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। गांव में आठ वर्ष पूर्व लाखों रुपये की लागत से जलजीवन मिशन के तहत पानी की टंकी तो बना दी गई, मगर आज तक एक बूंद पानी भी ग्रामीणों को नसीब नहीं हुआ। गांव में लगे कई हैंडपंप लंबे समय से खराब पड़े हैं। गोरेलाल चमार के दरवाजे का हैंडपंप पिछले तीन माह से खराब है। रामधनी के दरवाजे वाला छह माह से बंद पड़ा है। शिवराम का हैंडपंप सात माह, कल्लू का चार माह और अमृतलाल के दरवाजे का हैंडपंप दो माह से खराब है। इससे ग्रामीणों को दूर-दराज के इलाकों से पानी लाने की मजबूरी बनी हुई है। ग्रामीण जितेंद्र सिंह, राधेश्याम, शिव सिंह, हीरालाल, जगतपाल, राम प्रताप सिंह, होरी लाल, रघुवेंद्र सिंह, गुलाब सिंह, रामसुमेर, नरेंद्र, संतोष, धर्म सिंह, धुन्ना सिंह, ज्ञान सिंह, रामखेलावन सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि वर्षों से समस्याएं जस की तस बनी हैं। कई बार शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई।

जनप्रतिनिधि व अधिकारी सब मौनः ग्रामीणों का कहना है कि चुनावों के वक्त नेता वोट मांगने जरूर आते हैं, लेकिन बाद में कोई हाल-चाल तक लेने नहीं आता। सफाई कर्मी महीनों से दिखाई नहीं दिए और न ही जल निगम के अफसरों ने कभी आकर टंकी चालू कराने की कोशिश की।

अधिकारी बोले- जल्द कराएंगे निराकरणः असोथर विकास खंड अधिकारी राहुल मिश्रा का कहना है कि मामला हमारे संज्ञान में नहीं था। अब सचिव को भेजकर प्राथमिकता के आधार पर हैंडपंप मरम्मत, सफाई और जलापूर्ति बहाली की कार्यवाही कराई जाएगी।

खबर एक नज़र

सर्पदंश से किसान की मौत

फतेहपुर। चांदपुर थाना क्षेत्र के भगलापुर गांव के समीप स्थित खेत में काम करने गए किसान को जहरीले सांप ने काट लिया। सांप काटने की जानकारी परिजनों को हुई तो तुरन्त उसको इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने किसान को मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के भगलापुर गांव निवासी स्व. रामराज का 33 वर्षीय पुत्र नन्दू गांव के समीप स्थित खेतों में काम करने गया था। तभी वहां उसको किसी जहरीले सांप ने काट लिया। सांप काटने की बात उसने घर आकर अपने परिजनों को बताइ तो तुरंत परिजन उसको इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने जाँच के उपरांत उसको मृत घोषित कर दिया।

खागा विधानसभा की समस्याओं को लेकर डीएम से मिले कांग्रेसी

फतेहपुर। खागा विधानसभा क्षेत्र की महती 05 सूत्रीय मांगों को लेकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष महेश द्विवेदी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर उन्हें लिखित रूप से अवगत कराया। जनहित में नेताओं ने बताया कि खखरेरू के कनपुरवा पावर हाउस से बिजली की जटिल समस्या है। क्षेत्रीय किसान बेहाल हैं। वहां 05 से 10 केवी के लगे ट्रांसफार्मर नाकाफी साबित हो रहे हैं, जहां 33 केवी के ट्रांसफार्मर की आवश्यकता है। जिससे किसान अपनी कृषि कार्यों में बिजली का सही उपभोग कर सकें। इसके अतिरिक्त खागा से नौबस्ता रोड में चौकी चौराहे व धाता से सिराथू मार्ग में धाता बाईपास से दीप नारायण चौराहे तक रोड बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो चुकी है जिससे आए दिन गंभीर दुर्घटनाएं हो रही है। इन दोनों मार्गो को अविलंब बनवाया जाए। अभी हाल में हुई मड़ैयन गांव में हुई तीन मौतों का हवाला देते हुए कहा गया कि उन गांवों तक पहुंचने का आज भी कोई पक्का मार्ग नहीं है। विषम परिस्थितियों में वहां से बाहर निकलना दूभर है। इसलिए वहां पक्के मार्गो का निर्माण अति आवश्यक है। इन्हीं समस्याओं के साथ यह भी कहा कि खागा नगर में बरसात के दिनों में जल निकासी की कोई व्यवस्था न होने से पूरे नगर की सड़के जलमग्न हो जाती है। तीन चार घंटे बाद पानी निकासी होने पर निकलना संभव हो पाता है। इसलिए वहां जल निकासी की समुचित व्यवस्था की जाए। प्रतिनिधि मंडल में शहर अध्यक्ष मो. आरिफगुड्डा, वरि. नेता कलीम उल्ला सिद्दीकी, प्रवक्ता देवी प्रकाश दुबे, संतोष कुमारी शुक्ला, पं. रामनरेश महराज, शहाब अली, नफीस शामिल रहे।

अग्निकाण्ड पीड़ित की रेडक्रास चेयरमैन ने की सहायता

- दैनिक उपयोग की वस्तुओं समेत खाद्य सामग्री पहुंचाई

फतेहपुर। ग्राम चितौरा निवासी मानवेन्द्र सविता पुत्र किशोरीलाल सविता के आवास पर अग्निकाण्ड से हुए नुकसान पर रेडक्रास सोसाइटी के चेयरमैन ने सहायता पहुंचाने का काम किया। हिमांशु श्रीवास्तव ने जानकारी दिया कि मानवेन्द्र सविता किसी तरह ई रिक्शा चलाकर अपना जीवनयापन करता है। इनके एक 05 वर्ष की बिटिया है, बहुत परेशान हैं, जिस पर रेडक्रॉस सोसाइटी के तत्वावधान व डॉ. सत्यनारायण सेवा फाउंडेशन के संयोजकत्व में चेयरमैन डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने चितौरा पहुंचकर एक प्लाई बोर्ड की फोल्डिंग, खाद्य सामग्री आटा, चावल, दाल, तेल, रिफाइंड, हल्दी, धनिया, मिर्च, जीरा, नमक, बिस्कुट, रस्क, नमकीन, टूथपेस्ट, साबुन नहाने व कपड़ा धुलने, वाशिंग पाउडर इत्यादि, बाल्टी, मग, वाटर कूलर, साबुनदानी, टूथब्रश स्टैंड, मसालदानी, 03 बड़े डिब्बे, स्टील की टंकी, 05 लीटर प्रेशर कुकर, 05 थाली, पांच चम्मच, 05 कटोरी, 05 गिलास, परात, सिल्वर का भगोना ढक्कन सहित, कढ़ाई, स्टील के बड़े चमचे, कलछी, नई चादरें, टीशर्ट, वस्त्र, अटैची, जूते चप्पल, स्कूल बैग, कॉपी, लेखन सामग्री सहित तमाम दैनिक उपयोग की वस्तुएं प्रदान कर अल्प सहायता की। इस अवसर पर राजेश कुमार, शुभांशु, आशीष पटेल उपस्थित रहे।

पीडब्ल्यूडी एक्सईएन से मिले कंछल गुट के व्यापारी

- नौबस्ता रोड न बनवाए जाने पर जताई नाराजगी

खागा (फतेहपुर)। व्यापार मंडल कंछल गुट के जिलाध्यक्ष शिवचंद्र शुक्ल ने लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन अनिल कुमार शील से मिलकर सत्याग्रह के दौरान किए गए वादे को ध्यान दिलाते हुए कहा कि विभाग द्वारा हो रही वादा खिलाफी पर नाराजगी जताते हुए कहा कि सड़क पर बड़े बड़े गड्ढे होने से बरसात में सड़क तालाब में तब्दील हो गई है, जहां पर रोज अनेकों घटनाएं हो रही है। लोग चोटहिल हो रहे हैं। स्कूल खुल गए हैं। छात्र छात्राओं को भी बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि अगर जल्द ही विभाग द्वारा जनहित में सड़क में कार्य नहीं किया जाता है, तो पुनः एक बार सत्याग्रह करेंगे। जिसकी सारी जिम्मेदारी सिर्फ और सिर्फ लोक निर्माण विभाग की होगी। एक्सईएन अनिल कुमार शील ने कहा कि विभाग द्वारा इस रोड के नवीनीकरण हेतु शासन को प्रस्ताव भेजा गया है, जो स्वीकार भी हो गया है। जल्द ही बजट पास होते ही रोड का नवीनीकरण कराया जाएगा। उन्होंने जेई विनय कुमार गुप्त को फटकार लगाते हुए तत्काल गड्ढे भरवाने के निर्देश दिए। इस दौरान प्रमुख रूप से व्यापार मंडल अध्यक्ष खागा अमिताभ शुक्ल, जिला उपाध्यक्ष अनिल साहू, जिला महामंत्री जितेंद्र सिंह यादव उर्फ सोनू, जिला मीडिया प्रभारी अनुपम शुक्ल, मंत्री अनिकेत द्विवेदी, अजय त्रिवेदी सहित मौजूद रहे।

महिला महाविद्यालय में नशे के दुरूपयोग पर हुआ व्याख्यान

- एनसीसी कैडेट्स ने नशे के विरूद्ध ग्रहण की शपथ

फतेहपुर। जिला खेल विभाग के सहायक कोच मो0 अरिफखान के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय नशा दुरुपयोग और अवैध तस्करी के विरुद्ध दिवस के आयोजन के तहत नशे के दुरुपयोग पर एक प्रेरक जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया। यह कार्यक्रम डॉ. बीआर अंबेडकर राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हुआ। जिसमें 57 एनसीसी कैडेट्स ने उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत नशे के दुरुपयोग की गंभीर समस्या पर ध्यान केंद्रित करके हुई, जिसमें इसके व्यक्तियों और समाज पर प्रभाव को उजागर किया गया। सहायक कोच मो0 अरिफखान ने एक अंतर्दृष्टिपूर्ण व्याख्यान देते हुए नशे के दुरुपयोग के खतरों और रोकथाम और जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला। लांस कॉपरल दिव्यांशी, आस्था और दिशा ने भी इस विषय अंतर्राष्ट्रीय नशा दुरुपयोग और अवैध तस्करी के विरुद्ध दिवस पर अपने विचार साझा किए। उनके विचारों में नशामुक्त वातावरण बनाने के लिए सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए भी प्रेरणा थी। सभी कैडेट्स द्वारा नशे के विरुद्ध शपथ ग्रहण किया एवं जो उनके इस गंभीर समस्या के समाधान करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस कार्यक्रम ने एकता और सशक्तिकरण की भावना को बढ़ावा दिया, जहां युवा व्यक्तियों ने नशे के दुरुपयोग के चंगुल से मुक्त एक उज्जवल, स्वस्थ भविष्य के लिए एकजुट होकर आवाज़ उठाई। व्याख्यान का समापन एक कार्रवाई की अपील के साथ हुआ जिसमें प्रतिभागियों से नशे के दुरुपयोग से लड़ने में व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेने और अपने सामाजिक सर्कल में जागरूकता फैलाने का आग्रह किया गया। एनसीसी इन शैक्षिक पहलों को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि युवाओं को जानकारी प्राप्त हो सके, जिससे वे उचित निर्णय ले सकें।

अपना दल एस ने मनाई छत्रपति महाराज की जयंती

फतेहपुर। सातमील तिराहा में हुसैनगंज विधानसभा में अपना दल एस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देशानुसार छत्रपति साहू जी महाराज की जन्म जयंती आईटी मंच के जिलाध्यक्ष विपिन कौशल के नेतृत्व में मनाई गई। संचालन विधानसभा अध्यक्ष अर्जुन मौर्य ने किया। मुख्य रूप से जिला कार्यकारिणी सदस्य राजेंद्र मौर्य मौजूद रहे। बिपिन कौशल ने बताया कि छत्रपति शाहू जी का जीवन परिचय व उनके द्वारा किए गए संघर्षों को याद किया। दो जुलाई को जन स्वाभिमान दिवस में ज्यादा से ज्यादा प्रतिभाग करने का आहवान किया। इस मौके पर सुमन देवी, राजू पटेल, मोनू कौशल, मो0 हाफिज, दीपक कौशल, शहीद अहमद हसन, भोला प्रसाद, राजकुमार, अनिकेत कुमार, धर्म सिंह, पप्पू पाल, सोनू कौशल एवं तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

खतरे पे खतरा

वैसे तो प्रदूषण किसी भी रूप में हानिकारक है लेकिन जब हवा में जहर घुलता जाए तो वह सबसे ज्यादा घातक हो जाता है। हवा ऐसा प्राकृतिक तत्व है जिसे हम देख तो नहीं सकते पर हमारी हर सांस के साथ वह शरीर के अंदर जाती है और हमें जिंदा रखती है। यही जहरीली हो तो निश्चित ही उसका असर दूसरा होगा। अब इस जहर में तेजी के साथ इजाफा हो रहा है। इसीलिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ बार-बार वायु प्रदूषण को लेकर सावधान करते रहते हैं। अध्ययन बताते हैं कि मौजूदा समय वैश्विक स्तर पर यह मौत का तीसरा सबसे बड़ा कारण है। इसका दुष्प्रभाव केवल फेफड़े और सांस संबंधी बीमारियों तक ही सीमित नहीं रहा। अब यह तथ्य सामने आया है कि जहरीली हवा से दिल के दौरे का खतरा भी बढ़ गया है। दरअसल वायु प्रदूषण और गुणवत्ता के बीच संतुलन साधते हुए अभी तक फेफड़े पर बढ़ते दबाव को लेकर ही अध्ययन होते रहे किंतु हृदय पर पड़ने वाले इसके प्रभाव पर कभी ध्यान ही नहीं गया। अब विशेषज्ञों का मत है कि वायु प्रदूषण के दौरान घातक सूक्ष्म कण निरंतर रक्त प्रवाह में घुलते रहकर कोलेस्ट्राल को आक्सीकृत कर देते हैं जिससे धमनी पट्टिका के फटने की स्थिति पैदा हो जाती है और दिल के दौरे का खतरा बढ़ जाता है। यह चुनौती पृथ्वी पर रहने वाले अमूमन सभी लोगों के जीवन को खतरा पैदा कर रही है। सरल शब्दों में कहा जाए तो प्रदूषक तत्व हर पल हमारे शरीर में प्रवेश करते हुए रक्त धमनियों से होकर सभी अहम अंगों तक पहुंच रहे हैं और उन्हें प्रभावित कर रहे हैं। यानी जिस वायु को प्राणदायिनी माना जाता है, वही प्राणों का अंत करने का प्रमुख कारण बन रही है। इसीलिए दुनिया में वायु प्रदूषण से हर साल लाखों लोगों की जान जा रही है। सभी जानते हैं कि दिल का दौरा कितनी आसानी से प्राणों का अंत कर देता है। इसलिए जीवन प्रत्याशा को क्षरण से सुरक्षित रखने के लिए वायु प्रदूषण को हर स्तर पर चुनौती मानने और उससे बचाव के उपाय खोजने की दिशा में काम करना पहले से ज्यादा जरूरी हो गया है। ये उपाय तात्कालिक तो हों ही, उनका दूरगामी और व्यावहारिक होना भी आवश्यक है, तभी समस्या का स्थायी समाधान मिलना संभव हो सकता है। इसके लिए आम लोगों को अपने स्तर से सावधानी तो बरतनी ही होगी, विभिन्न देशों की सरकारों को भी रास्ते खोजने होंगे। वायु प्रदूषण के प्रति वैश्विक दृष्टिकोण ज्यादा उत्साहवर्धक नहीं है।

मुश्किल

समाज में जातीय संघर्ष नई बात नहीं है। बहुत पहले से यह चला आ रहा है। फर्क यह है कि तब क्षेत्र में अपना दबदबा बनाए रखने के लिए ऐसे टकराव कभी-कभी होते थे पर अब किसी न किसी बहाने यह नियमित रूप से होता है। इसका मुख्य कारण राजनीतिक हित साधन के लिए जातीय अस्मिता के नाम पर इसे मोहरा बना लिया जाना है। यही कारण है कि पर्वों और त्योहारों जैसे संवेदनशील अवसरों पर भी ऐसे तनाव भड़काने की कोशिशें होती हैं और अक्सर वह खूनखराबे में भी बदल जाता है। यह अच्छी बात है कि यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार इस समस्या को लेकर हमेशा सावधान रही है। समय-समय पर ऐसे टकराव भड़काने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होती रहती है जिससे ऐसे तत्व सिर नहीं उठाने पाते। इसी कड़े रुख को बनाए रखते हुए सुनियोजित जातीय संघर्ष के खिलाफ कार्रवाई करने का सीएम योगी द्वारा अधिकारियों को निर्देश देना ऐसे तत्वों को कड़ी चेतावनी है। यह अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस की सरकार की नीति के अनुरूप भी है। यह ठीक है कि सभी जातियों, विशेष रूप से दबे-कुचले, शोषित और पिछड़े वर्गों के लोगों का जीवन बेहतर बनाने के लिए काम होने चाहिए। इस दिशा में कदम भी उठाए गए हैं। आज भी प्रयास जारी हैं। पर केवल वोट बढ़ाने के लिए इनसे जुड़े लोगों को गुमराह करके सामाजिक शांति भंग करने की कोशिशें तो किसी भी कीमत पर उचित नहीं ठहराई जा सकतीं। तनावों और अशांति के बीच कोई समूह आगे नहीं बढ़ सकता। आज भी मणिपुर दो साल से इसी आग में जल रहा है और बंगाल, बिहार एवं महाराष्ट्र जैसे राज्यों में समय-समय पर ऐसी घटनाओं का नतीजा वहां के आम लोग भुगतते हैं। पूर्व की सरकारों के कार्यकाल में यूपी ऐसी घटनाएं झेल चुका है जिनमें कई के जख्म आज भी ताजा लगते हैं। लेकिन अब जाति के नाम पर खूनखराबा रचने वालों के खिलाफ जांच से लेकर जेल के सींखचों के पीछे पहुंचाने तक की कार्रवाइयों में कोई चूक नहीं हो रही है। आगामी दिनों में पड़ने वाले त्योहारों को लेकर सतर्कता बरतते हुए मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देश निश्चित ही स्वागतयोग्य हैं जिनसे प्रदेश का अमन चैन भी कायम रहेगा।

काँव-काँव

♦♦♦

अगले वर्ष से दो बार होगी सीबीएसई परीक्षा
पेपरलीक गिरोह के कारनामे दो बार छपेंगे!
अगर ईरान नहीं माना तो फिर करेंगे हमला-ट्रंप
पाक के पास अमेरिका तक हमले की मिसाइल!
वकीलों को तलब नहीं कर सकतीं एजेंसियां-कोर्ट
ऐसे तो फिर रामराज्य नहीं चल पायेगा हुजूर!
लोकतंत्र सेनानियों को मिलेगा कैशलैस उपचार
नयी मेडिकल कंपनियों की ट्रायल रिपोर्ट अधूरी!
ईरान ने अब आईएईए से तोड़ लिये सभी संबंध
परमाणु मिसाइल परीक्षण के बाद नजर आना!
आपातकाल देश के लोकतंत्र पर काला दाग़-केंद्र
आपातकाल के सारे विलेन तो भाजपाई हो गये!

♦♦♦

अंतरिक्ष से भारत की हुंकार

जब एक भारतीय ने सितारों को छू लिया, तो वह पल केवल अंतरिक्ष की यात्रा नहीं था–वह 140 करोड़ दिलों की धड़कनों का उत्सव था, भारत की आत्मा का उद्घोष था, और हमारी सांस्कृतिक विरासत का ब्रह्मांड में

– डॉ. आर.के. जैन 'अरिजीत'

लहराता तिरंगा था। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने जब ड्रैगन कैप्सूल से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की ओर कदम बढ़ाया, तो वह केवल एक अंतरिक्ष यात्री की उड़ान नहीं थी–वह भारत के सपनों, संकल्प और वैज्ञानिक शक्ति की अनंत यात्रा थी। यह वह क्षण था जब भारत ने न केवल धरती की सीमाएं लांघीं, बल्कि सितारों के पार अपनी पहचान को अमर कर दिया।

25 जून 2025 को, भारतीय समयानुसार दोपहर 12:01 बजे, फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स का फाल्कन-9 रॉकेट आकाश को चीरता हुआ अंतरिक्ष की ओर बढ़ा। ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट में सवार थे भारतीय वायुसेना के शुभांशु शुक्ला, जो एक्सिओम-4 मिशन के पायलट की भूमिका में थे। उनके साथ थे कमांडर पैगी व्हिटसन (पूर्व नासा अंतरिक्ष यात्री, अमेरिका), मिशन विशेषज्ञ स्लावोश उज्नांस्की-विस्निव्स्की (पोलैंड), और तिबोर कपु (हंगरी)।

यह मिशन नासा, एक्सिओम स्पेस और स्पेसएक्स की साझेदारी का प्रतीक है, जिसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का समर्थन प्राप्त है। लॉन्च के महज 10 मिनट बाद, शुभांशु और उनकी टीम 7.5 किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे थे। 28 घंटे की रोमांचक यात्रा के बाद, ड्रैगन कैप्सूल 26 जून 2025 को भारतीय समयानुसार शाम 4:30 बजे आईएसएस से डॉक करने वाला है। यह 14-दिवसीय मिशन 60 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोगों का मंच है, जिनमें सात इसरो द्वारा डिजाइन किए गए हैं। ये प्रयोग भारत की वैज्ञानिक प्रगति को विश्व मंच पर चमकाने का अवसर हैं, जो न केवल तकनीकी उपलब्धि है, बल्कि भारत के भविष्य के अंतरिक्ष सपनों का आधार भी है। शुभांशु की यह यात्रा 1984 में राकेश शर्मा की ऐतिहासिक सोवियत सैल्यूट-7 मिशन के बाद भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान में शानदार वापसी है। 41 साल बाद, शुभांशु आईएसएस पहुंचने वाले पहले भारतीय बनने जा रहे हैं, जो भारत के अंतरिक्ष इतिहास में स्वर्णिम स्याही से लिखा जाएगा। यह केवल एक व्यक्ति की उड़ान नहीं, बल्कि भारत की उस जिजीविषा का प्रतीक है, जो सीमाओं को तोड़कर अनंत की ओर बढ़ रही है। इस मिशन की प्रतीक था। यह तिरंगा गर्व से कह रहा था कि यह उड़ान केवल शुभांशु की नहीं, बल्कि हर उस भारतीय की है, जो खेतों से लेकर प्रयोगशालाओं तक, सपनों को हकीकत में बदल रहा है।

शुभांशु ने भारतीय खान-पान को भी अंतरिक्ष की ऊंचाइयों तक पहुंचाया। आम का रस, गाजर का हलवा और मूंग दाल का हलवा उनके साथ गए, जो वे अपने साथी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ साझा करेंगे। इसके अलावा, वे माइक्रोग्रैविटी में योग करने की योजना बना रहे हैं, जिससे भारतीय संस्कृति का वैश्विक मंच पर एक अनूठा प्रदर्शन होगा। यह वह क्षण है जब परंपरा और प्रौद्योगिकी ने एक-दूसरे का हाथ थामा, और भारत ने साबित कर दिया कि वह न केवल विज्ञान में, बल्कि संस्कृति में भी अग्रणी है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से, यह मिशन भारत के लिए एक मील का पत्थर है। शुभांशु सात भारतीय प्रयोग करेंगे, जिनमें माइक्रोग्रैविटी में मूंग

आत्मा भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत है। शुभांशु ने अपने साथ एक सॉफ्ट टॉय हंस लिया, जिसे भारतीय शास्त्रों में ज्ञान और विवेक का प्रतीक माना जाता है। यह हंस अंतरिक्ष की अनंतता में तैर रहा है, जैसे भारत की सांस्कृतिक विरासत सितारों के बीच अपनी चमक बिखेर रही हो। लॉन्च के दौरान, उनके कंधे पर लहराता तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं था–वह 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं, गर्व और एकता का और मेथी के अंकुरण का अध्ययन और मांसपेशियों की हानि का विश्लेषण शामिल है। ये प्रयोग भारत और अमेरिका की साझेदारी का परिणाम हैं और इसरो के महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन के लिए महत्वपूर्ण अनुभव प्रदान करेंगे। गगनयान, जो 2026 में लॉन्च होने वाला है, भारत का पहला स्वदेशी मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन होगा। शुभांशु, जो इसके लिए चुने गए चार अंतरिक्ष यात्रियों में से एक हैं, इस मिशन के लिए अमूल्य अनुभव ला रहे हैं। कुल 60 से अधिक प्रयोग, जिनमें सामग्री विज्ञान, जैविक अनुसंधान और मानव स्वास्थ्य पर माइक्रोग्रैविटी के प्रभाव शामिल हैं, भारत के भविष्य के मिशनों–जैसे 2035 तक स्वदेशी अंतरिक्ष स्टेशन और 2040 तक चंद्रमा पर भारतीय अंतरिक्ष यात्री भेजने–के लिए नींव रखेंगे।

यह यात्रा केवल अंतरिक्ष तक की उड़ान नहीं, बल्कि भारत की आत्मा का उत्सव है। यह वह क्षण है जब भारत ने साबित कर दिया कि वह न केवल धरती पर, बल्कि सितारों के बीच भी अपनी छाप छोड़ सकता है। शुभांशु की उड़ान लाखों युवाओं के लिए एक प्रेरणा है, जो अब सपने देखने से आगे बढ़कर उन्हें हकीकत में बदलने की हिम्मत रखते हैं। यह वह दस्तक है जो ब्रह्मांड के दरवाजे पर भारत की उपस्थिति को अमर कर रही है–न केवल एक यात्री के रूप में, बल्कि एक मार्गदर्शक के रूप में। जब शुभांशु का ड्रैगन कैप्सूल सितारों के बीच तैर रहा है, तो वह केवल एक अंतरिक्ष यान नहीं है–वह भारत के सपनों का वह पंख है, जो अनंत आकाश में उड़ रहा है। यह न कोई अंत है, न कोई पड़ाव। यह तो एक नई शुरुआत है–उस भारत की, जो अब ब्रह्मांड की गहराइयों में अपनी कहानी लिख रहा है, और जिसकी गूंज सितारों से सितारों तक अनंत काल तक गूंजेगी। यह भारत का वह उद्घोष है, जो कहता है- 'हम आए हैं, और हम रहेंगे–धरती पर, आकाश में, और सितारों के पार!'

प्रेमचंद की कहानियां

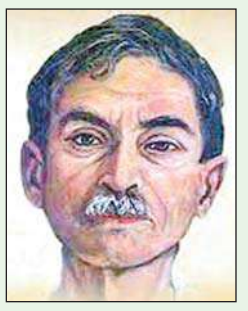

बूढ़ी काकी

क्या मेहमान सब की सब खा जायेंगे? और यदि काकी ने मेहमानों से पहले खा लिया तो क्या बिगड़ जायेगा ? वह काकी के पास जाकर उन्हें धैर्य देना चाहती थी, परंतु माता के भय से न जाती थी। उसने अपने हिस्से की पूड़ियां बिल्कुल न खायी थीं। अपनी गुड़ियों की पिटारी में बन्द कर रक्खी थीं। उन पूड़ियों को काकी के पास ले जाना चाहती थी। उसका हृदय अधीर हो रहा था। बूढ़ी काकी मेरी बात सुनते ही उठ बैठेंगी, पूड़ियां देखकर कैसी प्रसन्न होंगी! मुझे खूब प्यार करेंगी! रात के ग्यारह बज गये थे। रूपा आंगन में पड़ी सो रही थी। लाडली को आंखों में नींद न आती थी। काकी को पुड़ियां खिलाने की खुशी उसे सोने न देती थी। उसने गुडियों की पिटारी सामने रखी थी। जब विश्वास हो गया कि अम्मां सो रही हैं, तो वह चुपके से उठी और विचारने लगी, कैसे चलं चारों ओर अंधेरा था। केवल चूल्हों में आग चमक रही थी और चूल्हों के पास एक कुत्ता लेटा हुआ था। लाडली की दृष्टि द्वार के सामने वाले नीम की ओर गयी। उसे मालूम हुआ कि उस पर हनुमानजी बैठे हुए हैं। उनकी पूंछ, उनकी गदा, वह स्पष्ट दिखलाई दे रही है। मारे भय के उसने आंखें बंद कर लीं। इतने में कुत्ता उठ बैठा, लाडली को ढाढ़स हुआ। कई सोये हुए मनुष्यों के बदले एक भागता हुआ कुत्ता उसके लिए अधिक धैर्य का कारण हुआ। उसने पिटारी उठायी और बूढ़ी काकी की कोठरी की ओर चली। बूढ़ी काकी को केवल इतना स्मरण था कि किसी ने मेरे हाथ पकड़ कर घसीटे, फिर ऐसा मालूम हुआ कि जैसे कोई पहाड़ पर उड़ाये लिये जाता है। उनके पैर बार-बार पत्थरों से टकराये तब किसी ने उन्हें पहाड़ पर से पटका, वे मूर्छित हे गयीं।

जब से सचेत हुईं तो किसी की जरा भी आहट न मिलती थी। समझी किसब लोग खा-पीकर सो गये और उनके साथ मेरी तकदीर भी सो गयी।

क्रमशः...

।। चाणक्य नीति ।।

♦♦♦

कः कालः कानि मित्राणि को देशः कौ व्ययागमौ।
कश्चाहं का च मे शक्तिरिच चिन्त्यं मुहुर्मुहुः।।

बुद्धिमान् व्यक्ति को निरन्तर यह विचार करते रहना चाहिए कि मेरा समय कैसा चल रहा है, मेरे मित्र कितने हैं और कौन-कौन हैं, मेरा निवासस्थान कैसा है, मेरी आय और व्यय कितना है, मैं कौन हूं तथा मेरी शक्ति कितनी है?

♦♦♦

शहरों में गंभीर होती पार्किंग की समस्या

भारत के ज्यादातर शहरों में पार्किंग के लिए जगह कम पड़ती जा रही है। इसके दुष्परिणाम भी दिखने लगे हैं। प्रदूषण बढ़ रहा है। गलियों में और फुटपाथों में जिस तरह बेतरतीब ढंग से गाड़ियां खड़ी की जाती हैं उससे सड़क पर और

रोहित माहेश्वरी

पैदल चलने के जगह कम पड़ रही है। पार्किंग की समस्या कमोबेश देश के सभी शहरों में देखी जा सकती है। अखबारों में आए दिन सुर्खियां बनती है कि गाड़ी पार्किंग को लेकर झड़प हुई। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के थाना रोरावर क्षेत्र से बीते 21 जून को खबर सामने आई थी कि ट्रैक्टर-ट्रॉली की पार्किंग को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों में लाठी-डंडों से मारपीट हो गई। इस घटना में 5 लोग घायल हुए। इसके अलावा दिल्ली से एक खबर थी कि 22 मार्च को उत्तर पश्चिमी दिल्ली में मामूली पार्किंग विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। यहां पड़ोसियों के बीच स्कूटी पार्किंग को लेकर झगड़ा हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि मारपीट में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। 12 मई को गुरुग्राम के ज्योति पार्क में एक मामूली पार्किंग का विवाद इतना बढ़ गया कि एक दर्जन लोगों ने एक परिवार के सदस्यों के साथ जमकर मारपीट की। शहरों में पार्किंग की समस्या के कारण हर दिन ऐसे विवाद सामने आ रहे हैं। ऐसे में यह सवाल मौजूं है कि आखिर विकराल रूप लेती पार्किंग की समस्या का समाधान की दिशा में सरकारें संवेदनशीलता का परिचय क्यों नहीं दे रही? देश के सभी शहरों के प्रमुख बाजारों में पार्किंग की समस्या गंभीर रूप ले रही है। यह भी देखा गया है कि बाजार में जगह नहीं होने के कारण लोग मनमर्जी करते हुए फुटपाथ और सड़कों पर गाड़ी पार्क करने से पीछे नहीं हटते। आज आलम यह है कि अवस्थित पार्किंग छोटे से लेकर बड़े शहरों में जाम का मुख्य कारण बन रही है। दुनिया भर के बड़े शहरों में पार्किंग के बारे में हाल ही में किए गए एक वैश्विक अध्ययन से पता चलता है कि औसत शहरी ड्राइवर पार्किंग की जगह की तलाश में औसतन 18 से 20 मिनट बिताता है, जिसके परिणामस्वरूप तनाव, ईंधन की बर्बादी, उत्सर्जन में वृद्धि, सड़कों पर भीड़भाड़ और उत्पादकता में कमी आती है। सितंबर 2021 में बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी की पीठ ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा है कि मुंबई और उपनगरों में पार्किंग की समस्या दिनोंदिन गंभीर होती जा रही है। सड़कों की लगभग चालीस फीसद जगह गाड़ी पार्किंग से सिकुड़ जाती है। इससे आम आदमी के लिए चलने की जगह नहीं रह जाती। पीठ ने सवाल उठाया है कि एक परिवार को चार से पांच गाड़ियां रखने की अनुमति क्यों दी जा रही है?

पार्किंग को लेकर अब तक जो अध्ययन हुए हैं, उससे हालात की गंभीरता का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। एक अध्ययन के मुताबिक सड़क किनारे पार्किंग की वजह से कोलकाता में सड़क की जगह में 35 प्रतिशत, दिल्ली में 14 प्रतिशत, जयपुर में 56 प्रतिशत और कानपुर में 45 प्रतिशत की कमी आई है। गुजरात के गोधरा जैसे छोटे शहर में भी सप्लाई की तुलना में पार्किंग स्पेस की मांग ढाई गुना ज्यादा है। यही हाल दूसरे शहरों का भी है। भारत के ज्यादातर शहरों में पार्किंग स्पेस की मांग की तुलना में इसकी आपूर्ति आधी या उससे कम है। दिल्ली जैसे महानगर में बढ़ती जनसंख्या और वाहनों की संख्या के कारण पार्किंग की समस्या एक गंभीर मुद्दा बन गया है। सीमित जगह और बढ़ती वाहनों की संख्या के कारण

लोगों को पार्किंग के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। अवैध पार्किंग के कारण सड़कें जाम हो जाती हैं और यातायात व्यवस्था बिगड़ जाती है। दरअसल दिल्ली में लाखों वाहन रोज सड़कों पर दौड़ते हैं, लेकिन पर्याप्त पार्किंग स्पेस का अभाव इसे और भी परेशानी भरा बना देता है। देश की राजधानी दिल्ली के साथ एक बड़ी समस्या यह भी जुड़ी हुई है कि यहां पड़ोसी शहरों से भी प्रतिदिन लाखों की संख्या में गाड़ियां आती हैं। इन्हें भी आखिरकार कहीं ना कहीं जगह चाहिए। यही वजह है कि सड़क से लेकर बाजार तक बुरा हाल है। सरकारी रिपोर्ट्स और अध्ययन से ये सामने आया है कि शहर में पार्किंग स्पेस की कमी तेजी से बढ़ रही है, और इस समस्या से समाधान के लिए बड़ी प्लानिंग की जरूरत है। दिल्ली में आजकल कुल 1.5 लाख से ज्यादा पार्किंग स्पेस उपलब्ध हैं, जो खासतौर पर शहरी इलाकों और व्यावसायिक क्षेत्रों में मौजूद है. हालांकि, राजधानी में वाहनों की संख्या इस आंकड़े से कई गुना ज्यादा है। आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में करीब 1.4 करोड़ से ज्यादा वाहन हैं और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। इसका परिणाम यह है कि कई जगहों पर वाहन सड़क किनारे या अवैध पार्किंग की समस्या पैदा कर रहे हैं, जिससे यातायात पर असर पड़ता है। कमोबेश दिल्ली जैसे हालात देश के हर छोटे बड़े शहर के हैं। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट के एक रिसर्च में ये सामने आया कि शहर के आकार और गाड़ियों की संख्या में बढ़ोत्तरी की दर के हिसाब से देखें तो पार्किंग की मांग बढ़ती ही जा रही है। अगर दिल्ली की बात करें तो यहां पार्किंग की समस्या खत्म करने के लिए 310 फुटबॉल के मैदानों जितनी अतिरिक्त जगह चाहिए। इसी तरह चेन्नई में 100 और चंडीगढ़ में 50 फुटबॉल मैदानों की जितनी अतिरिक्त जगह मिलने से पार्किंग की समस्या का समाधान हो पाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार,बढ़ती पार्किंग की समस्या को दूर करने के लिए सरकार को बाजार ऑफिस, रिहायशी इलाकों में बहुस्तरीय पार्किंग बनवानी चाहिए। मेट्रो बस साइकिल और पैदल यातायात को बढ़ावा देना चाहिए ताकि निजी वाहनों की संख्या कम हो सके शहरों में बहुत स्तरीय पार्किंग परिसर और अंडरग्राउंड पार्किंग का निर्माण करवाना चाहिए। मॉल रेलवे स्टेशन बस स्टैंड के पास बहुत स्तरीय पार्किंग विकसित करनी चाहिए। ज्यादा से ज्यादा लोगों को सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और सार्वजनिक परिवहन सेवा सुरक्षित और समय पर संचालित और सस्ती होनी चाहिए। स्थानीय निकायों और ट्रैफिक पुलिस के बीच समन्वय बनाना जरूरी है।

प्रेरक प्रसंग

जीवन की कुंजी

एक राजा था। बड़ा पुरुषार्थी था। अपने पुरुषार्थ से उसने राज्य को दूर-दूर तक फैला दिया। उसकी प्रजा बड़ी सुखी थी।

धीरे-धीरे राजा पर बुढ़ापा छाने लगा। उसे चिन्ता होने लगी कि उसने राज्य को चलाने के लिए योग्य उत्तराधिकारी न हुआ तो उसके किये-कराये पर पानी फिर जायगा। उसके एक लड़का था। उसी को गद्दी पर बैठना था, लेकिन वह बड़ा प्रमादी था। हाथ-पैर हिलाना उसे पसंद न था। बहुत सोच-विचार के बाद राजा उसे लेकर एक साधु के पास गया और उन्हें सारी बात बताकर लड़के को आश्रम में छोड़ आया। साधु बड़े तेजस्वी थे। उन्होंने राजकुमार से कहा, वत्स, यहां से चार कोस पर एक जंगल है। तुम सवेरे ही वहां जाओ और फूलों के पौधे लाकर आश्रम के अहाते में लगाओ।''

राजकुमार को बड़ा बुरा लगा। अरे, यह काम तो नौकरों के करने का है, उसका नहीं, वह तो यहां राज्य-व्यवस्था के बारे में शिक्षा लेने आया है, लेकिन उसके पिता कह गये थे कि साधु जो कहें, वह करना। मन मारकर अगले दिन से वह उस काम में लग गया। उसने जंगल से लाकर पौधे लगाये, साधु के आदेश पर उन्हें सींचा और जानवरों से बचाने के लिए उनकी रात-दिन रखवाली की। फिर क्या था! कुछ ही दिनों में सारा आश्रम तरह-तरह के रंग-बिरंगे फूलों से लहलहा उठा।

राजकुमार की खुशी का ठिकाना न रहा। साधु ने उसे शाबाशी दी। कहा, ''वत्स, लाखों की एक बात हमेशा याद रखना। जो सोता है, उसका भाग्य सोता है, जो बैठता है, उसका भाग्य बैठता है और जो चलता है, उसका भाग्य चलता है। इसलिए हमारे धर्मग्रंथों ने कहा है, चलते रहो, चलते रहो। देखो, सक्रियता से आश्रम का रूप ही बदल गया है।''

राजकुमार को शासन की ही नहीं, जीवन की भी कुंजी मिल गई।

आपका पत्र मिला

कब होगी जातिगत भेदभाव की विदाई?

हम 21वीं सदी में आ चुके हैं, आजादी को पचहत्तर वर्ष से अधिक हो चुके हैं, सबका साथ सबका विकास, बांटोगे तो काटोगे जैसे नारे दिए जा रहे हैं। लेकिन इस देश में जातिगत भेद भाव एक ऐसी सदियों पुरानी समस्या है जो इस कदर जड़ जमा चुकी है कि सारे प्रयासों के बाद भी समाप्त होने का नाम नहीं ले रही। आए दिन ऐसी घटनाएं सामने आ ही जातीं है, जिससे यही प्रतीत होता है कि इस राष्ट्र में केवल मनुष्य होना काफी नहीं।

एक अच्छा जीवन जीने की लिए किसी अच्छी जाति में पैदा होना भी आवश्यक है। फिर से एक मामला सामने आया है जहाँ एक कथावाचक का केवल इसलिए अपमान किया गया या उसे कथा करने से रोका गया क्योंकि वह एक विशेष जाति से नहीं आता और इसके बावजूद उस जाति के गाँव में जा कर कथा की। आरोप यह लगाया जा रहा है कि उस व्यक्ति ने जाति छुपाई और ब्राह्मण बन कर कथा करता रहा। अगर इस विषय को सही भी माना जाए तो भी क्या किसी को जाति के नाम पर अपमानित करना या हिंसा करना उचित हो सकता है? प्रश्न तो यह भी उठता है कि अगर उसने जाति छुपाई तो उसे जाति क्यों छुपानी पड़ी? आखिर वह कौन-सी चीज है जिसके कारण व्यक्ति को अपनी जाति छुपानी पड़ती है? गहराई से देखें तो इसके मध्य में समाज में फैली ऊंच - नीच की वही खाई विद्यमान दिखती है, जो मनुष्य से मनुष्य होने का हक भी छीन लेती है। वास्तव में, यह सिलसिला नया नहीं है। यह प्रकरण भी उसी सोच का हिस्सा है जो कभी किसी को कथा करने से, तो किसी को मूंछ रखने से रोकती है, घोड़ी चढ़ने पर पिटवा देती है, समाज में छुआ-छूत को बढ़ावा देती है और किसी को ऊंच तो किसी को नीच बना देती है। क्या सच में जाति भी गर्व का विषय हो सकती है!

विवेकानंद विमल
वाया ई-मेल

इस पेज पर प्रकाशित लेखकों के विचार निजी हैं। समाचार पत्र से इनका कोई लेना-देना नहीं है।
आपके विचार व सुझाव भी आमंत्रित हैं। संपादक,
स्वतंत्र भारत
1, जॉपलिंग रोड,
लखनऊ-226001
E-mail : swatantrab-harat77@gmail.com

फेफड़े हर तरह के इंफेक्शन से बचने के लिए अपनाएं ये नुस्खे

बढ़ते प्रदूषण का सबसे ज्यादा असर फेफड़ों पर दिखता है। अस्थमा रोगियों के लिए प्रदूषण में खुद को सुरक्षित रखना सबसे ज्यादा जरूरी है। वहीं जो लोग धूम्रपान करते हैं, जिनका लाइफस्टाइल हैल्दी नहीं, उन्हें भी लंग्स इंफेक्शन का खतरा बना रहता है। इस समय भारत में कई जगहों पर एयर क्वालिटी काफी खराब चल रही है। पटाखों व अन्य कई तरह का जहरीला धुआं फेफड़ों के लिए बहुत ज्यादा हानिकारक है। फेफड़ों में अगर लगातार गंदगी जमती रहे तो यह आगे चलकर कई तरह की परेशानियां दे सकती हैं इसलिए यह बहुत जरूरी है कि आप समय-समय पर फेफड़ों को डिटॉक्स करते रहें। लंग्स स्ट्रॉग्स होंगे तो वह हर तरह की इंफेक्शन से बचे रहेंगे। इन दिनों फिर से कोरोना के केस सुनने को मिल रहे हैं। इन बढ़ते केसेज में खुद के फेफड़ों को हैल्दी बनाए रखने के लिए कुछ नेचुरल डिटॉक्स नुस्खे फॉलो करते रहें।

सामग्री

अदरक - 1 इंच का टुकड़ा (कटा हुआ या कद्दूकस किया हुआ)
तुलसी के पत्ते - 8-10 पत्ते
हल्दी- ½ छोटी चम्मच (अगर ताजे हल्दी का पेस्ट मिल सके तो और बेहतर)
काली मिर्च - 1-2 चुटकी
दारचीनी- 1 छोटा टुकड़ा
लहसुन- 2-3 कलियां (कटी हुई)
शहद - 1-2 चम्मच (स्वाद के लिए)
नींबू का रस - 1 चम्मच
पानी- 1-1.5 कप

फेफड़ों में इंफेक्शन होने के लक्षण

फेफड़ों में इंफेक्शन के लक्षण हल्के से लेकर गंभीर तक हो सकते हैं और यह व्यक्ति की उम्र और हैल्थ अपडेट पर निर्भर करता है और यह भी कि संक्रमण वायरस, बैक्टीरिया या फंगस के कारण हुआ है या नहीं। इंफेक्शन के लक्षण सर्दी खांसी फ्लू जैसे हो सकते हैं जो लंबे समय तक बने रहते हैं। फेफड़ों में संक्रमण होने के कई कारण हो सकते हैं जैसे जैसे बैक्टीरियल, वायरल या फंगल इन्फेक्शन। इसे सामान्यतः पल्मोनरी इन्फेक्शन या फेफड़ों का संक्रमण कहा जाता है। फेफड़ों का सबसे आम संक्रमण निमोनिया है जो फेफड़ों के ऊतकों में सूजन और इंफेक्शन का कारण बनता है। इसके अलावा, ब्रोंकाइटिस (श्वसन नलिकाओं में सूजन) भी एक प्रकार का फेफड़ों का संक्रमण हो सकता है। जब फेफड़ों से हवा को लाने-ले जाने वाली बड़ी ब्रोन्कियल नलिकाओं में इंफेक्शन होता है तो इसे ब्रोंकाइटिस कहा जाता है। जब इंफेक्शन होता है तो शरीर में कई तरह के लक्षण दिखाई देने लगते हैं।

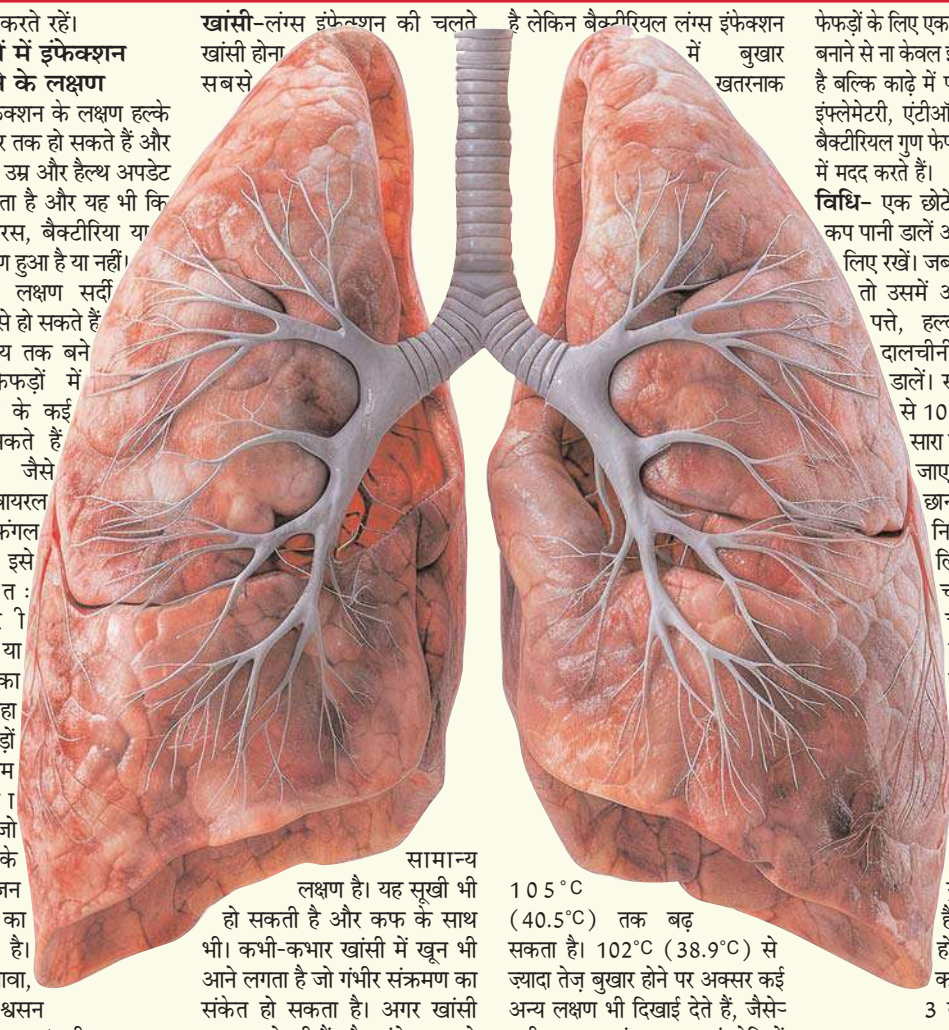

सांस लेने में तकलीफ

इंफेक्शन के चलते फेफड़ों में सूजन और बलगम हो सकती है जिससे सांस लेने में परेशानी होती हैं। खासकर गहरी सांस लेने में ऐसा महसूस हो सकता है। सांस छोड़ते पर सीटी जैसी आवाज़ सुनाई दे सकती है जिसे घरघराहट कहते हैं।

खांसी-लंग्स इंफेक्शन की चलते खांसी होना सबसे सामान्य लक्षण है। यह सूखी भी हो सकती है और कफ के साथ भी। कभी-कभार खांसी में खून भी आने लगता है जो गंभीर संक्रमण का संकेत हो सकता है। अगर खांसी लगातार हो रही हैं और लंबे समय से बनी हुई है तो डाक्टरी जांच अवश्य करवाएं।

बुखार-ठंड लगना और सिरदर्द

इंफेक्शन होने पर बुखार और ठंड के लक्षण भी दिखते हैं। अचानक तेज बुखार होना सामान्य लक्षण है, इसके साथ शरीर में दर्द और ऐंठन भी हो सकती है। फेफड़ों के संक्रमण के कारण सिर में हल्का या तेज दर्द हो सकता है, खासकर जब बुखार के साथ अन्य लक्षण मौजूद होते हैं। शरीर जब संक्रमण से लड़ने की कोशिश करता है तब बुखार होता है। शरीर का सामान्य तापमान आमतौर पर 98.6°C (37°C) के आसपास होता है लेकिन बैक्टीरियल लंग्स इंफेक्शन में बुखार खतरनाक 105°C (40.5°C) तक बढ़ सकता है। 102°C (38.9°C) से ज़्यादा तेज़ बुखार होने पर अक्सर कई अन्य लक्षण भी दिखाई देते हैं, जैसे- पसीना आना, ठंड लगना, मांसपेशियों में दर्द, डिहाइड्रेशन, सिरदर्द, कमज़ोरी आदि के लक्षण दिख सकते हैं। अगर बुखार 3 दिन से ज्यादा हो और 102°C (38.9°C) से ज्यादा हो तो लंग्स स्पैशलिस्ट को दिखाना चाहिए।

सीने में दर्द या दबाव

संक्रमण के कारण फेफड़ों में सूजन और जलन हो सकती है, जिससे सीने में दर्द या दबाव महसूस हो सकता है। खांसने या गहरी सांस लेने पर सीने का दर्द और भी बढ़ जाता है। कभी-कभी आपकी पीठ के मध्य से ऊपरी हिस्से में तेज दर्द महसूस हो सकता है।

फेफड़ों के लिए बेस्ट होममेड काढ़ा- फेफड़ों के लिए एक अच्छा होममेड काढ़ा बनाने से ना केवल इम्यूनिटी मजबूत होती है बल्कि काढ़े में पाए जाने वाले एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण फेफड़ों को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

विधि- एक छोटे बर्तन में 1-1.5 कप पानी डालें और उसे उबालने के लिए रखें। जब पानी उबालने लगे तो उसमें अदरक, तुलसी के पत्ते, हल्दी, काली मिर्च, दालचीनी और लहसुन डालें। सारी सामग्री को 5 से 10 मिनट उबालें ताकि सारा सामान पानी में घुल जाए फिर मिश्रण को छान कर कप मे निकालें। स्वाद के लिए काढ़े में 1-2 चम्मच शहद और 1 चम्मच नींबू का रस डालें। शहद गर्म पानी में डालने से इसके लाभ में कोई कमी नहीं आती, लेकिन इसे उबालते हुए पानी में डालने से उसकी औषधीय गुण कम हो सकते हैं इसलिए उसे ठंडा होने पर ही डालें। इस काढ़े को दिन में 2 से 3 बार पी सकते हैं। खासकर सुबह खाली पेट या रात को सोने से पहले पीने से ज्यादा फायदा होगा।

फेफड़ों की सफाई कर देगी हर्बल टी फेफड़ों की सफाई के लिए हर्बल टी भी बहुत फायदेमंद है। एक बर्तन में 2 कप पानी उबालें उसमें आधा इंच अदरक, दालचीनी का छोटा टुकड़ा या 1 चौथाई दालचीनी पाउडर, थोड़ा सा गुड़, 3 से 4 तुलसी के पत्ते, 3 काली मिर्च, 2 इलायची कुटी हुई, एक चौथाई चम्मच सौंफ, चुटकीभर अजवाइन, एक चौथाई चम्मच जीरा, इन सभी सामग्रियों को उबले पानी में डालें और करीब 10 मिनट तक सारी सामग्री को धीमी आंच में उबालें ताकि सारी चीजें पानी में घुल जाए। कप में चाय को छान कर डालें और चाय का फायदा तभी मिलेगा जब आप गुनगुना गर्म पीएंगे। दिन में करीब 20 मिलीलीटर काढ़ा ही पाएं। अगर कोई पाचन संबंधी दिक्कत है तो डाक्टरी से सलाह जरूर लें।

फेफड़ों के लिए काढ़े के फायदे

अदरक-अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सिडेंट गुण होते हैं जो श्वसन तंत्र की सूजन को कम करने में मदद करते हैं और बलगम को निकालने में सहायक होते हैं।

तुलसी-तुलसी में एंटीबैक्टीरियल, एंटीवायरल और एंटीफंगल गुण होते हैं जो फेफड़ों को स्वस्थ रखते हैं और इन्फेक्शन से लड़ने में मदद करते हैं।

हल्दी- हल्दी में कुरकुमिन नामक तत्व होता है जो सूजन कम करने और इन्फेक्शन से बचाव में सहायक होता है।

काली मिर्च- काली मिर्च से फेफड़ों में जमा बलगम को बाहर निकालने में मदद मिलती है और यह श्वसन तंत्र को साफ करती है।

दारचीनी- यह एक प्राकृतिक एंटीऑक्सिडेंट है जो फेफड़ों को साफ करने में मदद करता है और श्वसन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखता है।

लहसुन- लहसुन में प्राकृतिक एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होते हैं जो शरीर में इन्फेक्शन को कम करने में मदद करते हैं।

नींबू और शहद-नींबू में विटामिन ष्ट होता है जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है, और शहद गले की सूजन को कम करता है और इसे आराम देता है। यह काढ़ा प्राकृतिक और असरदार है लेकिन अगर आपके पास किसी प्रकार की श्वसन संबंधी समस्या या फेफड़ों का संक्रमण है, तो डॉक्टर से परामर्श लेना महत्वपूर्ण है। इसके अलावा आप इन घरेलू नुस्खों को भी फॉलो कर सकते हैं।

सेंधा नमक वाला गुनगुना पानी पीएं-सेंधा नमक गुनगुने पानी के साथ लें इससे जमा हुई खांसी दूर होती है। आयुर्वेद के अनुसार, गर्म पानी और सेंधा नमक दोनों ही कफ दोष को शांत करने वाले होते हैं।

पानी के अलावा ये चार चीजें भी शरीर को रखती हैं हाईड्रेटेड

गर्मी का मौसम अपने साथ चिलचिलाती धूप और बढ़ता तापमान लेकर आता है, जिससे पसीना अधिक आता है और शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) का खतरा भी बढ़ जाता है। अक्सर हम हाइड्रेशन को सिर्फ ढेर सारा पानी पीने से जोड़कर देखते हैं, लेकिन यह पूरा सच नहीं है। शरीर को सही मायने में हाइड्रेटेड रखने के लिए पानी पीने के साथ-साथ कुछ और बातों का ध्यान रखना चाहिए। डिहाइड्रेशन सिर्फ प्यास लगने तक सीमित नहीं है, यह थकान, सिरदर्द, चक्कर आना और पाचन समस्याओं जैसी कई परेशानियां पैदा कर सकता है। अगर इस पर ध्यान न दिया जाए, तो यह गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों को जन्म दे सकता है। इसलिए, खासकर गर्मियों के दौरान, शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बनाए रखना बहुत जरूरी हो जाता है। आइए इस लेख में हम उन आसान और प्रभावी तरीकों के बारे में जानते हैं, जो आपको इस गर्मी में पूरी तरह से हाइड्रेटेड और ऊर्जावान रखने में मदद करेंगे।

हाइड्रेटिंग फल और सब्जियां खाएं

गर्मियों में खीरा, तरबूज, संतरा, और स्ट्रॉबेरी जैसे फल और सब्जियां खाएं, जिनमें अधिक मात्रा में पानी होता है। ये न केवल शरीर को हाइड्रेट करते हैं, बल्कि विटामिन, खनिज, और एंटीऑक्सीडेंट भी प्रदान करते हैं। खीरे में सिलिका होता है, जो त्वचा को नम रखता है, जबकि तरबूज में इलेक्ट्रोलाइट्स (जैसे पोटेशियम) पसीने से होने वाली कमी को पूरा करते हैं।

नारियल पानी और इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक्स पिएं

नारियल पानी एक प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक है, जो पोटैशियम, सोडियम, और मैग्नीशियम से भरपूर होता है। यह शरीर में पानी के अवशोषण को बढ़ाता है और डिहाइड्रेशन से बचाता है। गर्मियों में रोज 1 गिलास नारियल पानी पीना बेहद फायदेमंद होता है। इसके अलावा, घर पर बना नींबू पानी (बिना चीनी के) या इलेक्ट्रोलाइट युक्त पेय भी हाइड्रेशन के लिए अच्छे होते हैं।

हर्बल टी और ठंडे

इन्फ्यूज्ड ड्रिंक्स

गर्मियों में कैफीन-मुक्त हर्बल टी, जैसे पुदीना, कैमोमाइल, या लेमन ग्रास टी हाइड्रेशन का शानदार तरीका है। ये ड्रिंक्स न सिर्फ ताजगी देती हैं, बल्कि पाचन को भी बेहतर बनाती हैं। लेकिन ध्यान दें कि इसे दिन भर 2-3 कप ही लेना चाहिए, अधिक मात्रा इसका सेवन करना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।

सूप और दही आधारित खाद्य पदार्थ

पतले सूप, जैसे सब्जी या टमाटर का सूप, गर्मियों में हल्का और हाइड्रेटिंग होता है। ये पानी और पोषक तत्वों की पूर्ति करते हैं। दही, छाछ, या लस्सी भी हाइड्रेशन के लिए बेहतरीन विकल्प हैं। इस बात का खास ध्यान रखें कि इन तरीकों के साथ-साथ रोजाना 2-3 लीटर गिलास पानी पीना न भूलें।

क्या है 'डिजिटल आई स्ट्रेन'?

आज की डिजिटल दुनिया में स्मार्टफोन, लैपटॉप और टैबलेट हमारी जिंदगी का एक अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में अधिकतर लोग इन स्क्रीन्स पर अपना ज्यादातर समय बिताने लगे हैं। पहले के समय बच्चे कम से कम आउटडोर गेम खेलते थे, लेकिन अब मनोरंजन से लेकर काम तक, हर चीज इन्हीं स्क्रीन्स पर सिमट गई है। लेकिन इस सुविधा का एक नकारात्मक पहलू भी है, लंबे समय तक स्क्रीन पर समय बिताने से हमारी आंखों पर अत्यधिक दबाव पड़ता है, जिसे चिकित्सकीय भाषा में डिजिटल आई स्ट्रेन या कंप्यूटर विजन सिंड्रोम कहा जाता है।

यह सिर्फ आंखों की हल्की थकान नहीं है, बल्कि तेजी से बढ़ती हुई बड़ी समस्या है जो आंखों में जलन, सूखापन, धुंधलापन और लगातार सिरदर्द का कारण बन सकती है। ऐसे में, इस डिजिटल चुनौती के दौर में अपनी आंखों की सेहत का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। आइए इस लेख में हम इसी के बारे में विस्तार से जानेंगे कि डिजिटल आई स्ट्रेन क्या है और इससे कैसे बचा जा सकता है?

डिजिटल आई स्ट्रेन क्या है?

डिजिटल आई स्ट्रेन एक ऐसी स्थिति है, जो लंबे समय तक डिजिटल स्क्रीन (कंप्यूटर, फोन, टीवी) के उपयोग से होती है। स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी (ब्लू लाइट), बार-बार पलक न झपकना, और अनुचित दूरी या रोशनी में काम करना इसके मुख्य कारण हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, 50-90% लोग जो रोजाना 2-3 घंटे से ज्यादा स्क्रीन पर समय बिताते हैं, इस समस्या से प्रभावित होते हैं। इसके लक्षणों में आंखों में दर्द, सूखापन, थकान, धुंधला दिखना, और सिरदर्द शामिल हैं।

डिजिटल आई स्ट्रेन के कारण

लंबे समय तक स्क्रीन पर ध्यान केंद्रित करने से आंखों की मांसपेशियां थक जाती हैं। स्क्रीन की नीली रोशनी रेटिना को नुकसान पहुंचा सकती है और स्लीप साइकिल को प्रभावित करती है। इसके अलावा कम पलक झपकने से आंखें सूखी रहती हैं, जिससे जलन और असहजता होती है। खराब रोशनी, गलत बैठने की मुद्रा, और स्क्रीन की गलत दूरी भी इस समस्या को बढ़ाते हैं।

बचाव के आसान उपाय

इस समस्या से बचने के लिए आप कुछ आसान उपाय अपना सकते हैं-

- हर 20 मिनट में 20 सेकंड के लिए स्क्रीन से हटकर 20 फीट दूर किसी वस्तु को देखें। यह आंखों की मांसपेशियों को आराम देता है।

-आमतौर पर स्क्रीन देखते समय लोग कम पलक झपकाते हैं, जिससे आंखें सूखती हैं। सचेत रूप से बार-बार पलक झपकाएं।

स्क्रीन की ब्राइटनेस को कम करें और नीली रोशनी को कम करने वाले फिल्टर या चश्मे का उपयोग करें।

-स्क्रीन को आंखों से 20-24 इंच की दूरी पर और आंखों के लेवल से सिर्फ 10-15 डिग्री नीचे रखें।

'आर्ट थेरेपी' क्या है? जानें रंगों और रचनात्मकता से कैसे दूर होता है तनाव

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव, चिंता और मानसिक थकान आम समस्याएं बन गई हैं। इनसे निपटने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि रंगों की रचनात्मकता के जरिए भी मन को शांति और शरीर को राहत मिल सकती है? आर्ट थेरेपी एक ऐसा ही अनूठा और प्रभावी तरीका है, जो कला के माध्यम से मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। आइए इस लेख में जानते हैं कि आर्ट थेरेपी क्या है, यह कैसे काम करती है, और इसके क्या फायदे हैं।

आर्ट थेरेपी क्या है?

आर्ट थेरेपी एक चिकित्सीय प्रक्रिया है, जिसमें पेंटिंग, ड्राइंग, स्कल्पचर, या अन्य रचनात्मक गतिविधियों के जरिए भावनाओं को व्यक्त किया जाता है। यह थेरेपी प्रशिक्षित आर्ट थेरेपिस्ट की देखरेख में होती है, जो कला को मनोवैज्ञानिक उपचार के रूप में इस्तेमाल करते हैं। आर्ट थेरेपी उद्देश्य तनाव, चिंता, डिप्रेशन, या आघात (ट्रॉमा) जैसी समस्याओं को कम करना है। बहुत से लोगों को ऐसा लगता है कि इसके लिए आपको आर्ट आना बहुत जरूरी है, लेकिन ऐसा नहीं है, इसमें बस रचनात्मकता के जरिए भावनाओं को बाहर लाना होता है।

यह कैसे काम करती है?

आर्ट थेरेपी में रंग, आकार, और बनावट का उपयोग करके व्यक्ति अपनी भावनाओं को व्यक्त करता है। उदाहरण के लिए, किसी को गुस्सा हो तो वह लाल रंग का इस्तेमाल कर सकता है, जबकि शांति के लिए नीला रंग चुन सकता है। यह प्रक्रिया मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करती है, जो भावनाओं को प्रोसेस करते हैं। रचनात्मकता के दौरान डोपामाइन और सेरोटोनिन जैसे हार्मोन रिलीज होते हैं, जो मूड को बेहतर बनाते हैं। थेरेपिस्ट रचनाओं का विश्लेषण करके व्यक्ति के मन की स्थिति को समझते हैं और उपचार की दिशा तय करते हैं।

आर्ट थेरेपी के फायदे

आर्ट थेरेपी मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का एक प्रभावी तरीका है, जो रंगों और रचनात्मकता के जरिए तनाव और चिंता को कम करती है। अध्ययनों के अनुसार, यह थेरेपी कॉर्टिसोल (तनाव हार्मोन) के स्तर को कम करती है, जिससे मन शांत होता है और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। इसके अलावा, यह नींद की गुणवत्ता में सुधार करती है, जो की समग्र स्वास्थ्य के लिए जरूरी है।

आर्ट थेरेपी उन लोगों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है, जो अपनी भावनाओं को शब्दों में व्यक्त नहीं कर पाते। कला के माध्यम से वे अपनी भावनाओं को सुरक्षित रूप से व्यक्त कर सकते हैं, जिससे मानसिक बोझ हल्का होता है। यह थेरेपी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं, जैसे डिप्रेशन, पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर, और चिंता विकारों में प्रभावी है। यह आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान को बढ़ाती है, जिससे व्यक्ति जीवन में अधिक सकारात्मक महसूस करता है।

कैसे शुरू करें?

आर्ट थेरेपी के लिए किसी विशेष कौशल की जरूरत नहीं है। आप घर पर साधारण ड्राइंग या पेंटिंग से शुरुआत कर सकते हैं, इससे आपका मन हल्का लगेगा। हालांकि, गंभीर मानसिक समस्याओं के लिए प्रशिक्षित थेरेपिस्ट की मदद लें। शुरू करने के लिए आप ऑनलाइन सत्रों का भी लाभ ले सकते हैं।

अच्छी सेहत पाने के लिए क्या छोड़ देना चाहिए रात का खाना?

अब तक हम सभी ये बात अच्छी तरह से समझ चुके हैं कि सेहत को ठीक रखना है तो आहार पर विशेष ध्यान देना आवश्यक हो जाता है। हम क्या खाते हैं, कब खाते हैं इन सभी का सेहत पर सीधा असर होता है।

अध्ययनों से पता चलता है कि अगर आप दिन में तीन बार भोजन करते हैं- नाश्ता, लंच और डिनर तो इसमें सुबह का नाश्ता सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इसमें भरपेट पौष्टिक चीजों का सेवन करना चाहिए, इसके बाद लंच थोड़ा हल्का और रात का भोजन सबसे हल्का रखना अच्छा माना जाता है।

अच्छी फिटनेस पाने, वजन कम करने और शरीर को स्वस्थ रखने के लिए इन दिनों स्किप डिनर काफी ट्रेंडिंग है। इसका मतलब है कि आप रात का खाना छोड़ दीजिए। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए क्या वास्तव में हमें डिनर छोड़ देना चाहिए? आइए इस बारे में समझते हैं।

इंटरमिटेंट फास्टिंग और डिनर स्किप

हम अक्सर यह सुनते हैं कि ÷रात का खाना हल्का खाना चाहिए या जल्दी डिनर करना फायदेमंद होता है। लेकिन आजकल कुछ लोग एक कदम और आगे बढ़कर डिनर ही स्किप (छोड़) कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है क्या डिनर स्किप करना वाकई फायदेमंद है? या यह शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है? इस संबंध में किए गए अध्ययनों पर नजर डालें तो पता चलता है कि इंटरमिटेंट फास्टिंग से डिनर स्किप करने का चलन लोकप्रिय हुआ। इसमें लोगों को 16¬8 फास्टिंग करने की सलाह दी जाती है, जिसमें व्यक्ति 16 घंटे उपवास करता है और सिर्फ 8 घंटे में भोजन करता है, जो अक्सर ब्रेकफास्ट और लंच तक सीमित होता है।

क्या कहते हैं अध्ययन?

सेल मेटाबॉलिज्म जर्नल में इसी से संबंधित एक अध्ययन से पता चलता है कि डिनर स्किप करने या भोजन का समय सीमित करने से कैलोरी इनटेक कम होता है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है। वहीं यूनिवर्सिटी ऑफ एलाबामा में किए गए अध्ययन से पता चलता है कि अगर दिन का अंतिम भोजन शाम 7 बजे से पहले कर लिया जाए तो ब्लड शुगर लेवल बेहतर कंट्रोल में रहता है।

डिनर छोड़ देना ठीक है या नहीं?

विशेषज्ञ कहते हैं, डिनर स्किप करने या रात में जल्दी खाने के कुछ लाभ तो जरूर हैं पर सभी लोगों के लिए पूरी तरह से डिनर स्किप करना ठीक नहीं है। शरीर को काम करने के लिए जरूरी ऊर्जा के लिए भोजन की आवश्यकता होती है। शरीर रात के समय में कोशिकाओं की मरम्मत और पुनर्निर्माण करता है। अगर आपने दिन में पर्याप्त पोषण नहीं लिया तो न सिर्फ ये प्रक्रिया बाधित हो सकती है बल्कि आपको थकावट-कमजोरी भी महसूस हो सकती है। इसके अलावा अगर आप शरीर को पर्याप्त प्रोटीन नहीं देते तो इससे मांसपेशियों की समस्याएं बढ़ सकती हैं। प्रोटीन की ही मदद से शरीर रात के समय कोशिकाओं की सही तरीके से मरम्मत करता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

डॉक्टर कहते हैं, अगर आपको पहले से कोई बीमारी है तो बिना अपने चिकित्सक की सलाह के भोजन बिल्कुल न छोड़ें। विशेषकर डायबिटीज वाले मरीजों के लिए ये खतरनाक हो सकता है। रात का खाना छोड़ देने ले कुछ मरीजों को लो ब्लड शुगर की समस्या हो सकती है। इसके अलावा लगातार डिनर स्किप करने के कारण महिलाओं में हार्मोनल असंतुलन का खतरा बढ़ जाता है।

हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिकल हेल्थ के विशेषज्ञों के अनुसार, डिनर स्किप करना हर किसी के लिए उपयुक्त नहीं है।

-ज्योतिषाचार्य-पंडित आशीष शुक्ल

दैनिक पंचांग लखनऊ

शुक्रवार, 27 जून 2025

श्री शुभ सम्वत् 2082 शके1947 श्री सूर्य उत्तर अयने पृथ्वी उत्तर गोलगते ग्रीष्म ऋतौ आषाढ़ मासोत्तमे शुक्ल पक्षे, द्वितीया तिथौ शुक्र वासरे 11/10/ पुनर्वसु नक्षत्रे 07/22/ व्याघात योग 21/10/ कौलव करणे 11/20/ कर्क राशिगत चन्द्रमा घं.मि.पर।

व्रत एवं त्यौहार- रथयात्रा दर्शन प्रदक्षिण। श्री बलराम जगदीश रथोत्सव। मनोरथ द्वितीया हिजरी मोहर्रम 01 माह शुरू। हिजरी 1447 शुरू।

मेष : नवीन अनुबंधों की प्राप्ति होगी। वाद विवाद से कष्ट होगा। आकस्मिक व्यय एंव कार्य से खिन्नता रहेगी।

वृष : वाहन प्रयोग में सावधानी बरतें। स्वस्थ सामान्य रहेगा। परिजनों से संतुष्ट रहेंगे।

मिथुन : कार्य व्यापार में उत्तरोत्तर वृद्धि होगी। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। घरेलू सुख साधनों में वृद्धि होगी।

कर्क : पराक्रम में वृद्धि होगी। शत्रु परास्त होंगे। मान सम्मान में वृद्धि होगी। मानसिक सुख शांति रहेगी।

सिंह : माता- पिता का सामीप्य मिलेगा। पठन-पाठन में रूचि रहेंगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या : लाभ मार्ग प्रशस्त होगा। अधूरे पड़े कार्य पूरे होंगे। नौकरी के लिए किए गए प्रयास सफल होंगें।

तुला : नवीन लाभकारी योजनाएं बनेंगी। कार्य व्यापार में उत्तरोत्तर वृद्धि होगी। उपहार तथा द्रव्य लाभ होगा।

वृश्चिक : पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कामी पर सेन रखे। यात्रा में सावधानी आवश्यक है। धन, सम्मान, यश की प्राप्ति होगी।

धनु : भगवती सरस्वती जी की उपासना आपके लिए लाभकारी होगी। समय के महत्व को समझें। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

मकर : धन प्रतिष्ठा की दिशा में लाभ मिलेगा। पारिवारिक जीवन होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी।

कुंभ : अल्प आय व खर्च की अधिकता के कारा आय व्यय में असंतुलन पैदा होगा। धैर्य बनाये रखें। हनुमान जी की पूजा फलदायी है।

मीन : सृजनात्तक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। निजी संबंधो में प्रगाढ़ता आएगी। नवीन अनुबंधो से धन लाभ होगा।

नगर पालिका पर अवैध रूप से बाउंड्री वाल बनाये जाने का लगाया आरोप

कोंच(जालौन)। मुहल्ला गांधी नगर निवासिनी कमला देवी व हरी प्रकाश ने दिन गुरुवार को उपजिलाधिकारी ज्योति सिंह को एक शिकायती पत्र सोंपते हुए बताया कि कोंच बदनपुरा मौजे में बाद संख्या 25/09-10 अंतर्गत धारा 41 एल आए एक्ट कमला बनाम पूरन सिंह आदि तारीख फैसला 21 अगस्त 2010 के अनुसार पैमाइश होकर पत्थर गड्डी होकर कब्जा व दखल दिया गया था लेकिन बर्तमान में नगर पालिका परिषद द्वारा हमारे रकवे को दबाकर अवैध रूप से बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया जा रहा है जो मुहल्ला गांधी नगर में मई माई के पास निर्माणाधीन है कमला देवी व हरी प्रकाश ने एस डी एम से पालिका परिषद द्वारा कराए जा रहे निर्माण को रोककर बनायी गयी बाउंड्रीवाल को हटाए जाने की मांग की है।

गौशालाओं में गंदगी व लापरवाही नहीं होंगी बर्दाश्त-गजेंद्र प्रताप सिंह

उरई : सचिवों की बैठक लेते खण्ड विकास अधिकारी ।

= नये खण्ड विकास अधिकारी दिये निर्देश, सचिव विकास कार्यों में लायें तेजी

रामपुरा,(जालौन)। आज खण्ड विकास अधिकारी ने रामपुरा सभागार में सचिवों व तकनिकी सहायको के साथ बैठक कर निर्देशित किया की जीरो पॉवर्टी के लोगो को सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री आवास, बिकलांग आवास, शौचालय, आदि कोई भी पात्र व्यक्ति सर्वे से बंचित न रहे, मौसम को देखते हुए खण्ड विकास अधिकारी ने सचिवों को निर्देशित किया कि गौशालाओ के कार्यों में लापरवाही नहीं कि जाय। गौशालाओ में साफसफाई पर विशेष ध्यान दिया जाय, गायों को हरा चारा, भूसा दाना समय से दिया जाय व गौशालाओ में भूसा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया हो जो गौशाला बाढ़ वाले क्षेत्र में है उनको दूसरी जगह पर स्थाई किया जाय जिन गौशालाओ के कैमरे खराब है उनको जल्द से जल्द सही करबाए जाय तथा सोलर पेनल बाले कमरे लगबाये जाय जिससे 24 घंटे ऑनलाइन रिपोर्ट ली जा सके। खण्ड विकास अधिकारी ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार है ,जब तक पृथ्वी पर वृक्ष हैं तभी तक मानव जीवन है इनसे मिलने वाली शुद्ध वायु , ग्रीष्मकल की भीषण तपन में शीतल छाया एवं नदियों के तटों की कटान रोकने का वृक्ष प्राकृतिक उपाय हैं ।

इसलिए विकास खण्ड रामपुरा के समस्त ग्रामो में अधिक से अधिक वृक्ष लगाय जाने के को लेकर सचिवों को निर्देशित किया गया है।तथा खण्ड विकास अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि वृहद वृक्षो के लिए 8 ग्राम पंचायतो को चुना गया है जिसमे 8 ग्राम पंचायतें विलवा, नरौल, हुसेपुरा सुरई, लीडउपुरा, हिम्मतपुर, हंमन्तपुरा, नावर, मजीट है। तथा जिन ग्राम पंचायतो में जो सघन पौधे लगाय जायगे इन पौधों कि सुरक्षा के लिए विकास खण्ड द्वारा कुछ विशेष रख रखाओ हेतु पुकता इंतजाम किये जायगे। खण्ड विकास अधिकारी ने सचिवों को जनता द्वारा आयी शिकायतों का भी गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण करने के आदेश दिए, जिससे किसी भी व्यक्ति का अहित न हो सके जो पात्र व्यक्ति है उसे सही तरीके से लाभ मिल सके।

इस आवश्यक बैठक में खण्ड विकास अधिकारी गजेंद्र प्रताप सिंह, ।कव् समाजकल्याण मनोज कुमार गौतम, ।चव असित निरंजन, राघवेंद्र सिंह वरिष्ठ ग्राम विकास अधिकारी राममोहन, मुकेश सविता,रोहित वर्मा, उदयनारायण दोहरे, रत्नेश कुमार, आलोक सेंगर, अनुभव पाठक, संजीव जोशी, वरिष्ठ तकनिकी सहायक जलील बक्श सिद्धिकी, शरद त्रिपाठी, संजय त्रिपाठी, सहित आदि रोजगार सेवक मौजूद रहे।

एनडीआरएफव एसडीआरएफटीमों ने रेस्क्यू और राहत कार्यों का किया सफल अभ्यास'

उरई : एडीएम संजय कुमार के नेतृत्व में अभ्यास करती एनडीआरएफव एसडीआरएफकी टीमें ।

– कालपी में बाढ़ आपदा पर राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज सम्पन्न'

उरई(जालौन)। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार जनपद जालौन की तहसील कालपी स्थित बिहारी जी घाट पर बाढ़ आपदा से निपटने के लिए अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार के नेतृत्व में राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज का आयोजन किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य बाढ़ की आपात स्थिति में विभिन्न विभागों की तैयारियों और समन्वय क्षमता का परीक्षण करना रहा।

मॉक ड्रिल की परिकल्पना बाढ़ के कारण मुख्य मार्ग अवरुद्ध होने, राहत शिविर की स्थापना, नाव पलटने तथा डूबने की घटनाओं के संदर्भ में की गई थी। ड्रिल के दौरान इंसीडेंट कमांड पोस्ट, स्टेजिंग एरिया और राहत शिविर संचालन जैसी गतिविधियों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। इस फिजिकल मॉक ड्रिल में चिकित्सा विभाग, लोक निर्माण विभाग, पुलिस विभाग, अग्निशमन एवं इमरजेंसी सेवा, विद्युत विभाग, राजस्व टीम, नेहरू युवा केंद्र, एनसीसी, प्रांतीय रक्षक दल, होमगार्ड, सफाई कर्मी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, एसएमजी महिला समूह, एडीओ पंचायत व खंड विकास अधिकारी सहित सभी संबंधित इकाइयों ने सक्रिय भागीदारी की। अभ्यास का संचालन उप जिलाधिकारी कालपी द्वारा इंसीडेंट कमांडर की भूमिका में किया गया, जबकि संपूर्ण कार्यक्रम अपर जिलाधिकारी (वि/रा) के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। ड्रिल में एनडीआरएफ व एसडीआरएफकी टीमों ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने, राहत सामग्री पहुंचाने एवं घायलों की निकासी जैसी वास्तविक परिस्थितियों का मॉक अभ्यास कर अपनी तैयारियों का प्रदर्शन किया। इस राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा लाइव पर्यवेक्षण किया गया। जिला प्रशासन ने इस अभ्यास को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इससे न केवल विभागीय समन्वय बढ़ेगा, बल्कि आपदा के समय त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी।

गोदभराई व अन्नप्राशन कार्यक्रम,सदर विधायक ने लाभार्थियों को दिया पोषाहार'

उरई : लाभार्थियों को पोषाहार बांटते सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ।

उरई(जालौन)। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के तत्वावधान में जनपद के आंगनबाड़ी केन्द्र शिवपुरी (वार्ड-25) पर 251वां गोदभराई कार्यक्रम भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने गर्भवती महिला आरती की गोदभराई कर उन्हें आशीर्वाद दिया, वहीं 7 माह की बच्ची नैन्सी को खीर खिलाकर अन्नप्राशन संस्कार भी सम्पन्न कराया।

विधायक जी ने उपस्थित लाभार्थियों को संबोधित करते हुए राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही महिला व बाल कल्याण योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी और जनमानस से इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। इसके अतिरिक्त आंगनबाड़ी केन्द्र पर उपस्थित 3 से 6 वर्ष तक के लगभग 40 बच्चों को फल वितरित किए गए तथा उन्हें पढ़ाई-लिखाई में निपुण बनकर जनपद व प्रदेश का नाम रोशन करने हेतु प्रेरित किया गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी इफ्तेखार अहमद ने जानकारी दी कि शासन की मंशानुसार आंगनबाड़ी केन्द्रों पर सभी लाभार्थियों को पारदर्शी व्यवस्था के अंतर्गत अनुपूरक पोषाहार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके लिए लाभार्थियों को आधार आधारित ई-केवाईसी तथा फेस कैप्चरिंग करवाना अनिवार्य है। पोषण ट्रैकर एप्लिकेशन के माध्यम से फेस कैप्चरिंग उपरांत ही पोषाहार का वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर बाल विकास परियोजना अधिकारी विमलेश आर्या, आंगनबाड़ी कार्यकत्री रानी देवी, गर्भवती महिलाएं, बच्चे एवं उनके परिजन उपस्थित रहे।

घर में घुसकर कीमती जेवरात व नगदी चोरी

उरई : घर में बिखरा पड़ा सामान ।

रामपुरा(जालौन)। जनपद के रामपुरा थाना अंतर्गत ग्राम सिलउवा जागीर में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए नगदी और कीमती जेवरात चुरा लिए।

जनपद जालौन के रामपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सिलउवा जागीर में बीती रात अज्ञात चोरों ने मंगल सिंह यादव पुत्र रणधीर सिंह के घर में घुसकर नगदी और कीमती जेवरात चुरा लिए। घटना के बाद क्षेत्र में विस्मय व दहशत का माहौल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का मुआयना कर जांच शुरू कर दी है।बताया जाता है कि घटना के समय मंगल सिंह यादव व परिवार के सभी सदस्य रात में सो रहे थे तभी अज्ञात चोर घर में घुसे और कमरों की तलाशी लेते हुए नकदी और जेवरात समेट ले गए। सुबह करीब 4 बजे परिजनों की नींद खुली, तो घर के सामान को बिखरा हुआ पाया।पीड़ित परिवार के अनुसार, चोर घर से करीब 15 हजार नगद और कई कीमती जेवरात लेकर फरार हो गए। चोरी गए सामान में मंगल सिंह की मां शिवकली देवी की एक जोड़ी बिछिया, तीन जोड़ी तोड़िया, सोने के झुमके, तीन चांदी के सिक्के और 4 हजार नकद शामिल हैं।वहीं मंगल सिंह की पत्नी गायत्री देवी के जेवरात और नकदी भी चोरी हुई है, जिनमें 11 हजार नकद, तीन जोड़ी बिछिया, दो जोड़ी पायल शामिल हैं। इसके अलावा चोर घर से राशन के बोरे भी उठा ले गए।

घटना की सूचना डायल 112 पर दी गई, जिसके बाद रामपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मामले की तहरीर सुनील यादव द्वारा पुलिस को दी गई है।

पुलिस का कहना है कि चोरों ने सुनियोजित तरीके से घर को निशाना बनाया और परिवार के सभी सदस्य जब गहरी नींद में थे, उसी दौरान चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज व आसपास के लोगों से पूछताछ कर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है।

पुलिस ने अवैध रुप से जा रही देशी शराब के क्वार्टर पकड़े

जालौन। अवैध रुप से देशी शराब के क्वार्टर ले जा रहे एक युवक को पुलिस ने पकड़ा।उसके पास से लगभग 45 देशी क्वाटर थे,जिसको पुलिस ने मात्र 21शराब के क्वार्टर बरामद दिखाये।पकड़े गये आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर की कार्यवाही।

स्थानीय पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि छिरिया सलेमपुर से दमा रोड पर एक व्यक्ति थैले में कुछ ले कर जा रहा है सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे रोक कर तलाशी ली तो उसके पास से लगभग 21देशी शराब के क्वार्टर बरामद दिखाये, नाम न छापने की शर्त पर कुछ लोगों की मानें तो उक्त युवक द्वारा एक पेटी शराब ले जाई जा रही थी।एक पेटी में लगभग 45क्वाटर आते हैं। पुलिस द्वारा नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम दमा निवासी जगदीश बताया पुलिस ने पकड़े गये आरोपी के खिलाफमामला दर्ज कर कार्रवाई की।

नवागन्तुक प्रभारी निरीक्षक बिकेश बाबू ने संभाला कार्यभार

कोंच(कैलिया)। थाना कैलिया के प्रभारी निरीक्षक के पद पर पुलिस अधीक्षक डॉ दुर्गेश कुमार ने पुलिस लाइन से बिकेश बाबू को तैनात किया है आदेश के अनुपालन में नवागन्तुक प्रभारी निरीक्षक बिकेश बाबू ने अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है उन्होंने प्रेस से एक संक्षिप्त मुलाकात में बताया कि वह 2012 बैंच के अधिकारी और वह जनपद प्रयागराज के मूल निवासी है इसके पूर्व डी आई जी झांसी में पी आर ओ समथर थाना के इंचार्ज रहकर अपनी सेवाएं दे चुके हैं और अब जनपद जालौन में आकर थाना कैलिया का प्रभार दिया गया है उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं के वारे में बताते हुए कहा कि मेरे रहते हुए क्षेत्र में जुआ सट्टा अवैध सहाब बिक्री अराजकता आदि गैर कानूनी कार्य नहीं होने दूंगा और सिर्फविधि सम्मति ही कार्य संचालित होंगे क्योंकि उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश राज्य की सीमा से लगा हुआ क्षेत्र है जिस पर कड़ाई से नजर रखी जायेगी और अगर कोई भी व्यक्ति गुंडा गर्दी या अपराध कारित करता है तो उसे सलाखों के पीछे भेजा जाएगा और जो भी पीड़ित है उसे न्याय दिलाना मेरा प्रथम कर्तव्य है।

जेल में बैरकों का भ्रमण कर निरूद्ध बन्दियों से पूछ-तांछ की अपर जिला जज ने

उरई : विधिक शिविर में जानकारी देती अपर जिला जज श्रीमती पारुल पंवार ।

उरई(जालौन)। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार सचिव/अपर जिला जज, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती पारुल पंवार ने आज जिला कारागार उरई में साप्ताहिक भ्रमण किया। उन्होने विभिन्न बैरकों का भ्रमण किया और वहां निरूद्ध बन्दियों से पूछ-तांछ करते हुये उनकी समस्यों को जाना समझा तथा जेल प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस मौके पर जेल प्रशासन के अधिकारीगण मौजूद रहे।

निरीक्षण में सचिव/अपर जिला जज, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती पारुल पंवार ने बन्दियों के मुकदमों की पैरवी, उनको दी जाने वाली विधिक सहायता/सलाह और महिला बन्दी व उनके साथ रह रहे बच्चों की चिकित्सा व खान-पान इत्यादि के बारे में जाना-परखा। उन्होंने कई बन्दियों से अलग-अलग जानकारी ली एवं जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि कोई भी ऐसा बन्दी जिसका निजी अधिवक्ता न हो अथवा विधिवत् ढंग से न्यायालयों में पैरवी न हो पा रही हो, को विधिक सहायता दिलाये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। यदि किसी विचाराधीन बन्दी को पैरवी हेतु सरकारी खर्चे पर अधिवक्ता की आवश्यकता हो तो सम्बन्धित न्यायालय में बन्दी की ओर से प्रार्थनापत्र दिलवाया जाना सुनिश्चित करें ताकि एमाइकस क्यूरी (न्यायमित्र) की सुविधा उपलब्ध हो सके।

इसीप्रकार जो बन्दी दोषसिद्ध हो चुके हैं, की अपील न हो पाने की स्थिति में नियमानुसार जेल अपील करायी जाये। इसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से आवश्यक समन्वय बनाकर ऐसे प्रकरणों का निर्धारित समयावधि में निस्तारण किया जाये ताकि अपील की मियाद समाप्त न होने पाये। जेल अपील कराये जाने में यदि कोई विधिक समस्या आ रही है तो उसको जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संज्ञान में लाते हुये द्वारा उचित माध्यम माननीय उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति से यथा आवश्यक पत्राचार किया जाये।

इस अवसर पर प्रभारी जेल अधीक्षक/कारापाल प्रदीप कुमार, डॉ0 राहुल बर्मन, उप कारापाल अमर सिंह एवं अरविन्द सिन्हा एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जालौन के कनिष्ठ लिपिक शुभम् शुक्ला भी उपस्थित रहे।

मुख्य वन संरक्षक ने किया बीज बुवाई कार्यों का निरीक्षण

उरई : लोहई वन ब्लॉक में वृक्षारोपण की तैयारियों का लिया जायजा ।

जालौन। 25 जून 2025 को मुख्य वन संरक्षक झाँसी डॉण् एचण्वीण् गिरीश ने प्रभागीय वनाधिकारी जालौन प्रदीप कुमार व उप प्रभागीय वनाधिकारी कोंच साजिद अली के साथ जालौन रेंज के अंतर्गत लोहई वन ब्लॉक ;प्रथमए द्वितीय एवं तृतीयद्ध का दौरा कर वृक्षारोपण 2025 के अंतर्गत बीज बुवाई एवं अंकुरण ;जर्मिनेशनद्ध कार्यों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय वनाधिकारी जालौन रेंज हरिकिशोर शुक्ला भी मौजूद रहेए जिन्होंने लोहई ब्लॉक में किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी मुख्य वन संरक्षक को दी। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में बीज बुवाई का कार्य समय से पूर्ण कर लिया गया है और अंकुरण की प्रक्रिया भी संतोषजनक है।

मुख्य वन संरक्षक ने निर्देश दिए कि वृक्षारोपण अभियान को पूर्ण पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ सम्पन्न किया जाए। साथ हीए पौधों की सुरक्षा एवं उनके रख.रखाव पर विशेष ध्यान दिया जाएए ताकि हरित क्षेत्र में ठोस वृद्धि हो सके। निरीक्षण के दौरान वन रक्षक अजीत कुमारए वन रक्षक पुनीत कुमारएजितेन्द्र कुमार वन रक्षकए वन दरोगा महेश प्रसाद मौजूद रहे।

पीपरी गहरवार गौशाला में गाय के अधजने बच्चे को कुत्तों ने नोंच पेट का निवाला बनाया

-सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद जिम्मेदारों में मचा हड़कंप

-घटना के दौरान गौशाला में मौजूद नहीं था कोई केयरटेकर

-जिला प्रशासन की हाईटेक निगरानी व्यवस्था को जिम्मेदार बना रहे मजाक

उरई : पीपरी गहरवार गौशाला में गाय के अधजने बच्चे को कुत्ते नोंचते।

उरई(जालौन)। एक ओर जहां गौशालाओं का व्यवस्थित तरीके से संचालन कराने के लिये अच्छा खासा बजट खर्च कर बेहतर तरीके से गौशालाओं में गौवंशों का संरक्षण हो सके लेकिन शासन, प्रशासन की चुस्त दुरुस्त व्यवस्थाओं को जिम्मेदार किस तरह से नजरंदाज कर मनमानी दिखाने से नहीं चूक रहे है इसका नजारा पीपरी गहरवार गौशाला में उस दौरान देखने को मिला जहां एक गाय बच्चे को जन्म दे रही है तभी गौशाला में दो कुत्तों ने गाय के अधजने बच्चे को अपने पेट का निवाला बनाने में जुट गये हैं। हालांकि उक्त घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद जिम्मेदार अधिकारियों में हड़कंप मच गया था। ताज्जुब की बात तो यह है कि यह स्थिति तब है जब जिला मुख्यालय में गौशालाओं की चौबीस घंटे निगरानी करने के लिये हाईटेक कंट्रोल रूम स्थापित है जहां से चौबीस घंटे जिले की अधिकांश गौशालाओं की सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जाती है। फिर भी पीपरी गहरवार गौशाला संचालन के नाम पर हद दर्जे की लापरवाही व्यवस्थाओं को कटघरे में खड़ी कर देती है।

बताया जाता है कि मंगलवार 24 जून को विकासखंड कुठौंद की ग्राम पंचायत पीपरी गहरवार में गौशाला संचालित होती है जिसके लिये शासन द्वारा गौशाला का बेहतर तरीके से संचालन हो इसके लिये केयर टेकरों को रखा गया है। साथ ही ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव के साथ ही बीडीओ की भी जिम्मेदारी निर्धारित रहती है कि वह अपने क्षेत्र की गौशालाओं का व्यवस्थित तरीके से संचालन सुनिश्चित करायें। इतना ही नहीं जनपद की अधिकांश गौशालाओं की निगरानी के लिये जिला मुख्यालय पर गौशालाओं की गतिविधियों पर निगरानी करने के लिये हाईटेक कंट्रोल रूम में बना हुआ है जहां से बैठकर जनपद की अधिकांश गौशालाओं को सीसीटीवी कैमरों से जोड़ा गया है। यहीं से बैठकर जिस गौशाला में कोई कमी नजर आती है तो वहां के केयरटेकर से बातचीत कर उसे दुरुस्त करने के निर्देश भी दिये जाते हैं। लेकिन पीपरी गहरवार की गौशाला में एक गाय जब बच्चे को जन्म दे रही थी उसी दौरान गौशाला में दो कुत्ते गाय के अधजने बच्चे को नोंचते दिखे तो ग्रामीणों ने उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जैसे ही सोशल मीडिया पर पीपरी गहरवार की गौशाला का वीडियो वायरल हुआ तो जिम्मेदारों में हड़कंप मचना शुरू हो गया। हैरानी की बात तो यह है कि जिस दौरान गौशाला में गाय के अधजने बच्चे को कुत्ते अपने पेट का निवाला बना रहे थे उस दौरान गौशाला में एक भी केयरटेकर मौजूद नहीं थी। जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि पीपरी गहरवार की गौशाला संचालन करने के नाम पर महज खानापूर्ति की जा रही है।

इनसेट----

ग्रामीणों ने घटना को लेकर कुठौंद थानाध्यक्ष को दी लिखित तहरीर

उरई। कुठौंद विकासखंड की ग्राम पंचायत पीपरी गहरवार में 24 जून की शाम पांच बचे गौशाला में एक गाय बच्चे को जन्म दे रही थी उसी समय गौशाला में कुछ कुत्तों ने गाय के प्रसव दौरान ही अधजने बच्चे को खा लिया। इसके जिम्मेदार ग्राम प्रधान, सचिव की लापरवाही से गाय के अधजने बच्चे को कुत्तों ने अपने पेट का निवाला बनाने की घटना का लेकर जिम्मेदारों पर मुकदमा पंजीकृत करने के लिये गांव के सनुरुद्ध सिंह, भूरेलाल, लाखन सिंह, दीपक सिंह आदि ने कुठौंद थाने में लिखित तहरीर दी जिसमें उन्होंने घटना से संबंधित वीडियो भी पुलिस को सौंपा है ताकि गौशाला संचालन में लापरवाही बतरने वालों पर कार्यवाही सुनिश्चित करायी जा सके। लेकिन घटना के 48 घंटे बाद भी थाना पुलिस ने इस मामले में कोई कार्यवाही अमल में नहीं लायी है।

वृक्षारोपण की तैयारी हेतु समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

ललितपुर। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में वृक्षारोपण की तैयारी की समीक्षा हेतु बैठक का आयोजन किया गया। प्रभागीय निदेशक डॉ शिरीन द्वारा बैठक का शुभारम्भ किया गया। बैठक की शुरुआत करते हुए प्रभागीय निदेशक द्वारा अवगत कराया गया कि अभी तक कुछ विभागों द्वारा इंडेंट जारी नही कराये गए है, जिस पर जिलाधिकारी द्वारा सम्बंधित विभागों से चर्चा करते हुए इंडेंट शीघ्र जारी कराने एवं वृक्षारोपण तक प्रत्येक दिन समीक्षा हेतु भी दिशा निर्देश दिए गए। अध्यक्ष द्वारा पौधरोपण के उपरान्त पौधों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने हेतु समस्त विभागों को निर्देशित किया गया। बैठक में प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को एक-एक सहजन का पौधा रोपित करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में प्रभागीय निदेशक द्वारा बताया गया कि शासन के निर्देशानुसार वन महोत्सव जुलाई 1-7 के दौरान जन्म लिए बच्चों को ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट प्रदान किये जाने के निर्देश प्राप्त हुए है, जिस पर अध्यक्ष द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी को आवश्यकः कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. इम्तियाज अहमद, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी डी. एस. दयाल आदि उपस्थित रहे।

आगामी त्यौहारों पर कानून एवं शान्ति व्यवस्था हेतु जिला प्रशासन एलर्ट

ललितपुर। आगामी माह में पड़ने वाले त्यौहारों-मोहर्रम पर्व, श्रावण मास, रक्षाबंधन एवं भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा के दौरान जनपद में कानून एवं शान्ति व्यवस्था कायम रखने के लिए जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों, धर्मगुरुओं तथा सभ्रान्त नागरिकों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये, उन्होंने कहा कि त्यौहारों के दौरान सभी धार्मिक स्थलों के आसपास प्रतिदिन अभियान के रूप में सफाई कराई जाए व निर्बाध विद्युत आपूर्ति व जलापूर्ति सुनिश्चित कराई जाए और पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहे, वहीं जुलूस आदि के संबंध में पूर्व से मार्ग निर्धारित करते हुए उस पर सफाई, सी.सी.टी.वी. कैमरे, सड़कों की मरम्मत व पुलिस बल की व्यवस्था की जाए और मार्ग में जर्जर तारों की मरम्मत के साथ ही अवैध अतिक्रमण को हटवाया जाए, इसके अतिरिक्त यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखें व मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वालों के विरुद्ध छापामार अभियान चलाया जाये व आवारा पशुओं का विचरण रोकें और अधिक संख्या में भीड़ एकत्रित न होने दें व व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए मजिस्ट्रेट भी नामित किए गए है, जिनकी देखरेख में त्यौहारों व जुलूस का आयोजन किया जाएगा। बैठक में बाल विवाह जैसे सामाजिक अपराध पर भी गम्भीर चिन्ता व्यक्त की गई। इस अवसर पर उपस्थित सभी धर्मों के धर्मगुरुओं, समाजसेवियों एवं संभ्रात नागरिकों से अपील की गई कि वह अपने-अपने समुदाय में बाल विवाह के विरुद्ध जागरुकता फैलाएं और इस कुप्रभा को रोकने में प्रशासन का सहयोग करें। जिलाधिकारी ने कहा कि बाल विवाह न केवल एक सामाजिक अपराध है, बल्कि हमारे बच्चों के भविष्य के साथ अन्याय भी है, सभी धर्मगुरु और समाज के प्रबुद्धजन इस पुनीत अभिमान में सहभागी बनें, उन्होंने कहा कि अब समम है, हम सब मिलकर बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई के विरुद्ध एकजुट हो और अपने ललितपुर को सुरक्षित, शिक्षित और सशक्त बनाएं, वहीं पुलिश अधीक्षक मोहम्मद मुश्ताक ने चेतावनी देते हुए कहा कि जो कोई भी बाल विवाह कराएगा, करवाएगा या उसका समर्थन करेगा, उसके विरुद्ध आई.पी.सी. की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर उसे जेल भेजा जाएगा। बैठक में भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा के आयोजन पर चर्चा की गई, जिसमें बताया गया कि आज भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने हेतु अपर जिला मजिस्ट्रेट ज्ञानेन्द्र विक्रम एवं नायव तहसीलदार घनेन्द्र तिवारी को मजिस्ट्रेट नामित किया गया है, जुलूस सायं 4 बजे से घन्टाघर, सदर कॉटा, पानी की बड़ी टंकी, तलैयापुरा, महावीरपुरा, चौवयाना, नदीपुरा, आजाद चौक से वापिस श्री जगदीश मन्दिर तक आयोजित होगा, इसके साथ ही जुलूस में पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा व शोभायात्रा के मार्ग पर पाये जाने वाले गड्ढों की तत्काल मरम्मत एवं प्रकाश की समुचित व्यवस्था अनवरत रूप से सुनिश्चित की जाएगी।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अंकुर श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका दिनेश विश्वकर्मा, जिला सूचना अधिकारी डी.एस. दयाल सहित परिवहन, विद्युत, आबकारी, जल निगम, जल संस्थान सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारी, प्रमुख धर्मगुरु एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नदी में डूबे व्यक्ति की बचाई जान

बांदा। बाढ़ की पूर्व तैयारियों के चलते अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी उत्तर प्रदेश, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लखनऊ के आदेशों के अनुपालन में जनपद के पैलानी तहसील के पैलानी डेरा मजरे में केन घाट पर बाढ़ माकड्रिल का सफ्ल अभ्यास सम्पन्न हुआ।

गुरुवार को माकड्रिल अभ्यास, केन नदी में जल स्तर में बृद्धि के कारण नाव पलटने, एवं उसमें दो ब्यक्तियों के डूबने की सूचना जैसे ही कंट्रोल रूम में प्राप्त हुई तो जिले प्रशासन के समस्त विभाग हरकत में आ गया, उनको बचाने हेतु अग्नि शमन विभाग, होमगार्ड विभाग, पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, तहसील के समस्त आलाधिकारी मेगामॉक स्थल में पंहुचे, और ग्राम में मुनादी करवाई गई और पी ए सी विभाग एवं होमगार्ड विभाग के जवानों के मदद से डूबते युवकों को निकाल लिया, मौके पर मौजूद स्वास्थ्यकर्मियों एवं चिकत्सकों की मदद से डूबे युवकों को उल्टा लिटाकर पिए पानी को निकाल दिया। फिर तहसील परिसर में बने स्टेजिंग स्थल लाया गया जहां उसकी शेष चिकित्सा पूर्ण की गई, अग्नि शमन विभाग द्वारा बाढ़ के कारण प्रभावित तहसील परिसर की बिबिल्डिंग में आग लगने की सूचना पर अग्नि शमन बांदा की टीम द्वारा बिल्डिंग में फंसे ब्यक्ति निकालने तथा लगी आग को बुझाने के प्रदर्शन की कार्यवाही की गई। तथा

बांदा : मॉकड्रिल के दौरान मौजूद अधिकारी ।

स्लेजिंग एरिया में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों पर विभाग के प्रतिनिधि अधिकारी द्वारा जागरूक किया गया। स्टेजिंग एरिया में लगे स्टालों में पशुपालन विभाग द्वारा बाढ के दौरान पशुओं के रोग, पशु हानि से बचने की सावधानियां बतलाई, पुलिस विभाग द्वारा भीड़ संतुलन एवं अफ्वाहों पूर्ण खबरों की रोकथाम में मदद दिया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बाढ के दौरान आने वाली सावधानियों के प्रति जागरूक किया। आपदा मित्रों को द्वारा भी आज के बाढ़ अभ्यास पूर्ण सहयोग प्रदान किया। कृषि विभाग भी कृषकों को बाढ के दौरान कृषि फसलों की सावधानियों को बतलाया। शिक्षा विभाग भी अपने स्टाल पर उपस्थिति होकर बाढ के दौरान बच्चों को जागरूक किया। बाढ आपदा माकड्रिल में राजेश कुमार वर्मा अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज, मुख्य अग्निशामक अधिकारी मुकेश कुमार, जिला आपदा विशेषज्ञ प्रभाकर सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डा बिजेन्द्र सिंह, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी शिवकुमार वैश्य, अंकित कुमार वर्मा उपजिलाधिकारी, प्रहलाद सिंह तहसीलदार पैलानी, विकास कुमार पाण्डेय तहसीलदार बांदा, संतोष कुमार तहसीलदार अतर्रा, शतीश कुमार वर्मा तहसीलदार नरैनी, विजेंद्र सिंह नायब तहसीलदार बबेरू, अनिल कुमार अधिशाषी अधिकारी नरैनी, संजय कुमार जिला कृषि अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

- संभावित बाढ़ को लेकर मॉकड्रिल के तहत किया गया अभ्यास
- एडीएम, एएसपी की मौजूदगी में किया गया मॉकड्रिल

जिस विद्यालय में छात्र हैं वही स्कूल है जिस स्कूल में छात्र नहीं है वह स्कूल नहीं है

स्वतंत्र भारत संवाददाता नरैनी बांदा। सहायक जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि छात्र है तो स्कूल हैं इसी लिए शिक्षक है। बताया कि जहां पर छात्र नहीं वहा स्कूल कैसा। आगे स्कूलों को मर्ज करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। साथ ही कहा कि शिक्षक अपने सभी दायित्यों का निर्वहन करे और जुम्मेदारी से निभाये।इस दौरान विशेष संचारी रोग नियंत्रण और स्कूल चलो अभियान की बैठक कर खण्ड शिक्षाधिकारी ने शिक्षकों को निर्देश दिए।

ब्लाक सभागार में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश मिश्रा ने कहा कि स्कूल चलो अभियान का दुतीय चरण एक से 15 जुलाई तक चलेगा।इसमें रैली निकालनेए अविभावकों को प्रेरित करने आदि की अभी से तैयारिया कर ले।सभी स्कूलों में छात्र संख्या बढ़ानी है।एक जुलाई से नियमित एमडीएम का भोजन बनाने का निर्देश दिया बताया कि बीते अप्रैलए मई माह में एमडीएम में छात्रों की उपस्थिति संतोष जनक नही थी।बताया कि स्मार्ट क्लासेज चलाई जा रही हैं लेकिन कुछ शिक्षक अभी भी पुराने ढर्रे पर काम कर रहे हैं कई स्कूलों में रंगाईए पुताई फर्नीचर और स्वच्छता संतोष जनक नही है इन स्कूलों के शिक्षको को समय से व्यवस्था ठीक कर लेने की चेतावनी दी है।जुलाई में समय से पुस्तक वितरण करनेए छात्रों के आधार कार्ड अपलोड करने और वृक्षारोपण करने का निर्देश दिया है।बैठक में एआरपी अमित मिश्राए अरबिंद गुप्ताए संतोष साहूए कम्प्यूटर आपरेटर रामलखनए एमआईएस राजेन्द्रए कार्यालय सहायक मो रफीक शिक्षक नेता विनय प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे।

चोरी की वारदातों पर पुलिस ने लगाया अंकुश

बांदा : पुलिस हिरासत में पकड़ा गया चोर ।

- लगातार तीन चोरियों की वारदात को अंजाम देने वाले चोर को किया गिरफ्तार
- जनसेवा केन्द्र तथा इंटर कॉलेज में हुई थी चोरियां

बांदा। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु की जा रही कार्यवाही के क्रम में थाना तिन्दवारी पुलिस द्वारा राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज तिन्दवारी व जनसेवा केन्द्र में चोरी करने वाले वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। एडीशनल एसपी शिवराज ने बताया कि विगत 8 दिसंबर 2024 को कस्बा तिन्दवारी स्थित एक जनसेवा केन्द्र से चोरी की थी जिसके सम्बन्ध में जनसेवा केन्द्र संचालक सूरज कुशवाहा द्वारा 14 दिसंबर 2024 को नामजद अभियुक्त के विरुद्ध दी गई तहरीर पर अभियोग पंजीकृत किया गया था तथा अभियुक्त काफी समय से फरार चल रहा था जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे थे। इसी क्रम में राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज तिन्दवारी की प्रधानाचार्या द्वारा 24 जून को थाना तिन्दवारी पर सूचना दी कि 31 मार्च 2025 व 15 जून 2025 को अज्ञात चोरों द्वारा कॉलेज परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरा तोड़कर इलेक्ट्रानिक उपकरणों सहित खेलकूद के सामान चोरी कर ले गए है। इस सम्बन्ध में थाना तिन्दवारी पर अभियोग पंजीकृत करते हुए विद्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे आदि की मदद से अभियुक्त की पहचान करते हुए मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त को हनुमान नगर तिराहे से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में अभियुक्त द्वारा अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि उसने उसने दिसम्बर-2024 में कस्बा तिन्दवारी स्थित एक जनसेवा केन्द्र से तथा दिनांक 31 मार्च 2025 व 15 जून 2025 को राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज तिन्दवारी से चोरी किया था। कुछ चोरी के सामान मौके से तथा कुछ सामान अभियुक्त की निशादेही पर उसके घर से बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त ने अपना नाम विक्रम खंगार पुत्र ठाकुर प्रसाद निवासी हनुमान नगर कस्बा व थाना तिंदवारी बताया। गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने अभियुक्त को जेल भेज दिया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार सैनी, उपनिरीक्षक अजीत कुमार सिंह, मुख्य आरक्षी बृजेश सिंह, आरक्षी नरेन्द्र सिंह शामिल रहे।

खबर एक नज़र

नाटक के जरिए नशा न करने को लेकर किया गया जागरूक

बांदा : नाटक के जरिए लोगों को जागरूक करते एनसीसी कैडेट्स ।

- एनसीसी कैडेट्सों द्वारा किया गया नुक्कड़ नाटक का आयोजन

बांदा। नुक्कड़ नाटक के जरिए नशा मुक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां लोगों को नशा न किए जाने के लिए प्रेरित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव और नशीले पदार्थों से पनप रहे व्यापक कारोबार के कारण नशीले पदार्थों की विश्व स्तर में तस्करी के विरोध में 60 यूपी बटालियन एनसीसी फ्तेहपुर के कमांडिंग आफिसर कर्नल बृजेश पठानिया के निर्देशानुसार एनसीसी कैडेट्स ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया और रैली निकाली नुक्कड़ नाटक बाबूलाल चौराहे में प्रस्तुत किया गया। नुक्कड़ नाटक में भाग लेने वाले कैडेट सत्यम सोनी,गोविंद द्विवेदी, श्याम जी यादव, अरमान खान, श्रीराम, दीपेंद्र सिंह, ओम आदि कैडेट्स ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया और नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव को बताते हुए समाज के लोगों को जागरूक किया। आदर्श बजरंग इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य मेजर मिथिलेश कुमार पांडे ने सभी कैडेट्स को नशा विरोधी शपथ दिलाते हुए कहा कि नशा जीवन के लिए हानिकारक है इसको त्याग देना चाहिए। इस अवसर पर एनसीसी बटालियन फ्तेहपुर के वरिष्ठ सहायक रामबहोरी, पूर्व चीफ ऑफिसर मंगल प्रसाद, लेफ्टिनेंट राम प्रसाद, केयरटेकर कमलेश कुमार सहित 71 कैडेट्स उपस्थित रहे।

सात अभियुक्त दोषी हुए करार

बांदा। गुरुवार को अदालत ने अलग-अलग मुकदमों में सुनवाई करते हुए सात अभियुक्तों को दोषी करार दिया है। सजा सुनाने के साथ दोषियों को जुर्माने से दंडित किया है।

पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के निर्देशन में चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत कड़ी सजा दिलाये जाने के क्रम में पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में त्वरित एवं निष्पक्ष विवेचना, प्रभावी अभियोजन एवं पैरवी के फ्लस्वरुप 03 अलग-अलग मामलों में कुल 07 अभियुक्तों को कारावास व कुल 6500 रुपए जुर्माने से दण्डित कराया गया। जिसमें थाना बबेरु में पंजीकृत अभियोग 234/04 धारा 25 ए एक्ट के अभियुक्त राममिलन पुत्र चुनुवा निवासी गौरा थाना बबेरु को जेल में बिताई गई अवधि (4 माह 09 दिन) के कारावास व 500 रुपये के जुर्माने से दण्डित कराया गया। थाना बबेरु में पंजीकृत अभियोग 2106/2010 धारा 379 भादवि के 02 अभियुक्तों भूरा खां पुत्र जफर उल्ला व बाबू खां उर्फ अनीश खां पुत्र जहूर खां निवासीगण हरदौली थाना बबेरु को जेल में बिताई गई अवधि (07 दिन) के कारावास व कुल 2000 रुपये के जुर्माने से दण्डित कराया गया। थाना बबेरु में पंजीकृत अभियोग 181/17 धारा 323/504 भादवि के 04 अभियुक्तों नीरज कुमार, चुन्नू कुमार पुत्रगण चन्द्रशेखर, लाला कुमार पुत्र अर्जुन व मुकेश कुमार पुत्र मोतीलाल निवासीगण जमुनिहा पुरवा कस्बा व थाना बबेरु को कुल 4000 रुपये के जुर्माने से दण्डित कराया गया। एसपी पलाश बंसल ने बताया कि आगे भी दिलाए जाने की मुहिम जारी रहेगी।

स्वच्छता का संदेश देने के लिए अध्यक्ष ने खुद संभाली स्टेयरिंग

सुमेरपुर-हमीरपुर। लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से गुरुवार को नगर पंचायत अध्यक्ष ने कूड़ा गाड़ी की स्टेयरिंग खुद संभाली और कस्बे की गलियों में पहुंचकर घर-घर जाकर कूड़ा एकत्र कराकर गाड़ी में डलवाकर सभी से आग्रह किया कि वह कूड़ा खुले में मत फेकें। गाड़ी आने पर कूड़ा गाड़ी मे ही डालें। नगर पंचायत अध्यक्ष के इस कदम से लोग काफी प्रभावित नजर आए। वार्डों में जगह-जगह कूड़ा घरों के बाहर फेंकें जाने से आहत होकर गुरुवार को नगर पंचायत अध्यक्ष धीरेंद्र शिवहरे ने कूड़ा गाड़ी की स्टेयरिंग खुद संभाली और गाड़ी लेकर वार्डों में पहुंचकर घरों से कूड़ा एकत्र करके लोगों से आग्रह किया है कि वह कूड़ा आम रास्ते में नहीं बल्कि कूड़ा गाड़ी आने पर कूड़ा गाड़ी में ही डालें। अध्यक्ष के इस कदम का लोगों में सकारात्मक असर हुआ है और लोगों ने कूड़ा गाड़ी में ही डालने का निश्चय किया है। नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि उनका उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना था। इसीलिए वह खुद कूड़ा गाड़ी चलाकर वार्डों में गए थे।

सीमेंट फैक्ट्री के मामले में ट्रक मालिक सहित सात अज्ञात के खिलाफसुरक्षा अधिकारी ने दर्ज कराई रिपोर्ट

सुमेरपुर-हमीरपुर। गत 23 जून की रात अवैध असलहों के दम पर जेके सीमेंट से जबरिया ट्रक ले जाने के मामले में पुलिस ने ट्रक मालिक सहित सात अज्ञात के खिलाफ सीमेंट फैक्ट्री के सुरक्षा अधिकारी की तहरीर पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करके आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। इस खबर को प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया गया था। गत 22 जून को जेके सीमेंट फैक्ट्री में अग्रहरि ट्रांसपोर्ट का ट्रक जेके सीमेंट फैक्ट्री में सीमेंट लादने के लिए आया था।

नंबर फर्जी होने पर संदेह होने पर ट्रक की सुरक्षा कर्मियों ने सघन जांच की तो नंबर प्लेट आदि फर्जी पाया गया। इसके बाद फैक्ट्री के सुरक्षा कर्मियों ने ट्रक को कंपनी के यार्ड में खड़ा करा दिया। इसकी सूचना ट्रक चालक ने ट्रक मालिक को दी। ट्रक मालिक ने रात में ही ट्रक को छुडवाने के लिए फैक्ट्री कर्मियों को फोन पर धमकाया परंतु बात नहीं बनी। इस घटना के बाद बौखलाये ट्रक मालिक सुमित गुप्ता 7 अज्ञात साथियों के साथ 23 जून की रात 10 बजे फैक्ट्री आ धमका और अवैध असलहों के दम पर सुरक्षा कर्मियों को धमकाते हुए जबरिया ट्रक लेकर गेट तोड़ता हुआ चला गया। इसकी शिकायत फैक्ट्री के सुरक्षा अधिकारी सुरेंद्र कुमार सिंह ने 24 जून को पुलिस अधीक्षक डा. दीक्षा शर्मा से की थी। पुलिस अधीक्षक ने जांच के बाद मुकदमा दर्ज करने के आदेश थानाध्यक्ष को दिए थे। जाचोपंरात पुलिस ने 25 जून को देर रात ट्रक मालिक सुमित गुप्ता एवं उसके सात अज्ञात साथियों को नामजद करके बीएनएस की धारा 191(2), 191(3), 333, 351(4) के तहत मुकदमा दर्ज करके आरोपियों की तलाश शुरू की है। इस घटना में फैक्ट्री के सुरक्षाकर्मी बलबीर सिंह यादव, महेंद्र प्रताप सिंह की जान बाल-बाल बची थी।

सुमेरपुर कस्बे के फीडर की मशीन फुंकी आपूर्ति ठप

सुमेरपुर-हमीरपुर। विद्युत वितरण सबस्टेशन में कस्बे के फीडर की मशीन में तकनीकी खराबी आने से आपूर्ति ठप हो गई। 33/11 केवी विद्युत सब स्टेशन में कस्बे के फीडर की मशीन में खराबी आने से शाम करीब 3 बजे कस्बे की आपूर्ति ठप हो गई। इससे कस्बे के लोग उमस भरी गर्मी में परेशान रहे। अवर अभियंता कार्तिकेय त्रिपाठी ने बताया कि मरम्मत कार्य जारी है। जल्द ही आपूर्ति शुरू होगी।

एक्सीडेंट होने पर एक महिला की अस्पताल आते समय हुई मौत पति घायल

स्वतंत्र भारत संवाददाता अतर्रा बांदा। आज दिन गुरुवार को शाम 6रू00 बजे थाना फ्तेहगंज क्षेत्र के ग्राम सभा मानपुर डमरू वाला डढ़वा के रहने वाले बड़े पुत्र चिरिका उम्र 70 वर्ष अपनी बाइक में अपनी पत्नी संपत उम्र लगभग 60 वर्ष को पीछे बिठाकर अपने ग्राम सभा से अतर्रा की ओर आ रहे थे तभी बीच में तुर्रा पुल के पास बीच रोड में गाय से टकराने पर दोनों पति पत्नी रोड में गिर गए तथा पत्नी बेहोश हो गई पति बड़े के हाथ पैर गंभीर रूप से घायल हो गए तथा किसी तरह रास्ते में निकलने वाले लोगों की मदद से 112 नंबर एंबुलेंस से सरकारी अस्पताल नरैनी रोड अतर्रा लेकर के आए। प्रथम घायल पति का उपचार के बाद जिला अस्पताल बांदा के लिए रेफर कर दिया गया तथा मृतक महिला का पंचनामा करते हुए संबंधित थाना पुलिस पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज बांदा भेज दिया गया।

समाज सहित नई पीढ़ी को दिशा देती है श्रीराम कथा- सौम्या

चित्रकूट ब्यूरो: धर्मनगरी स्थित श्रीधर धाम में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्रीराम कथा के तीसरे दिन गुरुवार को कथा वाचिका सौम्या भारती ने श्रोताओं को श्रीराम कथा का रसपान कराया।

कथा के तीसरे दिन कथा वाचिका सौम्या भारती ने श्रोताओं को श्रीराम जन्म से लेकर बाललीला तक की कथा। कथा सुनकर पंडाल में मौजूद सभी लोग राममय हो गए। कहा कि श्रीराम कथा का आयोजन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना का भी केंद्र है। श्रीराम कथा समाज को जोड़ते हुए नई पीढ़ी को दिशा देती है जिससे ऐसे आयोजनों की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। कथा में आकर्षक झांकियां, राम दरबार की सजावट, रंगोली आकर्षण का केन्द्र रहे। साथ ही स्थानीय स्कूलों के बच्चों ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से रामायण प्रसंगों को जीवंत कर दिखाया। संस्थान संचालक ने बताया कि कथा का आयोजन प्रतिदिन शाम पांच से रात 8:30 बजे तक किया जा रहा है। साथ ही श्रीराम कथा को डिजिटल प्लेटफार्मों पर भी प्रसारित किया जा रहा है, जिससे देश-विदेश के श्रद्धालु भी जुड़ सकें। बताया कि कथा के अंतिम दिन विशाल भंडारे और हवन यज्ञ का आयोजन किया जाएगा।

मॉक ड्रिल का आयोजन कर ग्रामीणों को बताए आपदा से बचने के तरीके

राजापुर, चित्रकूट: यमुना तट पर स्थित तुलसी जन्मकुटीर के प्रांगण में गुरुवार को बाढ़ आपदा राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज (मॉक ड्रिल) का प्रदर्शन करते हुए पीएसी की 12वीं बटालियन फ्तेहपुर तथा अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने डूबते हुए व्यक्ति को बचाने और आग पर काबू पाने के तरीके बताए।

मॉक ड्रिल के दौरान आपदा प्रबंधन टीम द्वारा ग्रामीणों को डूबते हुए व्यक्ति को बचाने और स्वाथ्य टीम बिना समय गवाए उसका समुचित इलाज करने के तरीके बताए गए। साथ ही बाढ़ जैसी स्थिति में त्वरित कार्रवाई और समन्वय की प्रक्रिया में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत सामग्री वितरण करने के तरीके भी बताए गए। इस दौरान अपर जिलाधिकारी उमेशचन्द्र निगम ने कहा कि मानसून के दस्तक देने पर क्षेत्र की सामान्य जलस्तर वाली नदियों यमुना, वाल्मीकि व अन्य छोटी बड़ी में बाढ़ आने की स्थिति में सावधानी बरतनी होगी। जिसमें सबसे पहले यमुना के तलहटी पर बसे गाँव के लोगों को ही सावधानियाँ बरतनी होती है। बताया कि प्रशासन द्वारा भी मानसून के दौरान बाढ़ की आशंका को देखते हुए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। जिसके तहत निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को जागरूक करने और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में तैनाती के लिए टीमें तैयार की जा रही हैं। साथ ही नाव, रस्सियां, लाइफ जैकेट्स और अन्य उपकरणों की उपलब्धता भी सुनिश्चित कराई जा रही है। बताया कि मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखना और कमियों को दूर करना है। जिससें जनहानि और संपत्ति के नुकसान को न्यूनतम किया जा सकें। इसके साथ ही सभी विभागों को आपस में बेहतर तालमेल बनाए रखने पर जोर दिया जा रहा है। नागरिकों से अपील की गई कि बाढ़ से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए जिला आपदा प्रबंधन केंद्र व तहसील स्तर पर बने कंट्रोल रूम में इसकी जानकारी दी जा सकती है।

इस मौके पर राजापुर उपजिलाधिकारी रामऋषि रमन, तहसीलदार भारत प्रताप सिंह, क्षेत्राधिकारी जयकरण सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी आशाराम पाल, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ मनोज कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर, नायब तहसीलदार पारुल सिंह परिहार, प्रभारी अग्निशमन अधिकारी पवन कुमार त्यागी, बारहवीं बटालियन पीएसी फ्तेहपुर कमाण्डर अंगद सिंह, थाना अध्यक्ष प्रवीण सिंह, चौकी इंचार्ज गनींवा यदुवीर सिंह, अधिशासी अधिकारी बालकृष्ण गौतम, डॉ आशीष कुमार, राजस्व निरीक्षक राजेंद्र सिंह, सदर लेखपाल प्रदीप तिवारी, सभासद शंकर दयाल जायसवाल, मंगल पाण्डेय, रामप्रसाद गर्ग, शिव पूजन गुप्ता, भरत जायसवाल आदि मौजूद रहे।

भगवान बुद्ध के विचारों को जीवन में उतारने के लिए दी प्रेरणा

चित्रकूट ब्यूरोः अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान लखनऊ तथा जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में चल रही सात दिवसीय ग्रीष्मकालीन कार्यशाला के तीसरे दिन गुरुवार को विद्वानों ने बुद्ध के विचारों को वर्तमान जीवन दर्शन के संदर्भ में प्रकट किया।

कार्यशाला में डॉ कमलेश जंगगिड ने कहा कि भगवान बुद्ध की वाणी मानव जीवन को नई दृष्टि प्रदान करती है, जिसके माध्यम से हम समसामयिक समस्याओं को हल करके प्रगति का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध के विचार भारतीय संदर्भ में ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मैत्री संबंधों को मजबूत बनाने में भी अपना योगदान देते हैं?। समाजशास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि बौद्ध धर्म एवं योग की शिक्षा को यदि आधुनिक जीवन में प्रयुक्त किया जाए तो निश्चित रूप से मानसिक एवं भौतिक दोनों प्रकार के संतुलन को बनाया जा सकता है। उन्होंने एक सर्वेक्षण अध्ययन के माध्यम से अपने निष्कर्ष के आधार पर बताया कि योग और बौद्ध धर्म के सिद्धांतों के प्रयोग से व्यक्तियों के शारीरिक और मानसिक स्थिति में आश्चर्यजनक परिवर्तन होता है। हिंदी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ शांत कुमार चतुर्वेदी ने वर्तमान वैश्विक संदर्भ में बौद्ध दर्शन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। दीपक कुमार मिश्र ने बौद्ध दर्शन की आधुनिक संदर्भ में प्रासंगिकता और बौद्ध दर्शन के माध्यम से मानव व्यक्तित्व के उत्कृष्ट विकास पर प्रकाश डाला। इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के डॉ महेंद्र कुमार उपाध्याय ने बौद्ध दर्शन के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक अनुशीलन के द्वारा बौद्ध की वाणी का मानवीय पक्ष पर प्रत्यक्ष प्रभाव तथा उसके द्वारा सामाजिक व राष्ट्रीय परिवेश में संतुलन के महत्व से अवगत कराया। आईएमयू कोच्चि के विधार्थी हर्षित मिश्रा ने बुद्ध एवं अहिंसा के संबंध को विस्तार से प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन संगीत विभाग के अध्यक्ष डॉ गोपाल कुमार मिश्रा ने किया।

जिला जज ने अंतर्राष्ट्रीय ड्रग अब्यूज दिवस के अवसर पर बंदियों को किया जागरूक

चित्रकूट ब्यूरोः उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश राकेश कुमार त्रिपाठी ने गुरुवार को अन्तर्राष्ट्रीय ड्रग अब्यूज दिवस के अवसर पर नशीली दवाओं के दुरूपयोग एवं अवैध तस्करी के खिलाफ जागरूकता शिविर का आयोजन कर जिला कारागार में निरूद्ध महिला एवं पुरूष बन्दियों को जागरूक किया। इसके साथ ही जिला कारागार का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा सम्बन्धितों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जागरूकता शिविर में बंदियों को उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा प्रदान किये यूट्यूब लिंक के चलचित्र को चलाकर दिखाया गया। इस दौरान जनपद न्यायाधीश ने कहा कि नशा से मुक्ति पाने के लिए प्रत्येक वर्ष 26 जून को विश्वभर में अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्यों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफदिवस मनाया जाता है। यह दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1987 में स्थापित किया गया था ताकि मादक द्रव्यों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ वैश्विक स्तर पर जागरूकता बढ़ाई जा सके और इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत किया जा सकें। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों को नशे से दूर रहना चाहिए। खास तौर से युवा पीढ़ी को नशे से होने वाले नुकसान के प्रति सचेत रहना चाहिए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव वर्णिका शुक्ला ने बंदियों को बताया कि इस दिन का उद्देश्य न केवल मादक द्रव्यों के दुरुपयोग को रोकना है, बल्कि प्रभावित

लोगों के पुनर्वास, सामाजिक समावेशन और उनके प्रति सम्मानजनक व्यवहार को भी बढ़ावा देना है ताकि एक सुरक्षित, स्वस्थ और नशामुक्त समाज का निर्माण किया जा सके। यह दिन अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्यों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ मादक द्रव्यों के चक्र को तोड़ने और अपराध के खिलाफएकजुट होकर लड़ने का संदेश देता है। इसके बाद जिला जज ने जिला कारागार में महिला बैरक, जेल अस्पताल, पाकशाला, हाई सिक्योरिटी बैरक आदि का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान जिला जज ने निरूद्ध महिला बंदियों को निःशुल्क अधिवक्ता व जेल अपील के बारे में जानकारी दी। बताया कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर बंदी जिला कारागार में संचालित लीगल एड क्लीनिक में कार्यरत अधिकार मित्र को अवगत कराकर समाधान के लिए जेल अधीक्षक के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को पत्र भेज सकते हैं। इस मौके पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राजेन्द्र प्रसाद भारतीय, पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी उमेश चन्द्र निगम, मुख्य चिकित्साधिकारी भूपेश द्विवेदी, जिला कारागार अधीक्षक शशांक पाण्डेय, जेलर सन्तोष कुमार सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। इसी क्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव के निर्देशन में सहायक न्याय रक्षक कुलदीप सिंह, योगेन्द्र सिंह व अधिकार मित्र अंगद बाबू द्वारा जिला मुख्यालय के न्यायालय परिसर से वादकारियों तथा अन्य कर्मियों के साथ जागरूकता रैली निकालकर आम जनमानस को नशे के प्रति जागरूक किया गया। इसके अलावा राजकीय सम्प्रेक्षण गृह, संयुक्त जिला चिकित्सालय चित्रकूट, जिला पुस्तकालय हाल सहित सभी समस्त तहसीलों में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

स्वतंत्र भारत

कानपुर शुक्रवार, 27 जून 2025 10

मध्यांचल समाचार

इटावा/फर्रूखाबाद/औरैया/मैनपुरी/एटा/कन्नौज/फिरोजाबाद/आगरा/मथुरा/अलीगढ़

सड़क हादसे में घायल मजदूर ने दम तोड़ा

इटावा। सड़क हादसे में घायल मजदूर की पांच दिन बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। इकदिल के बिरारी गांव के सामने 20 जून की शाम जालौन के मोहल्ला चमन दुबे के रहने वाले 50 वर्षीय नफीस पुत्र हफीज ट्रैक्टर की टक्कर से घायल हो गया था। गंभीर हालत में नफीस को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया था। वहां उसकी मौत हो गई।

संचारी रोग की रोकथाम के लिए जुटेंगे प्रधान और पंचायत सहायक

कमालगंज । कमालगंज ब्लाक सभागार में मौजूद ग्राम प्रधान पंचायत सहायक तथा सचिव ।

स्वतंत्र भारत संवाददाता

फर्रूखाबाद, कमालगंज । खंड विकास अधिकारी कार्यालय कमालगंज सभागार में आज संचारी रोग नियंत्रणअभियान से संबंधित बैठक आयोजित की गई 1 जुलाई से 31 जुलाई तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान और 11 जुलाई से 31 जुलाई तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा इस संबंध में खंड विकास अधिकारी त्रिलोक चंद्र शर्मा ने बताया कि सभी प्रधान सचिव और पंचायत सहायक संचारी रोग अभियान में बढ़.चढ़कर हिस्सा लेंगे और लोगों को जागरूक करेंगे

संचारी रोगों जैसे डेंगू मलेरिया चिकनगुनिया फाइलेरिया और कालाजार को रोकना है अभियान के दौरान घरों में जल जमाव गंदगी और नालियों के जाम होने जैसी समस्याओं पर तत्काल कार्यवाही की जाएगी स्वास्थ्य विभाग से आए नितेश कटियार ने बताया कि दस्तक अभियान 11 जुलाई से 31 जुलाई तक चलेगा इस अभियान में आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता घर.घर जाकर बुखार क्षय कुष्ठ और फाइलेरिया रोगियों की सूची बनाएंगी यह अभियान संचारी रोगों से बचाव के लिए लोगों को जागरूक करेगा और व्यवहार परिवर्तन के लिए प्रेरित करेगा

उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों और विभागों को संचारी रोग अभियान की तैयारी के संबंध में समीक्षा करने की आदेश दिए हैं बैठक के दौरान एडीओ कोऑपरेटिव योगेंद्र कुमार सचिव आलोक दुबे अमित शुक्ला लक्ष्मी लता अभय राज तान्या सिंह और प्रधान विश्वनाथ कश्मीर सिंह यादव आशीष राजपूत संदीप कुमार भुवन चंद बरतिया समेत प्रधान और पंचायत सहायक उपस्थित रहे

हलवाई ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

उदीए इटावा। थानां पछायगांव के ग्राम पुरा मंशाराम निवासी 36 वर्षीय हलवाई ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली गयी। उक्त ग्राम निवासी राम मोहन पुत्र भूरे सिंह जो हलवाई का काम करता थाए बुधवार देर रात अपने घर के नीचे कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली गयी।गुरुवार तड़के ऊपरी मंजिल पर सो रहे उसके बच्चे और पत्नी जब नीचे उतरकर आये तो राम मोहन को फंदे से लटका देखकर होश उड़ गये। पत्नीए बच्चों के चीखने की आवाज सुनकर पड़ोसी व ग्रामीण लोग मौके पर पहुंचे।सूचना पर पहुंची थानां पुलिस द्वारा राम मोहन को फंदे से उतारा गया तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस कार्यवाही के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। ग्राम प्रधान अभिलाख सिंह ने बताया मृतक दिल्ली में हलवाई का काम करता थाए एक सप्ताह पहले ही गांव लौटकर आया था। स्वजन आत्महत्या का कारण नहीं बता पा रहे हैं।

एनडीआरफएसडीआरएफने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बचाव एवं राहत के लिए कराया माक ड्रिल

-राज्य आपदा प्रबंधन उपाध्यक्ष ले जनरल योगेंद्र डिमरी ने

-प्रदेश के 44 बाढ़ प्रभावित जिलों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए माक ड्रिल की समीक्षा

स्वतंत्र भारत संवाददाता

फर्रूखाबाद । राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से जिले के दो बाढ़ प्रभावित सदर तथा अमृतपुर तहसील क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाके में गंगा के किनारे रहने वाले लोगों के साथ टीम के सदस्यों ने एनडीआरफ की टीमों ने रिहर्सल करवाया राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी के साथ मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार मिश्रा ने बाढ़ से प्रभावित होने वाले गांव के किनारे पहुंचकर मॉक ड्रिल करवाया बताते चलें कि प्रदेश के 44 जिले के 118 बाढ़ प्रभावित तहसील क्षेत्रों में मॉक अभ्यास कराया गया स

उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से राज्य स्तरीय बाढ़ मॉक अभ्यास का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। यह अभ्यास प्रदेश के 44 जनपदों की 118 बाढ़ संभावित तहसीलों में एक साथ किया गया। मुख्य विकास अधिकारी श्री मिश्र ने बताया कि सभी विभागों के समन्वय से दैवीय आपदा निपटने के लिए जिले के सभी विभागों ने मॉक ड्रिल में हिस्सा लिया तथा राहत एवं बचाव के कार्य त्वरित गति से करने का प्रशिक्षण भी राष्ट्रीय आपदा मोचक दल द्वारा लिया गया

प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेण् जनरल योगेंद्र डिमरी ने जिले फर्रूखाबाद से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी जनपदों के कार्यवाही की समीक्षा की एवं बताया कि इस अभ्यास का उद्देश्य बाढ़ की आपात स्थिति में विभिन्न विभागों के समन्वय संसाधनों की तत्परता एवं ग्राम से राज्य स्तर तक की प्रतिक्रिया प्रणाली का परीक्षण किया गया

गुरुवार को सुबह 9 बजे से सभी जिलों के डी इ ओ सी और तहसीलों से जुड़ने के बाद। 9रू30 बजे से कार्यवाही शुरू की गई। जनपदों ने बाढ़ आने के कारण गांवों के जलमग्न होनें लोगों के पेड़ध्छतों पर फंसे होने नकली समाचार व अफवाहों

नाव पलटना पुल और सड़कों के टूटने जैसी 5 प्रमुख परिदृश्यों पर कार्यवाही की।

राहत शिविर बाढ़ चौकी फील्ड हॉस्पिटल की व्यवस्था का भी प्रदर्शन किया गया।

योजना भवन लखनऊ से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के वरिष्ठ सलाहकार ब्रिगेडियर रवींद्र गुरुंग ने सभी जनपदों एवं तहसीलों के गतिविधियों का संचालन कराया गया।

अभ्यास में जिलों के प्रशासन पुलिस स्वास्थ्य एनडीआरफ एसडीआरएफ फायर ब्रिगेड तहसील प्रशासन पुलिस होमगार्ड एवं अन्य विभागों की

फर्रूखाबाद । बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में अधिकारियों को निर्देशित करते राज्यआपदा प्रबंधन उपाध्यक्ष ले जनरल योगेंद्र डिमरी साथ में एसडीएम रजनीकांत पांडे तथा जिला आपदा विशेषज्ञ, नदी में डूबते व्यक्ति को रेस्क्यू कर लिए एनडीआरएफके सदस्य ।

सक्रिय भागीदारी रही। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ने जनपद की दो तहसीलों फर्रूखाबाद और अमृतपुर के चाचूपुर जटपुरा और कटरी धर्मपुर की कार्यवाहियों का निरीक्षण भी किया। बढ़पुर विकास खंड की पंखिया की मड़ैया कटरी धर्मपुर में ब्लॉक एवं तहसील एसडीएम सदर रजनीकांत पांडे खंड विकास अधिकारी अमरेश चौहान सहायक विकास अधिकारी सहकारिता गोविंद नारायण यादव सीओ सिटी टेस्ट श्रेया उपाध्याय तहसीलदार श्रद्धा पांडे सीतापुर एम्बुलेंस गोताखोर फायर ब्रिगेड समेत कर्मचारी मौजूद रहे अमृतपुर तहसील के चाचूपुर जटपुरा में एसडीएम अतुल कुमार सिंह तहसीलदार जिला कमांडेंट होमगार्ड्स डीएन सिंह सहायक विकास अधिकारी पंचायत मुख्यालय सत्यनारायण सिंह प्रभारी चिकित्सा अधिकारी राजेपुर डॉ अमित राजपूत डॉक्टर गौरव वर्मा डिप्टी सीएमओ दीपक कटारिया तहसीलदार खंड विकास अधिकारी सुनील जायसवाल पशु चिकित्सक जिलाआपदा विशेषज्ञ आयुष्महेंद्र परिहार मौजूद रहेअंतिम सत्र में कलेक्ट्रेट सभागार से उपाध्यक्ष ले जनरल श्री डिमरी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जनपदों द्वारा की गई मॉक अभ्यास की समीक्षा अनुभवों खामियों एवं सुधार की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की यह अभ्यास राज्य की आपदा प्रतिक्रिया व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम रहा जिससे वास्तविक आपातकाल में जनहानि को न्यूनतम किया जा सके। इस दौरान यूपीएसडीएमए प्रोजेक्ट एक्सपर्ट प्रशांत कुमार मौजूद रहे

खबर एक नज़र

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर बस पलटी दो की मौत

.मधुबनी से दिल्ली जा रही बस

इटावा। बिहार के मधुबनी से दिल्ली जा रही एक डबल डेकर बस गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसे का शिकार हो गई। यह हादसा आगरा.लखनऊ एक्सप्रेसवे पर सैफई थाना क्षेत्र के अंतर्गत माइलस्टोन पर सुबह 4 बजे हुआए जब बस अनियंत्रित होकर एक्सप्रेसवे से नीचे जा गिरी।

इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गईए करीब 25 से अधिक लोग घायल हो गए। तीन लोगों की हालत नाजुक बताई जा रही है। सभी का उपचार सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी में किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि बस चालक को झपकी आने के कारण बस ने पहले एक्सप्रेसवे के मध्य डिवाइडर से टक्कर मारीए फिर एक अज्ञात वाहन से भिड़ंत के बाद असंतुलित होकर एमबीसीबी तोड़ते हुए बाईं ओर आरओ क्षेत्र में पलट गई। बस में करीब 80 से अधिक यात्री सवार थे। इस भीषण हादसे में दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गईए जिनमें एक महिला सईदा खातून ;नेपाल निवासीद्ध और मनोज कुमार ;55 वर्षए दरभंगाए बिहार निवासीद्ध शामिल हैं। वहीं 25 से अधिक यात्री घायल हुए हैंए जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही सैफई थाना पुलिसए दमकल विभागए यूपीडा की सुरक्षा टीमेंए और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। राहत व बचाव कार्य के लिए एंबुलेंस 116ए 76ए 92 व 108 के जरिए घायलों को सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी भिजवाया गया। घटनास्थल पर जिलाधिकारीए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकए एसपीआरएए एडीएमए एसडीएमए यूपीडा अधिकारी और पुलिस बल मौजूद रहे। मौके पर हाइड्राए जेसीबी और रिकवरी वाहनों की मदद से पलटी हुई बस को सीधा कर लिया गया है और उसे थाना सैफई भेजा जा रहा है। डॉक्टरों की टीम घायलों के इलाज में गंभीरता से जुटी हुई है। सभी घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जा रही है। फिलहाल एक्सप्रेसवे पर यातायात सामान्य रूप से चालू है और स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है।

डॉ. अजीत सिंह डीपीआरओ बने

भरथनाए इटावा। तहसील क्षेत्र के मूल निवासी पैरालम्पिक मेडलिस्ट जैवलिन थ्रोअर डॉण् अजीत सिंह यादव को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पीसीएस के अंतर्गत जिला पंचायतराज अधिकारी डीपीआरओ के पद पर नियुक्त किया गया है।

तहसील क्षेत्र के ग्राम नगला विधी साम्हों के मूल निवासी भालाफेंक के खिलाडी डाण् अजीत सिंह यादव ने दूरभाष पर बताया कि इससे पहले वह मुम्बई में आयकर विभाग में इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत थे। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उप्प्रण् अन्तर्राष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियमावली 2022 के अन्तर्गत चयन समिति द्वारा की गई संस्तुति के आधार पर उनकी पंचायतीराज विभाग में जिला पंचायतराज अधिकारी के पद पर नियुक्ति की गई है। डॉण् अजीत सिंह यादव ने लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर से खेल एवं शारीरिक शिक्षा में पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने के उपरान्त यूजीसी नेट परीक्षा भी उत्तीर्ण की है। वर्ष 2023 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उन्हें लक्ष्मण पुरूस्कार तथा वर्ष 2024 में भारत सरकार द्वारा अर्जुन पुरूस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया था। उन्होंने एशियन पैरा गेम्स 2022ए वर्ल्ड चौंपियनशिप 2019ए 2023ए 2024 सहित अनेक अंर्तराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए देश को बार.बार गौरवान्वित किया है।

मुठभेड़ में चार बदमाश गिरफ्तार

इटावा। रिटायर आईएफएस अधिकारी की चेन स्नैचिंग करने वाले चार बदमाशों को इकदिल पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। एक अंतरराजीय बदमाश पुलिस की गोली लगने से घायल हुआ है। पकड़े गए बदमाशों में एक अधिकारी का भतीजा हैए जिसने अपने साथियों के साथ पूरी वारदात की साजिश रची थी। पुलिस ने इनके पास से दो तमंचेए एक बाइक व कारतूस बरामद किए हैं।

इकदिल थाना इंचार्ज इंस्पेक्टर विक्रम सिंह चौहान ने बताया कि बरैला में 22 जून को रिटायर आईएफएस अधिकारी श्रीकृष्ण सिंह भदौरिया से बाइक सवार तीन बदमाश घर के बाहर से चेन गले से चेन खींचकर भाग गए थे। पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके आरोपियों की तलाश में लगी हुई थी। एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया बुधवार देर रात पुलिस और मानिकपुर विशु गोशाला की तरफ पुलिस ने एक बाइक पर चार लोगों को आते देख रोकने का प्रयास कियाए बाइक सवार बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में फायर कियाए इसमें बाइक सवार कपिल तोमर बाएं पैर में गोली लगने से घायल हो गया। जिससे बाइक अनियंत्रित होकर गिर पड़ीए चारों बदमाशों को घेरकर गिरफ्तार कर लिया। घायल बदमाश को जिला अस्पताल भेजा गया। तलाशी में बदमाशों के पास से तमंचेए कारतूस व कृष्ण भदौरिया की चेन टुकड़ों बरामद हुई। पकड़े गए बदमाशों में आईएफएस अधिकारी का पारिवारिक भतीजा अभयराज भदौरिया उर्फ छोटूए इकदिल बाजूनगर का मोहितए एमपी भिंड थाना व कस्बा फूप का रहने वाला कपिल व शिवदीप सिंह हैं। कार्रवाई के बाद चारों को जेल भेज दिया गया। पुलिस की पूछताछ में अभयराज भदौरिया ने बताया कि उसने पैसों के लालच में अपने साथी मोहित के साथ मिलकर अपने ताऊ श्रीकृष्ण के गले से सोने कि चेन को छीनने की साजिश रची थी। मोहित ने अपने दोस्त कपिल तोमर व दो अन्य साथियों को इसके बारे में बताया और वह लोग भी वारदात के लिए तैयार हो गए। जसवंतनगर नगला छंद के हिस्ट्रीशीटर विजय प्रताप उर्फ छोटू से तमंचा व कारतूस मंगाया। 21 जून को कपिल अपने दोस्त शिवदीप उर्फ शिब्बू अपने साथियों के साथ नारायण ढाबा पर पहुंचे। जहां मोहित व विजय के साथ नारायण ढावा के पास हाईवे पर तमंचा कपिल को दे दिया। कपिल से कहा कि वह चेन छीन कर झपट्टा मारकर भागेगा और कोई बात हो तो गोली मार देए एक तमंचा शिब्बू भी अपने साथ लिए हुआ था।

परशुराम समिति का मेधावी सम्मान समारोह 13 को

इकदिलए इटावा। परशुराम सेवा समिति हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के उत्तीर्ण मेधावी छात्र.छात्राओं को सम्मानित करेगी। उक्त जानकारी देते हुए परशुराम समिति के प्रदेश अध्यक्ष डॉण्सुशील सम्राट व महामन्त्री जयशिव मिश्रा ने बताया कि 29 जून को आयोजित होने वाला मेधावी सम्मान समारोह स्थगित कर दिया गया है अब यह कार्यक्रम 13 जुलाई को होगा स उन्होंने बताया कि सीबीएसई बोर्ड व यूपी बोर्ड के हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के वर्ष 2025 में 80 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले मेधावी छात्र.छात्राओं को परशुराम सेवा समिति प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित करेगी स प्रदेश अध्यक्ष डॉण्सम्राट ने बताया कि अब मेधावी सम्मान व वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह 13 जुलाई दिन रविवार को सुबह 10 बजे से शक्तिधाम समारोह स्थल महेराचुंगी इटावा में आयोजित किया जायेगा स छात्र.छात्राएं एक पासपोर्ट साइज की फोटो व अंक पत्र की फोटो कॉपी एवं आधार कार्ड की फोटो कॉपी समिति के प्रदेश कार्यालय मोहल्ला कायस्थान इकदिल में 10 जुलाई तक जमा करें अथवा मोबाइल नम्बर 9412185887 पर भी भेज सकते हैं।

एक्सप्रेस वे पर पुलिया में टकराया लोडर चालक की मौत

चौबियाए इटावा। आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे थाना चौबिया क्षेत्र के अंतर्गत चौनल नंबर 112 पर गांव उनवा संतोषपुरा के पास बीती शाम एक लोडर ;छोटा हाथीद्ध आगरा से लखनऊ की तरफ जा रहा था तभी चालक को नींद का झोंका आ जाने से वह पुलिया से टकरा गया। जिससे लोडर पर सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को यूपीडा की एंबुलेंस से सैफई पीजीआई भेजा गया जहां पर डॉक्टरों ने लोडर चालक को मृत घोषित कर दिया। लोडर चालक मोहम्मद लायक सिंह उम्र 33 वर्ष पुत्र रईस निवासी टेडीमऊ थाना मलिहाबाद जनपद लखनऊ अपने साथी मोहम्मद जैद पुत्र रफीक मोहम्मद निवासी उपरोक्त के साथ मथुरा से लखनऊ आम लेने के लिए लोडर से जा रहा था । लोडर में आम भरने के लिए खाली क्रेट लदी हुई थी। तभी जैसे ही यह आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर थाना चौविया क्षेत्र के अंतर्गत पहुंचा अचानक चालक को नींद का झोंका आ गया जिससे लोडर पुलिया से टकरा गया। घटना की जानकारी राहगीरों ने यूपीडा के गश्ती दल को दी। सूचना मिलते ही सुरक्षा अधिकारी राजेंद्र प्रसाद पांडे गश्ती दल के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को एंबुलेंस बुलाकर सैफई मेडिकल अस्पताल में भिजवाया। जहां पर इलाज के दौरान मोहम्मद लायक को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। एक्सप्रेसवे से लोडर को हटाकर यातायात समान रूप से चालू कराया गया सुरक्षा अधिकारी राजेंद्र प्रसाद पांडे ने बताया मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है वह आम लोड करने के लिए मथुरा से लखनऊ जा रहा था। थाना चौबिया पुलिस ने शब का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

शक्ति प्राप्त करने के लिए करें शक्ति की साधना

छिबरामऊ कन्नौज। सनातन धर्म में प्रमुख रूप से चैत्र नवरात्रि एवं अश्विन नवरात्रि होते हैं। गुप्त नवरात्रि आषाढ़ शुक्ल पक्ष में एवं माघ शुक्ल पक्ष में होता है। वर्तमान में असर शुक्ल पक्ष 26 जून से गुप्त नवरात्रि का शुभारंभ हो गया है। जानकारी देते हुए शक्तिपीठ गमा देवी के पुजारी पंडित बनारसी दास शास्त्री ने बताया कि देवी शक्ति की आराधना श्रद्धालु जैन 9 दिन तक विशेष रूप से करते रहे जिसमें दुर्गा चालीसा दुर्गा सप्तशती दुर्गा जी की पूजा आदि श्रद्धालु जन 9 दिन तक करें ताकि आदिशक्ति दुर्गा जी की कृपा अनवरत बनी रहे। उन्होंने बताया कि गुप्त नवरात्रि का समापन 4 जुलाई शुक्रवार नवमी को होगा इसी को कंदर्प नवमी कहते हैं?।

संपत्ति के मामले में आवेदक के बाद अब गवाह की बीमारी के चलते मौत

-किसान नेता ने विरासत दर्ज करने वालों के खिलाफकार्रवाई की मांग

छिबरामऊ कन्नौज। पाकिस्तान चली गई हलीमा बीवी का मृत प्रमाण पत्र बनवाने में गवाही करने वाले एक गवाह की मौत हो गई है। जबकि आवेदक को बहुत पहले ही मौत हो चुकी है। जबकि दूसरे गवाह ने मृत प्रमाण पत्र को लेकर किसी भी तरह की जानकारी न होने का शपथ पत्र पहले ही देदिया है। मोहल्ला विरतिया निवासी हलीमा बीवी से जुड़ी संपत्तियों के मामले में दिन प्रतिदिन कोई ना कोई नया प्रकरण सामने आ जाता है। जहां एक तरफ उनसे जुड़ी करोड़ के रुपए की बेश कीमती जमीनों से जमकर हेरा फेरी किया गया। वही उनका मृत्यु प्रमाण पत्र भी फर्जी बाड़ा कर बनवाया गया था जबकि उसमें मोहम्मद सागीर और मोहम्मद जाकिर और पप्पू ने गवाही में हलफनामा में दिए थे। मोहम्मद शफीउद्दीन की मौत हो चुकी है जबकि दिवस गवाह मोहम्मद सागीर की भी बीमारी के चलते मौत हो गई है वहीं दूसरे गवाह जाकिर और पप्पू पहले ही पूरे मामले से अनिर्विंताजताते हुए हालत्फ नामा दे चुके हैं जिस तरह मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने वाले के परजिनों और गवाहों ने जांच के दौरान अपने आप को पूरे मामले से पला झाडा है उससे अब यह नया पेज फस गया है कि कहीं किसी और ने तो नहीं इन लोगों के नाम से फर्जी बाड़ा कर हलीमा बीवी का मृत प्रमाण पत्र बनवाया था।

फर्जी विरासत दर्ज कराकर कई कई बार बिकी जमीने

किसान गुटके पूर्व प्रदेश महासचिव गोपाल दुबे टाडा बताया कि भूमि माफियाओं ने राजस्व कर्मियों और अधिकारियों से 60सालाकर पाकिस्तान चली गई हलीमा बीवी से जुड़ी संपत्तियों की फर्जी बड़ा कर विरासत दर्ज कर ली है और फिर इसके बाद एक जमीन कई कई लोगों को मोटे मुनाफे के साथ बेच दी गई है जब से किसान नेट की शिकायत पर उच्च अधिकारियों ने मामले को संज्ञान में लिया और गाता बार जांच शुरू कराई तब से संबंधित संपत्तियों पर काबिज लोगों और भोग माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है किसान नेता ने बुधवार को एसडीएम ज्ञानेंद्र कुमार द्विवेदी से मिलकर कई अन्य गाटा संख्या जांच के लिए उपलब्ध कारण इसके साथ ही किसान नेता ने बताया कि वह गुरुवार को कन्नौज जाकर संबंधित गाटा संख्या की 60 साल रिपोर्ट निकलवाएगा जिससे पूरी स्थिति स्पष्ट हो जाएगी सफाई नायक के रिटायरमेंट में बच्चे सिर्फ तीन दिन छिबरामऊ हलीमा बीवी के मृत्यु प्रमाण पत्र की स्थानीय जांच नगर पालिका के सफाई नायक प्रभु दयाल के द्वारा की गई थी। इस मामले में जांच के दौरान सफाई नायक को भी नोटिस भेजा गया था। उन्होंने भी अपना जवाब ईओ को सौंप दिया था हालांकि सफाई नायक प्रभु दयाल के रिटायरमेंट में अब सिर्फ तीन दिन शेष बचे हैं जानकारी के मुताबिक हुए इसी माह की 30 तारीख को सेवानिवृत हो जाएंगे।

बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगे दो ट्रक सीज

-आठ अन्य वाहन भी सीज

फर्रूखाबाद । ए आर टी ओ प्रवर्तन सुभाष राजपूत ने नगर तथा राजेपुर थाना क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया इस अभियान में खनन सामग्री ले जाने वाले दो ट्रक बिना नंबर प्लेट के संचालित पाए गए तो उन्हें सीज कर थाना राजेपुर में खड़ा कर दिया गया है तथा इन पर 60000 रुपए का जुर्माना लगाया गया । चार वाहनों को बिना फिटनेस संचालित पाए जाने पर सीज किया गया तथा उन पर 30000 रुपए का जुर्माना लगाया गया । चार अन्य वाहनों को उत्तर प्रदेश राज्य का कर जमा न होने के अभियोग में सीज करने की कार्यवाही की गई इस प्रकार सभी वाहनों पर रुपये 137000 का जुर्माना लगाया गया है। उत्तर प्रदेश राज्य के बकाया कर की वसूली हेतु प्रवर्तन दल द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहे हैंए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

भगवान जगन्नाथ के नेत्रोत्सव में हुई राधारमण संकीर्तन रस वर्षा

स्वतंत्र भारत संवाददाता

फर्रूखाबाद । जगन्नाथ रथयात्रा के दो दिवसीय महोत्सव के प्रथम दिवस में श्रीराधामाधव मन्दिर में जगन्नाथ जी का नेत्रोत्सव दर्शन में श्री राधारमण संकीर्तन रस वर्षा ;भजन संध्याद्धका भव्य आयोजन हुआ।

भगवान जगन्नाथ का विग्रह झांकी खुलते ही मंदिर प्रांगण जगन्नाथ स्वामी के जयकारों से गूंज उठा भगवान जगन्नाथ स्वामी के दर्शन से लोग भाव विभोर हो गए

परम पूज्य वैष्णव आचार्य डॉ मनमोहन गोस्वामी के सानिध्य में गुरुधाम श्रृंगार वट वृन्दावन से पधारे संकीर्तन आचार्य किशोरी दास एवं श्यामसुन्दर शुक्ल मनीष पांडेय कुण् बृज रज शुक्ल मास्टर किंजल्क शुक्ल उनके साथ साज संगत दे रहे ऑर्गन प्लेयर. पंडित आकाश तिवारी ढोलक प्लेयर. प्रदीप कुमारए ऑक्टोपैड प्लेयर. राम प्रकाश वर्मा द्वारा प्रस्तुत भजन तरंगों . राधे अलबेली सरकारए तेरी शरण में आकर मैं धन्य हो गया करुणामयी कृपा कीजिए कृपा की ना होती जो आदत तुम्हारी मेरे बांके बिहारी नंदलाल मोहनाए काली कमली वाला मेरा यार है

नाम मेरी राधा रानी का हमें राधा रानी तेरे नाम का सहारा द्वारा उपस्थित सभी भक्त भक्तिमय वातावरण में झूम उठे। 27 जून को रथयात्रा का उत्सव दोपहर 1ण्30 बजे से पहंडि विजय से राधा माधव मंदिर से प्रारंभ होगा और उसके बाद 3 बजे से लोहाई रोड मंदिर में बच्चों द्वारा नृत्य नाटिका की प्रस्तुत की जाएगी फिर 4बजे से रथयात्रा प्रारंभ होगी

पंचकोशीय विकास ही भारतीय शिक्षा का मूल आधार-हेमचन्द्र

स्वतंत्र भारत संवाददाता

फर्रूखाबाद। नवचयनित आचार्य प्रशिक्षण वर्ग के पंचम दिवस में श्री हेमचन्द्र जी ने पंचकोशीय विकास की दी गूढ़ व्याख्या की विद्या भारती कानपुर प्रान्त की ओर से आयोजित दस दिवसीय नवचयनित आचार्य प्रशिक्षण वर्ग के पंचम दिवस के प्रथम सत्र में प्रमुख मार्गदर्शक क्षेत्रीय संगठन मंत्री विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश हेमचन्द्र ने कहां कि शिशु का पंचकोशात्मक विकास ही हमारी भारतीय शिक्षा प्रणाली का मूल उद्देश्य है। यह पाँच कोश हैं अन्नमय प्राणमय मनोमय विज्ञानमय तथा आनंदमय उन्होंने कहा कि शारीरिक विकास हेतु अन्नमय कोश प्राण ऊर्जा के संतुलन हेतु प्राणमय कोश चित्त व मानसिक स्थिरता हेतु मनोमय कोश विवेक व निर्णय क्षमता हेतु विज्ञानमय कोश और आत्मिक शुद्धता हेतु आनंदमय कोश का विकास

आवश्यक है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यक्ति से लेकर परमेष्ठी तक की यात्रा पंचकोशों के विकास से ही संभव है। साथ ही विभिन्न कोशों के विकास में आहार व्यायाम स्वच्छता ध्यान सत्संग सेवा स्वाध्याय जैसे तत्वों की भूमिका को विस्तार से बताया।

प्रशिक्षणार्थियों ने सत्र को गहरी रुचि से ग्रहण किया और विषय की वैज्ञानिकता व आध्यात्मिकता को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

मीडिया प्रभारी आलोक दीक्षित ने बताया कि प्रशिक्षण वर्ग के दिन की शुरुआत 6बजे योग व्यायाम की कक्षा से होती है 9 बजे से दोपहर 12बजे तक वैचारिक व सैद्धांतिक सत्र रहते हैं दोपहर भोजनोपरान्त दो सत्र क्रियात्मक शैक्षणिक विषयश रहते है इस वर्ग में कानपुर प्रांत से 68प्रशिक्षार्थी उपस्थित हैं इस प्रशिक्षण वर्ग का समापन 30जून 2025को होगा

इस दौरान अजय द्विवेदी संभाग निरीक्षक कानपुर शिवकरन संभाग निरीक्षक बांदा शिवसिंह प्रांत सेवा प्रमुख आकाश श्रीवास्तव प्रांत शोसल मीडिया प्रमुख प्रधानाचार्य रामकृष्ण बाजपेई श्रीनारायण मिश्र आशीष दीक्षित रत्नेश अवस्थी ओमप्रकाश शुक्ला धर्मवीर सिंह जी आदि प्रधानाचार्य एवं गणमान्य उपस्थित रहे

आपातकाल पीड़ितों को समान पेंशन और सम्मान की उठी मांग

जेपी सेनानी सम्मेलन में हुआ देश भर से आए लोकतंत्र सेनानियों और सामाजिक प्रतिनिधियों का जुटान

नई दिल्ली, ब्यूरो। लोकतंत्र के रास्ते में आपातकाल का बेरिकेट लगाने के तानाशाही फैसले को 50 साल पूरा होने के मौके पर देश के तमाम हिस्सों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर ना सिर्फ उस दौर की यादें ताजा की जा रही हैं बल्कि मौजूदा पीढ़ी को यह एहसास भी कराया जा रहा है कि सत्ता की शक्ति का दुरुपयोग कर लोकतंत्र की राह में रूकावट पैदा करने के बारे में सोचना भी नाकाबिले माफी है। इन्हीं आयोजनों की श्रृंखला में संपूर्ण क्रांति राष्ट्रीय मंच और लोकनायक जयप्रकाश अंतरराष्ट्रीय अध्ययन विकास केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में राजधानी दिल्ली स्थित कंस्टीट्यूशन क्लब में जेपी सेनानी सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें देशभर से लोकतंत्र सेनानी जुटे और आपातकाल की विभीषिका को याद करते हुए वर्तमान संदर्भों में लोकतंत्र की चुनौतियों पर विस्तार से विचार विमर्श किया। इस मौके पर औपचारिक तौर पर तीन सूत्रीय प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार सरकार से मांग की गई है कि सभी राज्यों में आपातकाल पीड़ित लोकतंत्र सेनानियों को समान पेंशन योजना के अंतर्गत लाया जाए और लोकनायक जयप्रकाश नारायण के योगदान को स्थायी रूप से संरक्षित करने के लिए उनके नाम पर एक अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय की स्थापना की जाए ताकि भावी पीढ़ियां उनके व्यक्तित्व और कृतित्व से प्रेरणा लेकर लोकतंत्र को मजबूत में अपना योगदान देने के लिए तत्पर हो। इसके अलावा सरकार से यह मांग भी की गई है कि 25 जून को 'लोकतंत्र रक्षा दिवस' के रूप में आधिकारिक मान्यता दी जाए।

इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यनारायण जटिया, गांधी स्मृति के उपाध्यक्ष विजय गोयल, पूर्व सांसद सूरज मंडल, भारत रक्षा मंच के संयोजक सूर्याकांत केलकर, भाजपा के आंध्र प्रदेश प्रभारी सुनील देवधर, अंशुमान जोशी, सुधांशु रंजन और उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य सुधाकर सिंह के अलावा विभिन्न राज्यों से आए लोकतंत्र सेनानी और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल रहे। इस मौके पर अपने संबोधन में सत्यनारायण जटिया ने जयप्रकाश नारायण, नानाजी देशमुख और अन्य लोकतंत्र सेनानियों को 'लोकतंत्र के अमर दीप' बताते हुए कहा कि आपातकाल के दौर में प्रतिरोध का सूर्य अस्थायी रूप से ढका गया था लेकिन जनबल के बलिदान ने उसे और प्रखर बना दिया। जेपी का 'सिंहासन खाली करो, जनता आती है' का उद्घोष सिर्फ एक नारा नहीं, तानाशाही के विरुद्ध जनशक्ति का ऐतिहासिक आह्वान था। विजय गोयल ने कहा कि आज जब हम संविधान दिवस मनाते हैं तब हमें संकल्प लेना चाहिए कि कभी भी किसी तानाशाही प्रवृत्ति को लोकतंत्र पर हावी नहीं होने देंगे।

राजर्षिछत्रपति साहूजी महाराज की जयंती पर सपा कार्यालय में कार्यक्रम

मिर्जापुर। समाजवादी पार्टी ने लोहिया ट्रस्ट स्थित पार्टी कार्यालय पर राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज की जयंती मनाई। गुरूवार को आयोजित संगोष्ठी में छत्रपति साहूजी महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनको श्रद्धांजली अर्पित की गई। इस अवसर पर सपा जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा कि साहूजी महाराज कोल्हापुर रियासत के शासक थे। उनके शासनकाल में शिक्षा और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य हुए। नौकरी और शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की व्यवस्था सर्वप्रथम साहूजी महाराज ने ही शुरू की थी।

इस मौके पर अशोक यादव, सुरेन्द्र सिंह पटेल, झल्लू यादव, सोकिम अहमद, हरिशंकर यादव, विन्ध्यवासिनी यादव, रमाकान्त यादव आदि दर्जनों लोग मौजूद रहे।

बाढ़ प्रभावित इलाका में एसडीएम चुनार के नेतृत्व में किया गया मॉकड्रिल

सीखड़ (मिर्जापुर)। स्थानीय ब्लॉक के रामगढ़ गांव में मानसून से पहले बाढ़ जैसी आपदाओं से निपटने की तैयारियों का परीक्षण किया गया। गंगा घाट पर मॉक ड्रिल का आयोजन हुआ। इस अभ्यास का उद्देश्य आमजन को बाढ़ से बचाव के लिए जागरूक करना था।एसडीएम चुनार के नेतृत्व में बचाव राहत कार्यों का मॉकड्रिल कार्यक्रम किया गया।जिसमें अचानक गंगा नदी में बचाओ बचाओ की आवाज सुनाई देने लगी।नदी के किनारे जीवन रक्षक उपकरण के साथ एसडीआरएफ ने नदी में डूब रहे लोगों को बाहर निकाल आस्थाई स्वास्थ्य शिविर में लेजाया गया जहां पर मौजूद चिकित्सकों ने सभी का प्राथमिक उपचार किया। यह कार्यक्रम राज्य आपदा प्रबंधन के निर्देश पर बाढ से बचने के लिए मॉकड्रिल किया गया है। मॉक ड्रिल में लोगों को बाढ़ के दौरान जान-माल की सुरक्षा के तरीके सिखाए गए। इसमें जलमग्न क्षेत्रों से सुरक्षित निकलने की विधियां बताई गईं। साथ ही प्राथमिक उपचार की जानकारी भी दी गई। यह अभ्यास आपदा प्रबंधन की तैयारियों को मजबूत करने का प्रयास है। वहीं नरोत्तम सिंह पद्म सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मगरहां के छात्र- छात्राएं मॉकड्रिल में बढ़ चढ़ के हिसा लिए।बताते चले कि यह कार्यक्रम एस डी आर एफ एसडीएम चुनार राजेश वर्मा की उपस्थिति में स्थानीय ग्रामीण को भी शामिल किया गया। इस अवसर पर चुनार थाना प्रभारी रविंद्र भूषण मौर्या, तहसीलदार योगेन्द्र शरण शाह, नायब तहसीलदार क्रियात प्रताप नारायण ओझा, कानूनगो तारकेश्वर नाथ मिश्रा,लेखपाल विन्ध्यवासिनी मिश्रा, जितेन्द्र विश्वकर्मा, बिजली विभाग के जेई ध्यान चन्द वर्मा,बीडीओ विमल प्रकाश पाण्डेय, एडीओ पंचायत सुधीर दूबे,ग्राम प्रधान हरिओम सिंह, मुक्ती नारायण सिंह नेता सहित स्वास्थ्य विभाग, एसडीआर एफ टीम सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहे।

स्कूलों में एमडीएम राशन देने में खैरा कोटेदार कर रहे हीलाहवाली

चुनार (मिर्जापुर)। क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय खैरा व प्राथमिक विद्यालय सेमरा मुतलके खैरा के प्रधानाध्यापको ने एमडीएम का राशन देने में कोटेदार पर हीलाहवाली का आरोप लगाया है। बताया कि स्कूलों में एमडीएम के लिए आया राशन कोटेदार देने में आना कानी करते हैं।

गैर इरादतन हत्या के दो आरोपितों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

हलिया (मिर्जापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के हलिया लालगंज मार्ग बसुहरा गांव से पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के दो आरोपितो को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एसआई अच्छे लाल यादव व शिवजी यादव मय हमराह हेड कांस्टेबल राजेश मौर्या के साथ मुखबिर की सूचना पर गैर इरादतन हत्या के आरोपित खम्हारिया सूर्यवंश गांव निवासी लालचंद व लालपति को गिरफ्तार कर दोनों आरोपितो को जेल भेज दिया है। गांव निवासी हरेंद्र कुमार ने थाने में तहरीर देकर रास्ते में टटरा लगाने के विवाद को लेकर चाचा भाई लाल को धकेल दिया था। जिससे चाचा को गंभीर रूप से चोट लग गई थी और चाचा की उपचार के दौरान ट्रामा सेंटर में मौत हो गई थी। जिस पर पुलिस ने दोनों के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपितो की तलाश में जुट गई थी। इस संबंध में प्रभारी थानाध्यक्ष श्याम लाल ने बताया की गैर इरादतन हत्या के दो आरोपितो को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, ओ.एंड एफ, प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे, द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं, निविदा बंद होने की तिथि के 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है -

ई-निविदा सूचना संख्याः MECH-ONF-SY-APL-25	कार्य की अवधि : 12 माह
कार्य का नाम : जीएमसी कानपुर और आईसीडी/दादरी में एल्युमीनियम न्यूमेटिक कंप्रेस्ड एयर पाइपलाइन का प्रावधान	
कार्य का अनुमानित लागत (रु0 में) : ₹ 3502210.50	बिड सिक्योरिटी : ₹ 70100
ई निविदा प्रपत्र का मूल्य : शून्य	निविदा सिस्टम : सिंगल पैकेट सिस्टम
IREPS वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि : 24.06.2025	निविदा बंद होने की तिथि : 17.07.2025

नोटः- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) IREPS वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगा। 2. ऑनलाइन ई-निविदा केवल IREPS वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि के 15:00 बजे तक ऑनलाइन जमा की जा सकती है। 3. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नही की जायेगी। 4. न्यूनतम पात्रता मानदंडः इस निविदा में लागू नहीं हैं। 5. किसी भी प्रकार की तकनीकि समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1099/25(AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों का संचालन

उत्तर मध्य रेलवे द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः

गाड़ी सं. 04151/04152 कानपुर सेंट्रल-लोकमान्य तिलक (ट.) सुपरफास्ट साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी

04151 कानपुर सेंट्रल-लोकमान्य तिलक (ट.)			04152 लोकमान्य तिलक (ट.)-कानपुर सेंट्रल	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
(शुक्र)	13:00	कानपुर सेंट्रल	15:45	(रवि)
14:00	14:02	फतेहपुर	14:15	14:17
14:45	14:47	सिराथू	13:33	13:35
15:03	15:05	भरवारी	13:15	13:17
16:40	16:45	प्रयागराज जं.	12:40	12:45
21:05	21:10	सतना	08:40	08:50
22:20	22:22	कटनी	07:25	07:30
23:30	23:40	जबलपुर	06:15	06:25
03:25(शनि)	03:35	इटारसी	02:55	03:00
08:00	08:05	भुसावल	23:00	23:05
14:55	(शनि)	लोकमान्य तिलक (ट.)	(शनि)	17:15

कानपुर सेंट्रल से- गाड़ी सं. 04151 प्रत्येक शुक्रवार, दिनांक- 04.07.2025 से 26.12.2025 तक लोकमान्य तिलक (ट.) से- गाड़ी सं. 04152 प्रत्येक शनिवार, दिनांक- 05.07.2025 से 27.12.2025 तक संरचनाः सामान्य श्रेणी-08, स्लीपर श्रेणी-05, वाता. तृतीय श्रेणी-04, वाता. द्वितीय श्रेणी-01

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1114/25 FA

फूलपुर कोतवाली में शांति समिति से जुड़े सदस्यों एवं ताजियादारों की बैठक

(फूलपुर) आजमगढ़। सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के उद्देश्य को लेकर बृहस्पतिवार को फूलपुर कोतवाली में शांति समिति से जुड़े सदस्यों एवं ताजियादारों की बैठक हुई। इसमें परंपरागत ढंग से मोहर्रम मनाने की अपील की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए एसएसआई गंगा राम बिंद ने कहा ताजिया जुलूस एवं त्योहार से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए प्रार्थना पत्र पर पुलिस गंभीरता से विचार करेगी, किंतु किसी भी हालत में सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की गई तो गंभीर परिणाम भुगतना होगा। जिस तरह से जहाँ भी पूर्व में ताजिया दफन किया जाता रहा हैउसी तरह होगा,उन्होंने बैठक में आए ताजिया दारों से एक-एक कर उनके विचार सुने और उनसे मोहर्रम के दौरान होने वाले मजलिसों और जुलूसों को लिखित रूप से कार्यक्रमों की रूप रेखा देने को कहा और समस्याओं के निराकरण का आश्वासन भी दिया। बिजली विभाग के अवर अभियंता देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि जहां कही तार अवरोध करता है। सूचित करे उसे सही किया जायेगा।अलम अथवा ताजिया के जाने में यदि तार अवरोध करता है तो कुछ समय के लिए बिजली कटवा दी जाएगी जिससे कि जुलूस आसानी से आगे जा सके।इस मौके पर सैय्यद शमीम काजिम, शाहिद, बिस्मिल्लाह, मोहम्मद, जावेद, रिजवान, अरशद हसन इमाम, आफताब हुसैन आदि लोग थे।

सूचना

मेरे पुत्र अनूप के आधार क्रमांक 7445562348878 जन्मतिथि 10.03.2012 अंकित है जो पूर्णतया गलत है आज के बाद से समस्त अभिलेखों में इसे अनूप की जगह सिद्धार्थ सिंह जन्मतिथि 24.08.2013 के नाम से जाना व पढ़ा जाएगा। जयसिंह पुत्र रामपाल ग्राम इटारोरा पो गोपालपुर नर्वल कानपुर नगर

कानपुर नगर निगम निविदा सूचना

निविदा संख्या–09/मु०अभि०/2025–26

नगर निगम कानपुर के समस्त वर्ष 2024–25 में पंजीकृत/ नवीनीकृत ठेकेदारों से उनकी पंजीकरण सीमा के अर्न्तगत तथा उ०प्र० सरकार के अधीन किसी सरकारी संस्था में निर्माण कार्य हेतु वर्ष 2024–25 हेतु पंजीकृत ठेकेदारों से विभिन्न अभियन्त्रण खण्डों के अन्तर्गत महत्वपूर्ण एवं आवश्यक कार्यों हेतु निम्नानुसार निविदायें आमन्त्रित की जाती हैं :– 1. ई–निविदा पद्धति से आमन्त्रित कार्यों की निविदायें संख्या–01 दिनांक 03.07.2025 उपरोक्तानुसार आमन्त्रित निविदाओं के कार्यों का पृथक–पृथक विवरण एवं निविदा से सम्बन्धित नियम एवं शर्ते कानपुर नगर निगम की बेवसाइट kmc.up.nic.in पर एवं मुख्य अभियन्ता कार्यालय के नोटिस बोर्ड व सम्बन्धित अधिशाषी अभियन्ता के कार्यालय में देखी जा सकती हैं।

आर.नं. 93 दि. 26.06.2025 मुख्य अभियन्ता नगर निगम कानपुर

विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों का संचालन

उत्तर मध्य रेलवे द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ी के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत हैः-

04137/04138 ग्वालियर-बरौनी विशेष रेलगाड़ी (सप्ताह में दो दिन)

गाड़ी सं. 04137 ग्वालियर-बरौनी			गाड़ी सं. 04138 बरौनी-ग्वालियर	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
—	07:10	ग्वालियर	10:20	---
07:46	07:48	डबरा	08:40	08:42
08:15	08:17	दतिया	08:12	08:14
08:55	09:20	वी.लक्ष्मीबाई झांसी	07:25	07:50
10:50	10:52	मोठ	06:03	06:05
11:20	11:22	एट	05:37	05:39
11:43	11:45	उरई	05:16	05:18
12:25	12:27	कालपी	04:49	04:51
12:50	12:52	पुखरायाँ	04:33	04:35
15:00	15:05	गोविंदपुरी	02:35	02:40
16:05	16:07	फतेहपुर	00:43	00:45
18:00	18:05	प्रयागराज जं.	23:30	23:35
19:13	19:15	ज्ञानपुर रोड	22:30	22:32
20:25	20:30	बनारस	21:00	21:05
20:45	20:50	वाराणसी	20:35	20:40
21:48	21:50	औंड़िहार	19:18	19:20
22:45	22:50	गाजीपुर सिटी	18:10	18:15
00:05	00:10	बलिया	17:00	17:05
01:30	01:32	सुरेमनपुर	15:53	15:55
04:45	04:50	छपरा	14:00	14:05
06:00	06:05	हाजीपुर	11:35	11:40
06:45	06:47	शाहपुर पटोरी	10:40	10:42
08:00	----	बरौनी	----	09:45

- गाड़ी सं. 04137ः ग्वालियर से प्रत्येक रविवार व बुधवार को दिनांक 02.07.2025 से 28.12.2025 तक
- गाड़ी सं. 04138ः बरौनी से प्रत्येक सोमवार व गुरूवार को दिनांक 03.07.2025 से 29.12.2025 तक
- गाड़ी संरचनाः चेयर कार-03, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-03, स्लीपर श्रेणी-05, सामान्य श्रेणी-07

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1113/25(D)

वन महोत्सव के पौधेरोपण के लिए प्रभागीय वनाधिकारी में वनकर्मियों के साथ किया बैठक

हलिया (मिर्जापुर)। प्रभागीय वनाधिकारी कैमूर वन्यजीव प्रभाग मिर्जापुर तापस मिहिर ने बुधवार की देर शाम हलिया रेंज परिसर में वन महोत्व के पौधेरोपण की तैयारियों को लेकर वन क्षेत्राधिकारी अवध नारायण मिश्रा सहित वनकर्मियों के साथ बैठक कर वनकर्मियों से वन महोत्सव के तैयारियों को लेकर जानकारी लिया है। प्रभागीय वनाधिकारी ने वन महोत्सव के पौधेरोपण के तैयारियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कार्रवाई का निर्देश दिया है। आगामी माह जुलाई में होने वाले वन महोत्सव के पौधेरोपण की तैयारियों को पूरा करने का निर्देश दिया है। जिससे वन महोत्सव का पौधेरोपण सुचारु रूप से कराया जा सके पौधेरोपण के लिए वन क्षेत्र में अग्रिम मृदा कार्य सहित अन्य कार्यों को पूर्ण कराने का निर्देश दिया है। इसके बाद पौधेरोपण के लिए तैयार किये जा रहे पौधे का निरीक्षण किया है। प्रभागीय वनाधिकारी ने दिघिया पौधशाला व गुर्गी पौधशाला का निरीक्षण किया है। पौधशाला में तैयार किये जा रहे पौधों कि नियमित देखभाल के लिए पौधशाला प्रभारी राजकुमार वर्मा को आवश्यक दिशा निर्देश दिया है। इस दौरान रेंजर अवध नारायण मिश्रा, डिप्टी रेंजर सीपी तिवारी, वन दरोगा सन्नी सिंह, श्रवण कुमार संत, वन्यजीव रक्षक शीतला बक्स सिंह, नीटू शर्मा, राजकुमार वर्मा, अंकुर शुक्ला, शिवम सिंह, संदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

सी.आर.-645/K

स्वतंत्र भारत वर्गीकृत

सूचना

बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा पटेलनगर में बचत खाता सं. 24350100017111 में मेरा नाम दमयन्ती तिवारी है जबकि आधारकार्ड व पैनकार्ड में दमयंती देवी दर्ज है बैंक अकाउंट में दमयन्ती तिवारी के स्थान पर दमयंती देवी दर्ज किया जाना न्याय संगत है। दमयंती देवी पत्नी प्रसिद्धनाथ तिवारी नि. म. न. 43/7 एच.ए.एल.कॉलोनी हरजेंदर नगर. कानपुर नगर।

सी.आर.-645/K-42

कार्यालय जिला पंचायत, रायबरेली

पत्रांक– 186/जि०पं०/2025–26 दिनांक– 25.06.2025

दुकान नीलाम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिला पंचायत रायबरेली के स्वामित्व की विकास खण्ड उंचाहार के मुस्तफाबाद बेलहनी जिला पंचायत की स्वामित्व की कांजी हाउस/आयुर्वेदिक चिकित्सालय की भूमि पर निर्मित होने वाली खण्ड–3 व खण्ड–4 की दुकानों की नीलामी दिनांक 10.07.2025 को समय 12:00 बजे दिन में जिला पंचायत के सभागार में की जायेगी। नियमानुसार प्रीमियम नीलाम, नीलामी समिति के समक्ष की जायेगी। शर्ते निम्न प्रकार है :–

नीलामी शर्ते :–

1. प्रीमियम नीलाम के समय प्रत्येक बोलीदाता को मु0 25000.00 रुपया जमानत के रूप में जमा करना अनिवार्य होगा। नीलामी प्राप्त होने पर जमानत राशि प्रीमियम धनराशि में समायोजित कर दिया जायेगा। नीलामी प्राप्त न होने की दशा में तत्समय बोलीदाता को जमानत धनराशि वापस कर दी जायेगी।
2. प्रत्येक दुकान का मासिक किराया जिलाधिकारी द्वारा अनुमोदित दर (डी०एम० सर्किल रेट) से निर्धारित है, जिस पर 20 प्रतिशत गृहकर जलकर अतिरिक्त देय होगा।
3. प्रीमियम नीलाम के समय नीलाम कमेटी को अधिकार होगा कि बोली बढ़ने पर जमानत की धनराशि बढ़ा सकती है।
4. सर्वाधिक बोलीदाता को सम्पूर्ण धनराशि तत्काल जमा करना होगा। अन्यथा की स्थिति में द्वितीय बोलीदाता की बोली पर विचार किया जायेगा।
5. किरायेदार को आवंटन के पश्चात अनुबन्ध पत्र निर्धारित स्टाम्प पर लिखकर करना होगा। अनुबन्ध पत्र की अवधि समाप्त होने पर सम्बन्धित किरायेदार को अनुबन्ध नवीनीकरण कराना होगा, जिसमें जिला पंचायत को अधिकार होगा कि किराये में शासनादेशानुसार 25 प्रतिशत वृद्धि कर सके। किरायेदार को किराये पर ली गयी दुकान को सबलेट कर किराये पर देने का अधिकार नहीं होगा।
6. दुकान में ऐसा कोई वृति/व्यापार नहीं किया जायेगा, जिससे आस–पास का माहौल दूषित हो तथा भवन क्षतिग्रस्त हो और न ही किसी भी सगे सम्बन्धी को देने का अधिकार होगा।
7. शासनादेशानुसार दुकान का आवंटन एवं अनुबन्ध सक्षम स्वीकृति के उपरान्त ही किया जायेगा।
8. उपरोक्त के अतिरिक्त आवेदन नीलामी आदि के सम्बन्ध में कोई भी जानकारी जिला पंचायत कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

अभियन्ता	कार्य अधिकारी	अपर मुख्य अधिकारी	अध्यक्ष
जिला पंचायत, रायबरेली	जिला पंचायत, रायबरेली	जिला पंचायत, रायबरेली	जिला पंचायत, रायबरेली

प्रधान ने भूमिधरी में पटवा दिया चक मार्ग, और लगवा दिया खड़ंजा

माहुल (आजमगढ़)। अहरौला विकास खंड के ग्राम पंचायत गनवारा में एक व्यक्ति ने प्रधान पर उसकी कृषि भूमि में रास्ता बनवा कर खड़ंजा लगवाने का मामला प्रकाश में आया है।पीड़ित ने खंड विकास अधिकारी अहरौला और उपजिलाधिकारी फूलपुर को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है । गनवारा गांव में गाटा संख्या 136 राजस्व अभिलेखों में रामचरन और संतोष राजभर आदि की भूमिधरी है जिसमें वे खेती बाड़ी करते है ठीक उसी के पश्चिम और उत्तर गाटा संख्या 135 चक मार्ग है जो गांव के लिंक सड़क से काली जी के स्थान तक जाता है।

असलहा सटा कर छीना मोबाइल और रुपया

माहुल (आजमगढ़)। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना अहरौला अंतर्गत अहरौला अतरौलिया मार्ग पर स्थित झगड़ा पाकड़ गांव में सड़क के किनारे प्रवेश राजभर का घर है यह अपने बरामदे में बुधवार की रात को सो रहे थे की लगभग 1.45 बजे के करीब बोलेरो से कुछ अज्ञात लोग आए और प्रवेश राजभर के बरामदे में घुसकर कनपटी पर असलहा सटाकर मोबाइल और बरामदे में टांगे शर्ट से ?2500 लेकर गाड़ी में बैठकर मौके से फरार हो गए कनपटी पर असलहा लगने के कारण प्रवेश राजभर पुत्र राम आशीष राजभर ग्राम झगड़ा पाकड़ अहरौला थाने की पुलिस घटना की जांच में लगी हुई है।।

लड़कियों की तरक्की किताबों से होकर गुजरती है : डा. शमीम

(मुबारकपुर) आज़मगढ़। मुबारकपुर पुरा दीवान हाजी अक़रम साहब के आवास के पास में आज शाहिन लाइब्रेरी की नई शाखा का भव्य उद्घाटन मुख्य अतिथि उमैरुस सिद्दीकी नदवी, निदेशक, दारुल मुसन्नेफीन (शिबली अकादमी) ने फीता काटकर कर किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि पुस्तकालय सभ्य समाज की रीढ़ होते हैं और आज की बेटियों को पढ़ने के लिए जितना अनुकूल माहौल मिलेगा, वे उतनी ही बुलंद उड़ान भरेंगी। कार्यक्रम में उपस्थित डॉ. शमीम अहमद पुर्व चैयरमेन ने कहा लड़कियों की तरक्की किताबों से होकर गुजरती है। अगर हम उन्हें किताबों से जोड़ सकें, तो समाज की सोच और संस्कृति दोनों बदल सकती हैं। शाहीन लाइब्रेरी जैसी पहलें शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति ला सकती हैं।

अन्य विशिष्ट अतिथियों में हाजी सुलेमान शम्सी, डॉ. प्रोफेसर अनवर शहज़ाद ने आयोजन की सराहना की और स्थानीय स्तर पर शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों को सराहा। कार्यक्रम के अंत में डायरेक्टर अनवरुल हक़ ने सभी मेहमानों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह लाइब्रेरी लड़कियों के लिए सिर्फ किताबों का नहीं बल्कि आत्मनिर्भरता और सोच का एक दरवाज़ा है।

यह पुस्तकालय विशेष रूप से बालिकाओं को ज्ञान की दिशा में सशक्त करने की मंशा से शुरू किया गया है। इस अवसर पर हाजी शमशुल हक़ डॉक्टर मरगूब अहमद रिजवान अहमद इम्तियाज एडवोकेट बुरहानुद्दीन जमीर अहमद मैनेजर अब्दुल्ला पब्लिक स्कूल डॉक्टर जमीर अहमद आदि उपस्थित थे ।

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस समाचारपत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जांच-पड़ताल कर लें। समाचारपत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार भी नहीं होंगे।

स्वतंत्र भारत

एग्रो फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अतुल शुक्ला** द्वारा 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001 से मुद्रित एवं 78, कैनाल रोड, कैन्ट, कानपुर से प्रकाशित।

सम्पादक : **के.के. श्रीवास्तव**

फोन : 0512-2332212
0512-2330533

E-mail : swatantrabharat77@gmail.com

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र कानपुर होगा।

स्वतंत्र भारत

देश विदेश

12

आरएनआई रजि नं. 50969/89 डाक पंजीयन सं. के.पी./सिटी एल.पी.पी./2/96

कानपुर, शुक्रवार, 27 जून, 2025

ईरान ने अमेरिका के मुंह पर तमाचा मारा : खामेनेई

युद्धविराम के बाद पहली बार बोले ईरान प्रमुख : ट्रंप नहीं सुधरे तो बड़ी कीमत चुकाएंगे

नई दिल्ली। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई ने इजरायल-ईरान युद्ध की समाप्ति के बाद बृहस्पतिवार को अपना पहला सार्वजनिक बयान दिया और दावा किया कि उनके देश ने इजरायल पर जीत हासिल की है। इजरायली सेना की तेहरान पर बमबारी के बाद 12 दिनों तक चले युद्ध के दौरान खामेनेई ने एक गुप्त स्थान पर शरण ले रखी थी। गुरुवार को अपने संबोधन में खामेनेई ने तीन ईरानी परमाणु स्थलों पर अमेरिकी हवाई हमलों के बारे में बात करते हुए कहा कि अमेरिकी हमलों से हमारे परमाणु ठिकानों को कुछ ज्यादा नुकसान नहीं हो सका है लेकिन हमने अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला कर उसके मुंह पर तमाचा जड़ा है। युद्धविराम के बाद अपने पहले वीडियो संदेश में खामेनेई ने कहा कि उनके देश ने अमेरिका के मुंह पर तमाचा मारा है और इजरायल पर विजय हासिल की है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस संघर्ष के दौरान अपने दिखावटी नजरिए का प्रदर्शन किया, जबकि उन्हें इसमें सुधार करने की जरूरत है। बता दें कि 22 जून को 12 दिनों से चली आ रही इजरायल-ईरान जंग में अमेरिका कूद पड़ा था और उसने इस्लामिक गणराज्य के फोर्डो, नतांज और इस्फहान स्थित प्रमुख परमाणु स्थलों पर बंकर बस्टर बमों से हमला बोल दिया था। इसके अगले ही दिन ईरान ने कतर और इराक में अमेरिकी सैन्य अड्डों पर मिसाइलों से हमले किए थे।

खामेनेई के एक्स अकाउंट से किए गए एक पोस्ट में कहा गया है, अमेरिकी शासन पर हमारे प्यारे ईरान की जीत के लिए बधाई। अमेरिकी शासन ने सीधे युद्ध में प्रवेश किया क्योंकि उसे लगा कि अगर वह ऐसा नहीं करता, तो ज़ायोनी शासन पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा। हालांकि, इस युद्ध से उसे कुछ हासिल नहीं हुआ। यहां भी, इस्लामिक रिपब्लिक विजयी हुआ और बदले में अमेरिका के चेहरे पर जोरदार तमाचा लगा। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि अमेरिका को ''इस युद्ध से कुछ हासिल नहीं हुआ है।'' यह नया बयान खामेनेई द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए उनके उस पोस्ट के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था, ईरान किसी भी परिस्थिति में किसी से भी किसी भी तरह का उत्पीड़न स्वीकार नहीं करेगा और किसी के आगे नहीं झुकेंगा। उसने पुलिस को अपने बीमारी की जानकारी नहीं दी थी। रात में पुलिस ने उसका मेडिकल कराया तो पता चला कि वह हेपेटाइटिस पॉजीटिव है। मेडिकल रिपोर्ट सामने आने पर पुलिस वालों के भी हाथ पांव फूल गए थे। इसके बाद ही उसके कई काले चिट्ठे सामने आए। पता चला कि आसपास के इलाकों की करीब सात महिलाओं से वह संपर्क में था।खामेनेई ने कहा कि ऐसा क्षण कभी नहीं आएगा, जब ईरान सरेंडर कर दे। अयातुल्ला खामेनेई ने कहा कि ईरान के दुश्मन मिसाइलों और हमारे न्यूक्लियर प्रोग्राम का बहाना बनाकर हमले कर रहे थे, लेकिन सच यह है कि उनकी चाहत हमारे सरेंडर की थी। ट्रंप ने सच्चाई यह कहते हुए बयां भी कर दी थी कि वे हमारा सरेंडजर चाहते हैं।

ईरान पर हमला करके अमेरिका को कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। यदि उसने कभी भविष्य में ईरान पर हमले की कोशिश की तो उसे भारी कीमत चुकानी होगी। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने इजरायल के साथ सीजफायर के बाद पहली बार यह बात कही। गुरुवार को पहली बार सार्वजनिक भाषण देते हुए खामेनेई ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने एक भाषण में कहा था कि ईरान को सरेंडर कर देना चाहिए। यह मामला यूरेनियम का लेवल बढ़ाने का नहीं है और ना ही यह न्यूक्लियर इंडस्ट्री का मसला है। यह बात तो ईरान के सरेंडर की है। उनका यह कहना था, लेकिन हम स्पष्ट करते हैं कि ईरान कभी सरेंडर नहीं करेगा।

> खामेनेई ने चेतावनी दी कि ईरान के पास क्षेत्र में अमेरिका पर अपनी इच्छानुसार हमला करने की क्षमता है. उनके आधिकारिक अकाउंट से एक पोस्ट में लिखा गया, यह सच कि इस्लामिक गणराज्य के पास क्षेत्र में प्रमुख अमेरिकी केंद्रों तक पहुंच है और जब भी वह जरूरी समझे, कार्रवाई कर सकता है, एक महत्वपूर्ण बात है. भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई दोहराई जा सकती है. अगर कोई हमला होता है तो दुश्मन को निश्चित रूप से भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने विशेष न्यायाधिकरण को दी मंजूरी, रूसी नेताओं पर चल सकेगा मुकदमा

कीव। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस के शीर्ष अधिकारियों और नेताओं के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए नए अंतरराष्ट्रीय कोर्ट को गठित करने की योजना को मंजूरी दे दी है। इस नई अदालत में रूसी अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा यूक्रेन पर हमले के आरोप में चलाया जाएगा। यूक्रेन और यूरोपीय परिषद के बीच समझौते के तहत विशेष न्यायाधिकरण का गठन किया जाएगा।

नई अंतरराष्ट्रीय अदालत के गठन का उद्देश्य यूक्रेन के खिलाफ आक्रमण के लिए रूसी नेताओं और अधिकारियों को सजा देना है। यूक्रेन का आरोप है कि रूसी सेना ने 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन पर हमले के बाद से अनगिनत युद्ध अपराध किए हैं। अभी जो अंतरराष्ट्रीय अदालतें मौजूद हैं जैसे अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय को रूसी नेताओं के खिलाफ मुकदमा चलाने का अधिकार नहीं है। यूक्रेन लंबे समय से विशेष अंतरराष्ट्रीय न्यायालय की मांग कर रहा था, ताकि रूसी अधिकारियों और नेताओं को युद्ध अपराध जैसे नागरिक ठिकानों पर हमले, आम नागरिकों की हत्या, दुष्कर्म, लोगों का अपहरण करके उन्हें प्रताड़ित करने आदि के लिए दंडित किया जा सके। हालांकि रूस इन आरोपों से इनकार करता है। हालांकि नया अंतरराष्ट्रीय न्यायालय कहां बनेगा और कैसे काम करेगा, इस पर अभी भी फैसला किया जाना बाकी है। हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय जैसा ही नए कोर्ट का भी कानूनी ढांचा हो सकता है, लेकिन अभी कुछ भी तय नहीं है। अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत राष्ट्राध्यक्ष और शीर्ष नेताओं को अक्सर मुकदमे से सुरक्षा मिलती है। इस नई अंतरराष्ट्रीय अदालत को नीदरलैंड्स, जापान, कनाडा जैसे देशों से फंडिंग मिलेगी। अमेरिका ने जो बाइडन के नेतृत्व में इसे समर्थन दिया था, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से इस प्रोजेक्ट का समर्थन नहीं किया जा रहा है।

पाकिस्तान के आचरण की कड़ी आलोचना

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तनावपूर्ण माहौल में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने बच्चों और सशस्त्र संघर्ष (सीएएसी) पर वार्षिक खुली बहस के दौरान पाकिस्तान के आचरण की कड़ी आलोचना की। भारत ने इस्लामाबाद पर अपने आंतरिक मानवाधिकार हनन और राज्य प्रायोजित आतंकवाद से ध्यान हटाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के मंचों का हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। राजदूत हरीश ने पाकिस्तान को सीएएसी एजेंडे का गंभीर उल्लंघन करने वालों में से एक करार देते हुए उसकी निंदा की, जिसमें लड़कियों के स्कूलों और स्वास्थ्य कर्मियों पर हमले और अफगानिस्तान में सीमा पार से गोलाबारी शामिल है, जिसमें नाबालिगों को नुकसान पहुँचाया गया।

भारत के स्टैंड पर ईरान हुआ खुश, जताया आभार

नई दिल्ल। ईरान ने सैन्य हमलों के दौरान उसके साथ खड़े रहने के लिए भारत के प्रति आभार जताया. इजराइल ने उसके खिलाफ हमला किया था जबकि बाद में अमेरिका ने भी उसके परमाणु ठिकानों पर भीषण बमबारी की. ईरानी दूतावास ने एक बयान में कहा कि वह तेहरान का साथ देने वालों के वास्तविक और अमूल्य समर्थन की सराहना करता है. हालांकि, इसने भारत सरकार का कोई संदर्भ नहीं दिया. अमेरिका द्वारा रविवार सुबह ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर बमबारी के बाद ईरान और इजराइल के बीच संघर्ष बढ़ गया. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को ईरान और इजराइल के बीच युद्ध विराम की घोषणा की. बुधवार को युद्ध विराम लागू होता दिख रहा है. अपनी प्रतिक्रिया में नई दिल्ली ने मंगलवार को संघर्ष विराम का स्वागत किया और कहा कि वह स्थिति को सुलझाने में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है. ईरानी दूतावास ने भारत के सभी स्वतंत्रता-प्रेमी लोगों जो ईरान के साथ दृढ़ता और मुखरता से खड़े हैं उनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया. स्वतंत्रता-प्रेमी लोगों में राजनीतिक दल, संसद सदस्य, गैर-सरकारी संगठन, धार्मिक और आध्यात्मिक नेता, विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, मीडिया के सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता और सभी व्यक्ति और संस्थान शामिल हैं।

एक नज़र

तेलंगाना में नशे में धुत महिला ने रेलवे ट्रैक पर कार दौड़ाई, कई ट्रेनें रोकी गईं

हैदराबा। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में आने वाले शंकरपल्ली में एक महिला ने अपनी कार को रेलवे ट्रैक पर दौड़ा दी, जिससे रेल परिचालन कुछ देर के लिए ठप हो गया। दरअसल, गुरुवार सुबह रेलवे रखरखाव कर्मचारियों ने कोडंगल गेट के पास रेलवे ट्रैक पर एक सफेद कार को चलते हुए देखा, जिससे वह चौंक गए। उन्होंने तुरंत महिला को रोकने की कोशिश की, लेकिन वह कार चलाती रही और ट्रैक के किनारे टकरा दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, रेल कर्मचारियों ने पहले किसी भी दुर्घटना की आशंका को टालने के लिए तुरंत प्रोटोकॉल के तहत उस ट्रैक पर आवाजाही रोकी और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को सूचना दी। रेलवे पुलिस ने महिला को हिरासत में ले लिया है। महिला शराब के नशे में बताई जा रही थीं। उनकी कार में कोई नंबर भी नहीं था। महिला की वजह से बेंगलुरु और हैदराबाद के बीच चलने वाली ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। घटना की वीडियो में महिला को कार से निकालते समय उसका चेहरा काले रंग के मास्क से ढका हुआ था। महिला के कार पर कोई नंबर प्लेट न होने से शक बढ़ गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

नौसेना मुख्यालय का कर्मचारी पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित नौसेना मुख्यालय का एक कर्मचारी पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान विशाल यादव के तौर पर हुई है। यादव हरियाणा का रहने वाला है और मुख्यालय में डॉकयार्ड निदेशालय में क्लर्क के रूप में तैनात है। यादव पर आरोप है कि वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए कई वर्षों से काम कर रहा था और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी उसने कई गुप्त सूचनाएं पाकिस्तान को दी हैं। महीनों निगरानी के बाद राजस्थान की खुफिया पुलिस ने उसे आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 1923 के तहत गिरफ्तार किया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि राजस्थान की खुफिया इकाई पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों की जासूसी गतिविधियों पर नजर रख रही थी। तभी जांच के दौरान पता चला कि यादव ने नौसेना और अन्य रक्षा इकाइयों से जुड़ी गोपनीय जानकारियों को एक महिला को मुहैया कराकर पैसे लिए हैं। महिला पाकिस्तानी हैंडलर थी, जिससे यादव सोशल मीडिया के जरिए संपर्क में था। अभी तक जांच में सामने आया है कि जिस महिला के साथ यादव कथित तौर पर सामरिक जानकारी साझा कर पैसे ले रहा था, उसका नाम प्रिया शर्मा है। पुलिस का कहना है कि विशाल यादव ऑनलाइन गेम खेलता है, जिससे उसने काफी पैसा लुटा दिया है। उसकी भरपाई के लिए वह जासूसी कर पैसे जुटा रहा था। उसे क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग अकाउंट और सीधे बैंक खातों के जरिए पैसे मिल रहे थे। उससे पूछताछ की जा रही है।

भारत को जो एफ-35 अमेरिका बेचना चाह रहा था

नई दिल्ली। बताया जा रहा है कि 30 से 40 लोगों की एक बड़ी टेक्निकल टीम इस फाइटर जेट को ठीक करने के लिए आ रही है। अगर ऐसा नहीं हो पाया तो फिर इसके कलपुर्जों को खोलकर विमान में पैक करके वापस ले जाया जाएगा। लेकिन इससे भी बड़ी जानकारी अब ये सामने आ रही है कि ब्रिटिश फाइटर जेट को एयरपोर्ट पर खड़े होने की कीमत चुकानी पड़ेगी। बीते तेरह दिनों से ब्रिटिश रॉयल नेवी का एफ 35बी लाइटिंग टब फाइटर जेट भारत में खड़ा है। 110 मिलियन डॉलर की कीमत का ये अत्याधुनिक फाइटर जेट उड़ान नहीं भर पा रहा है और भारत के तिरुवंतपुरम एयरपोर्ट पर खड़ा है। अब इसे लेकर नए अपडेट सामने आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि 30 से 40 लोगों की एक बड़ी टेक्निकल टीम इस फाइटर जेट को ठीक करने के लिए आ रही है। अगर ऐसा नहीं हो पाया तो फिर इसके कलपुर्जों को खोलकर विमान में पैक करके वापस ले जाया जाएगा। लेकिन इससे भी बड़ी जानकारी अब ये सामने आ रही है कि ब्रिटिश फाइटर जेट को एयरपोर्ट पर खड़े होने की कीमत चुकानी पड़ेगी। दरअसल, 14 जून की रात को कुछ इमरजेंसी के कारण रॉयल नेवी का उड़ता हथियार एफ-35 बी स्टील्थ फाइटर जेट को भारत में लैंड कराया गया। आपको बता दें कि ये वहीं लड़ाकू विमान है जिसे अमेरिका ने तैयार किया है और वो भारत को लगातार इसी की पेशकश कर रहा है। लेकिन सच्चाई ये है कि ये विमान पिछले 13 दिनों से भारत में जमीन पर खड़ा है। वैसे इस विमान को लेकर बड़े बड़े दावे किए जाते हैं। एक दावा तो ये भी है कि ये रडार में नहीं आता। लेकिन इमरजेंसी में जब इसे भारत में लैंड करना पड़ा तो भारतीय वायुसेना के आईएसीसीएस प्रणाली ने न केवल इसे ट्रैक किया बल्कि लैंडिंग से लेकर टेक्निकल सपोर्ट तक हर स्तर पर तेजी से मदद भी पहुंचाई।

बिहार चुनाव : ममता का ईसी पर तीखा हमला

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि बिहार चुनाव के नाम पर पूरे देश में एनआरसी जैसी प्रक्रिया लागू करने की तैयारी हो रही है। उन्होंने इसे देश के लोकतंत्र के लिए खतरनाक और अलार्मिंग करार दिया। ममता ने कहा कि राज्य सरकार को चुनाव आयोग से कुछ दस्तावेज प्राप्त हुए हैं, जिनमें मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए माता-पिता के जन्म प्रमाण पत्र जमा करने की बात कही गई है।

दरअसल, चुनाव आयोग बिहार समेत छह राज्यों में विशेष गहन मतदाता

सूची पुनरीक्षण अभियान शुरू करने जा रही है। इसका उद्देश्य अवैध विदेशी नागरिकों को वोटर लिस्ट से हटाकर एक सटीक और विश्वसनीय मतदाता सूची तैयार करना है। अब क्योंकि बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए यह प्रक्रिया बिहार से शुरू की जा रही है।

ममता बनर्जी का आगे कहना है, यह फिलहाल बिहार में लागू किया गया है, लेकिन साफ है कि इसे देश के हर राज्य में लागू किया जाएगा। असली निशाना बंगाल है, क्योंकि वे प्रवासी मजदूरों और गरीब वोटरों से डरते हैं। मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि गरीबों और श्रमिकों के पास अपने माता-पिता के प्रमाण पत्र कहां से आएंगे? उन्होंने इस नई प्रक्रिया की तुलना सीधे एनआरसी से की और इसे उससे भी अधिक खतरनाक बताया। उन्होंने आरोप लगाया, ये लोग जानबूझकर गरीबों और युवा वोटरों का हक छीनना चाहते हैं।

सात दिनों की पुलिस रिमांड पर मजीठिया

नई दिल्ली। आय से अधिक संपत्ति केस में एक दिन पहले गिरफ्तार किए गए पंजाब के पूर्व मंत्री और शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया को मोहाली अदालत ने 7 दिनों की रिमांड पर भेज दिया है। अदालत का यह आदेश मजीठिया को अदालत परिसर में लाए जाने के ढाई घंटे बाद आया। अब पुलिस मजीठिया से इस मामले में पूछताछ करेगी। मजीठिया की पेशी के दौरान कोर्ट के आसपास भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया था, क्योंकि अकाली दल के कार्यकर्ता उनकी गिरफ्तारी के बाद से प्रदर्शन कर रहे हैं। मजीठिया की अगली पेशी अब 2 जुलाई को होगी। सरकारी वकील ने पक्ष रखते हुए कहा कि बिक्रम सिंह मजीठिया ने अपने पद का दुरुपयोग कर आए से अधिक संपत्ति इकट्ठा की है। उनकी सभी कंपनियों की जांच करनी जरूरी है, जिसके लिए इन्हें मोहाली से बाहर भी ले जाना पड़ेगा। वहीं, बिक्रम सिंह मजीठिया के वकील अर्शदीप सिंह कलेर ने दलील दी कि राजनीतिक बदलाखोरी की वजह से यह केस किया गया है। उन्होंने कहा कि विजिलेंस ब्यूरो जिस स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम की रिपोर्ट का हवाला दे रहा है, उस रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट की तरफ से खारिज कर दिया गया है।

यूपी सरकार को सुप्रीम फटकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को फटकार लगाई है। कोर्ट ने एक आरोपी को जमानत आदेश में कुछ कमियों के चलते रिहा न करने पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा कि भगवान जाने कितने लोग तकनीकी खामियों के चलते आपकी जेलों में सड़ रहे हैं। कोर्ट ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। एक जिला जज इस मामले की जांच करेंगे। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि आरोपी को रिहा करने में देरी क्यों हुई। साथ ही, यह भी देखा जाएगा कि क्या इसके पीछे कोई गलत मंशा थी। कोर्ट ने राज्य

स्क्रीन टाइम छोटे बच्चों को फायदा या नुकसान पहुंचा सकता है

नई दिल्ली। आज लोग अपना ज्यादातर वक्त स्मार्टफोन, कम्प्यूटर, टैबलेट, टेलीविजन या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जैसे डिजीटल स्क्रीन पर बिताते हैं और इस पर दुनियाभर में विशेषज्ञों तथा माता-पिता के बीच बहस छिड़ी हुई है कि क्या छोटे बच्चों को इन डिजीटल उपकरणों का इस्तेमाल करने देना चाहिए। तो फिर 'स्क्रीन टाइम' का बच्चे के तंत्रिका-मनोवैज्ञानिक विकास पर वास्तविक प्रभाव क्या है? कई बाल चिकित्सा संघ बचपन में खासतौर से पांच साल की आयु तक के बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम को सीमित रखने की सलाह देते हैं लेकिन अनुसंधान से पता चलता है कि यह तस्वीर पूरी तरह से सच नहीं है। बच्चे स्क्रीन टाइम में क्या देखते हैं, वह इसके प्रभाव के लिए महत्वपूर्ण है।

शारीरिक प्रभाव

कई अध्ययनों में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि स्क्रीन के लंबे समय तक उपयोग से बच्चों में आंखों की थकान, आंखों में सूखापन और निकट दृष्टि दोष हो सकता है। इसके अलावा, बच्चों को जिस प्राकृतिक उत्तेजना की ज़रूरत होती है, तकनीक उसकी जगह नहीं ले सकती और न ही लेनी चाहिए। 'फ्री प्ले', शारीरिक व्यायाम, आमने-सामने बातचीत और प्रकृति के साथ संपर्क सभी बच्चे के विकास के लिए जरूरी हैं, लेकिन इनके स्थान पर स्क्रीन टाइम से मोटापे, दृष्टि दोष और सीखने की कठिनाइयों का जोखिम बढ़ सकता है।

तंत्रिका-मनोवैज्ञानिक प्रभाव

शारीरिक प्रभाव के अलावा स्क्रीन टाइम के कारण ध्यान, भाषा सीखने और भावनात्मक विनियमन जैसे कार्यों पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में चिंता है। तीन वर्ष से कम आयु के बच्चों पर किए गए 102 अध्ययनों की समीक्षा से पता चलता है कि स्क्रीन टाइम के घंटे ही एकमात्र कारक नहीं है, परिस्थितियाँ और संदर्भ भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। यदि कोई बच्चा खेल रहा है और उस दौरान टेलीविजन चालू छोड़ रखा है तो इससे बच्चे के खेल, ध्यान और बातचीत में बाधा आती है, भले ही बच्चा सीधे तौर पर टेलीविजन न देख रहा हो। यदि शैक्षिक उद्देश्यों के लिए और देखरेख में उपयोग किया जाए तो टैबलेट, मोबाइल फोन और टेलीविजन मूल्यवान शिक्षण उपकरण हो सकते हैं, लेकिन यदि इनका लापरवाही से उपयोग किया जाए तो ये सामाजिक संपर्क को सीमित कर सकते हैं।

असली समस्या : अनुचित सामग्री

प्रमुख खतरा स्क्रीन ही नहीं है, बल्कि उस पर मौजूद सामग्री है। बच्चों के अनुकूल न होने वाली सामग्री को देखने से ध्यान और कार्यों में कठिनाई होती है। यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म को देखने से सबसे छोटे बच्चों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। दो से तीन साल की उम्र के बच्चे, जो इस प्लेटफॉर्म के ज़्यादा संपर्क में रहते हैं, उनमें भाषाई विकास का स्तर कम होता है। इससे सामाजिक संपर्क में कठिनाई आ सकती है। अन्य अध्ययनों से पता चलता है कि अत्यधिक टेलीविजन देखने से सात साल की उम्र में अधिक बैचेनी होने के साथ ही गणित और शब्दावली में खराब प्रदर्शन भी देखा गया। यह भी पाया गया है कि 15 से 48 महीनों के बीच बहुत अधिक टेलीविजन देखने से भाषा विकास में देरी की आशंका तीन गुना बढ़ जाती है।

बच्चों के अनुकूल सामग्री क्या है?

यहीं से कहानी बदल जाती है। बच्चों और शैक्षणिक सामग्री का सकारात्मक प्रभाव हो सकता है, खासकर अगर इसमें बातचीत भी शामिल हो उदाहरण के लिए, चार से छह वर्ष की आयु के बच्चों में ध्यान और कार्यकारी कार्यों में सुधार के लिए बनाए गए डिजिटल कार्यक्रमों ने न केवल इन क्षमताओं में सुधार दिखाया है, बल्कि बुद्धिमत्ता, ध्यान और कार्यशील स्मृति (वर्किंग मेमोरी) में भी सुधार दिखाया है। परिवार से बातचीत के साथ-साथ डिजीटल कार्यक्रमों के उपयोग से दो से चार वर्ष की आयु के उन बच्चों की भाषा में सुधार देखा गया जिनमें भाषा सीखने में देरी देखी गयी थी।

विशेषज्ञों की सलाह

कई विशेषज्ञ निकायों ने ये सिफारिशें की हैं कि स्क्रीन टाइम का सर्वोत्तम उपयोग कैसे किया जाए। 'अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स' ने 18 महीने से कम उम्र के बच्चों के लिए स्क्रीन से दूर रहने का सुझाव दिया है (वीडियो कॉल को छोड़कर)। जब वे 18-24 महीने के हो जाते हैं, तो वे केवल गुणवत्तापूर्ण सामग्री देखने की सलाह देते हैं वह भी वयस्कों की मौजूदगी में। दो से पांच वर्ष की आयु के बच्चों के मामले में, प्रतिदिन अधिकतम एक घंटे की शैक्षिक सामग्री देखने की अनुमति दी जानी चाहिए।

सिमरन कौर निभाएंगी कोर्टरूम एक्ट!

दिलचस्प फैमिली ड्रामा 'जमाई नं.1' के हर मोड़ में कुछ नया, कुछ चौंकाने वाला देखने को मिलता है। अब शो में एक नया मोड़ आने वाला है, जहां रिद्धि (सिमरन कौर) पहली बार एक मजबूत कदम उठाएगी और अपने पति नील (अभिषेक मलिक) को बचाने के लिए अदालत में खड़ी होगी। नील पर सायली (सोनल वेंगुर्लेकर) ने एक झूठा इल्ज़ाम लगाया है, और रिद्धि अब अपनी ज़िंदगी की सबसे बड़ी लड़ाई लड़ने जा रही है। आने वाले एपिसोड्स में दर्शक रिद्धि के किरदार में जबर्दस्त बदलाव देखेंगे - एक पत्नी से एक जुझारू वकील तक का सफर, जो अपने पति के लिए इंसाफ की लड़ाई लड़ेगी। इस सीन को और खास बनाता है सिमरन का पर्दे पर वकील का किरदार निभाना। इस रोल को असली और असरदार बनाने के लिए उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी। कानूनी बारीकियों को समझने से लेकर कई कोर्ट ड्रामा फिल्में देखकर तैयारी करने तक, सिमरन ने इस चैलेंज को पूरे जोश से अपनाया। उनकी तैयारी में एक बड़ी प्रेरणा रही बॉलीवुड की हिट फिल्म 'ऐतराज़', जिसमें करीना कपूर खान ने एडवोकेट प्रिया सक्सेना मल्होत्रा का किरदार निभाया था जो कोर्ट में अपने पति के बचाव में केस लड़ती हैं। उसी जोश और गहराई को सिमरन ने अपने किरदार में भी उतारा है, जिससे रिद्धि न सिर्फ मज़बूत बल्कि इमोशन से भी जुड़ी हुई नज़र आएगी। सिमरन कौर ने बताया, ''एक वकील का रोल निभाने से पहले मैंने कोर्ट में वकीलों की बॉडी लैंग्वेज,

उनका आत्मविश्वास और बोलने का तरीका समझने की कोशिश की। मैंने 'ऐतराज़' जैसी कुछ फिल्में देखीं और खासतौर पर करीना कपूर का कोर्ट में आत्मविश्वास भरा अंदाज़, जो शांत रहकर मजबूती से अपनी बात रखती हैं। इससे मुझे काफी मदद मिली। मैंने ध्यान रखा कि रिद्धि के किरदार में वो ताकत दिखे लेकिन उसमें बहुत ज्यादा ड्रामा न हो।'' मालूम हो कि 'जमाई नं.1', रोज रात 10 बजकर 45 मिनट पर ज़ी टीवी पर प्रसारित है।

बनना चाहता था आर्किटेक्ट, पिता की ख्वाहिश से बना वकील : सीजेआई गवई

अमरावत। महाराष्ट्र के अमरावती में वकीलों के एसोसिएशन की ओर से देश के चीफ जस्टिस बीआर गवई को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर आयोजित समारोह में चीफ जस्टिस गवई के परिवार के सदस्यों, हाईकोर्ट के न्यायाधीशों, मित्रों, स्कूल के शिक्षकों समेत कई बड़े वकील शामिल हुए. समारोह के दौरान चीफ जस्टिस ने पुरानी यादों को ताजा किया. अमरावती चीफ जस्टिस बीआर गवई का जन्मस्थान है। समारोह में चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा, मैं कभी भी वकील नहीं बनना चाहता था. मैं हमेशा एक वास्तुकार बनना चाहता था. दरअसल हुआ ये कि मेरे पिता दादसाहेब एलएलबी कर रहे थे लेकिन वह भूमिहीन सत्याग्रह आंदोलन के दौरान जेल चले गए. इसके चलते वह परीक्षा के लिए उपस्थित नहीं हो सके.

उसके बाद उन्होंने पूर्णकालिक राजनीति में सक्रिया हो गए. इसलिए वह वकील नहीं बन सके. हालांकि, वह चाहते थे कि मैं एक वकील बनूं. मैं उनके आदेशों पर एक वकील बन गया और आगे चलकर इस जगह तक पहुंचा. पिता के आदेशों का पालन कर आज में खुश हूं। देश के चीफ जस्टिस बनने के बाद न्यायमूर्ति भूषण गवई ने स्पष्ट कर दिया था कि वे अपने अमरावती जिला वकील संघ की ओर से प्रथम अभिनंदन स्वीकार करेंगे. अमरावती जिला वकील संघ ने उपस्थित अनेक गणमान्यों और हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की मौजूदगी में चीफ जस्टिस गवई का अभिनंदन किया.

बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच के जस्टिस नितिन सांबरे की अध्यक्षता में आयोजित सम्मान समारोह में देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एन.वी. रमन्ना, बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच के जस्टिस प्रवीण पाटिल, जस्टिस अनिल किलोर शामिल हुए। चीफ जस्टिस गवई ने कहा उन्होंने जज बनने के बारे में कभी सोचा ही नहीं था. उन्होंने कहा,जब मैंने नागपुर में वकालत शुरू की तो उस समय मनोहर साहब एडवोकेट जनरल थे. उन्होंने मुझे एलएलबी करने के लिए प्रेरित किया. फिर एक साल तक सरकारी वकील के रूप में काम करने के बाद मैंने इस्तीफा दे दिया।

बाजार दर्पण

उत्सव लॉन्स

गोरखपुर में

शादी-विवाह एवं अन्य शुभ आयोजनो हेतु।

अलहदादपुर, गोरखपुर

फोनः- 0551-2338099

+918400085593

विश्वास नेत्र एवं लेज़र सेन्टर

डॉ. विश्वास वर्मा

नेत्र सर्जन

मेडिक्लेम सुविधा उपलब्ध

विराम खण्ड, राम भवन के सामने

गोमती नगर लखनऊ

मोबाइलः 9415016089